Vol.24, Issue 9 | Annual Subscription ₹ 480

जुलाई 2025

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

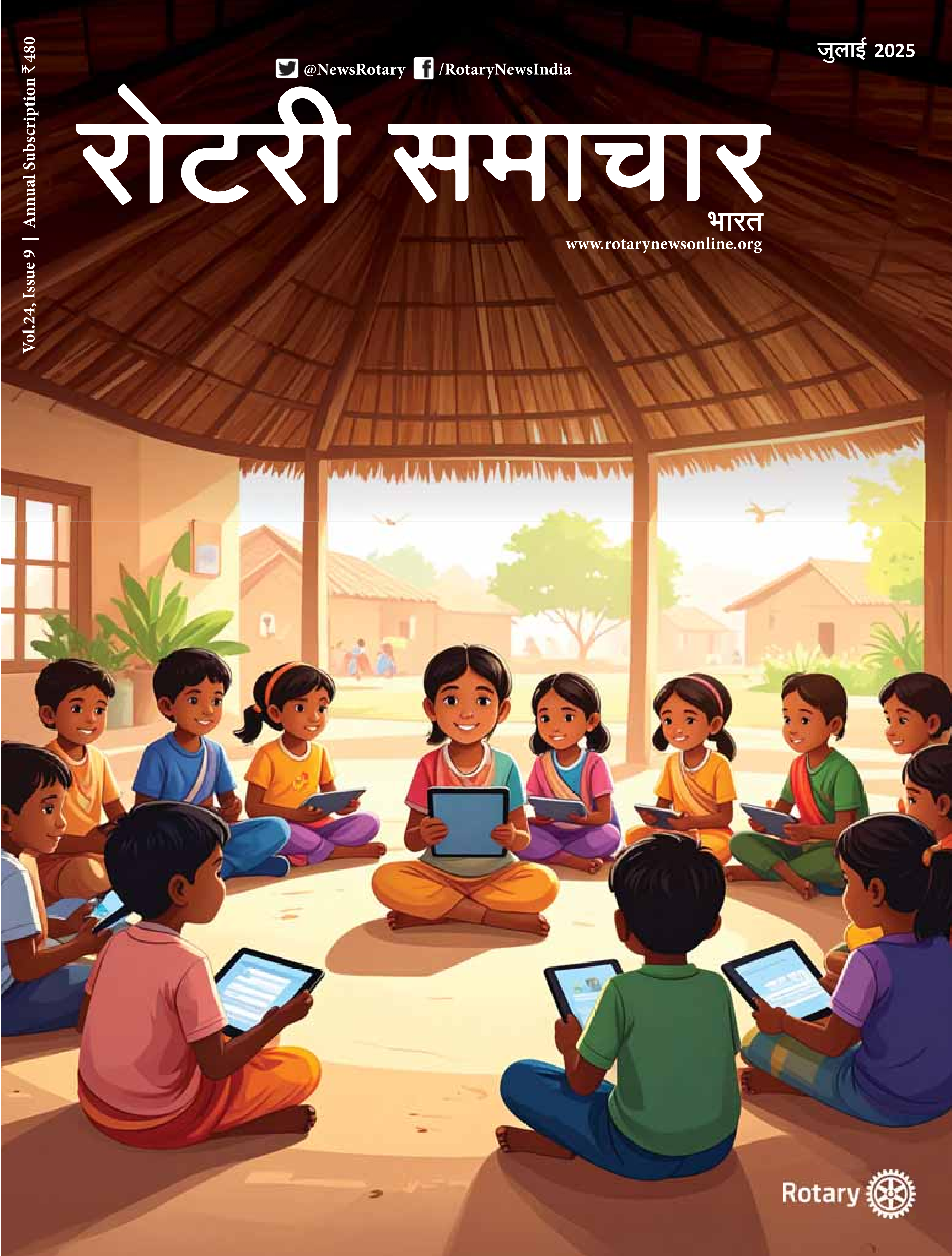

Rotary

RJ Garbage Bank has educated the future generations about sustainable waste management practice. So far...

Total hours spent Educating:
1800+

Total kgs of garbage sent for co-processing
24,800

LEND A HAND
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
Meri LiFE
Lifestyle for Environment

RJ GARBAGE BANK
குப்பை வங்கி

rj_garbagebank www.ilovewaste.in rjgarbagebank@gmail.com 87542 04222

विषयसूची

12

महाराष्ट्र के स्कूलों में डिजिटल शिक्षा

22

रोटरी का '2025 बाय 2025' सपना हुआ साकार

24

रोटरी क्लब भावनगर ने वंचित बच्चों में जगाई आशा

32

महिला क्लब ने छोटे उद्यमियों को दी मार्गदर्शना

38

अंत्येष्टि प्रबंधन पर रोटरी की अनूठी पहल

48

कोलकाता में दृष्टिबाधितों के लिए विशेष पुस्तकालय

56

एक वर्ष में ₹4.5 करोड़ की 320 परियोजनाएं

ई-संस्करण अपनाएं। पर्यावरण बचाएं।

ई-संस्करण दर हुई कम

1 जुलाई 2024 से हमारी ई-संस्करण सदस्यता ₹420 से संशोधित कर ₹324 कर दी गई हैं।

Rotary

A publication of Rotary Global Media Network

रोटरी न्यूज़ की जबरदस्त प्रशंसा

जून अंक प्राप्त हुआ और इसे प्राथमिकता से देखा। मैं शायद ही कभी संपादकीय को बिना पढ़े छोड़ता हूँ और मुझे रशीदा भगत का संपादकीय हमेशा पसंद आता है। ऑपरेशन सिंदूर पर उनकी टिप्पणियाँ जानने की उत्सुकता थी इसलिए मयुद्ध उन्मादफ पूरा पढ़े बिना मैंने पन्ना नहीं पलटा।

संपादकीय को जिस परिपक्वता के साथ रशीदा भगत ने लिखा है, मैं उसकी सराहना करता हूँ - यह वास्तव में एक पेशेवर लेखन का उदाहरण है। इस लेख के माध्यम से उन्होंने खुद को एक सच्चा भारतीय, एक उत्कृष्ट वैश्विक नागरिक और सबसे बढ़कर, एक महान मानवतावादी साबित किया है। उन्होंने सभी संवेदनशील पहलुओं को छुआ है, उन्हें समझदारी से संभाला है और एक जिम्मेदार वैश्विक नेता की तरह बेहतरीन राय प्रस्तुत की है। उनका सवाल ''क्या हम युद्ध में मारे गए किसी भी सैनिक को वापस ला सकते हैं?'' इस लेख का महत्वपूर्ण बिंदु है। यह वास्तव में कई चैनल प्रमुखों और पत्रकारों के लिए आत्मनिरीक्षण का संदेश है।

एक तरफ जहाँ उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है वहीं दूसरी ओर उन्होंने बड़ी ही खूबसूरती के साथ शांति का संदेश भी दिया है। और हमारे टीवी चैनलों को दी गई उनकी सलाह - कि वे अपने सबसे उग्र और मानसिक रूप से अस्थिर एंकरों को पत्रकारिता के स्कूलों में वापस भेजें - यह दिखाती है कि हमारी संपादक एक सच्ची पत्रकार हैं और *रोटरी न्यूज़* के लिए एक अमूल्य संपत्ति हैं।

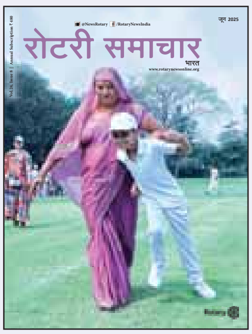

रवि हेगड़े
रोटरी क्लब सिरसी - मंडल 3170

जैसा कि हम रोटरी वर्ष 24-25 के अंत के करीब हैं, हमारे क्लब रोटरी क्लब एलेप्पी ग्रेटर के सदस्य, *रोटरी न्यूज़* के माध्यम से किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए आपकी और आपकी समर्पित टीम के प्रति अपनी हार्दिक सराहना और ईमानदारी से आभार व्यक्त करते हैं।

यह पिछला वर्ष प्रेरणा, नवाचार और प्रभावशाली सेवा से भरपूर रहा - और आपके प्रकाशन ने देश और विदेश के रोटरी क्लबों के सार्थक प्रयासों को दर्ज करने, उन्हें साझा करने और उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाने में एक अहम भूमिका निभाई है। प्रत्येक संस्करण ने न केवल रोटरी की जीवंतता और भावना को दर्शाया है बल्कि रोटेरियनों को शिक्षित, प्रोत्साहित और ऊर्जावान बनाया है।

संपादक रशीदा भगत को उनके नेतृत्व और पत्रकारिता के प्रति जुनून और उच्च गुणवत्ता बनाए रखने की प्रतिबद्धता के साथ ही रोटेरियनों के अच्छे कार्यों को अथक रूप से प्रदर्शित करते रहने के लिए विशेष रूप से धन्यवाद। आपने और आपकी टीम के कार्य ने रोटरी भावना को मजबूत किया है और हम सभी को सेवा के एक वैश्विक परिवार के रूप में और करीब लाया है।

हम *रोटरी न्यूज़* टीम को सलाम करते हैं जो हमारे सामूहिक विकास, पहचान और सीखने की प्रक्रिया के पीछे एक महत्वपूर्ण शक्ति रही है। आपके योगदान हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और सम्माननीय है।

कर्नल (सेवानिवृत्त) विजयकुमार
रोटरी क्लब एलेप्पी ग्रेटर - मंडल 3211

पीआरआईपी रिसले से सराहना

मैं हमेशा *रोटरी न्यूज़* (भारत) को पढ़ने का आनंद लेता हूँ लेकिन मई संस्करण में प्रकाशित आपके संपादक के संदेश के लिए आपको व्यक्तिगत रूप से बधाई देना चाहता हूँ। आपने डीईआई (विविधता, समानता और समावेशन) से संबंधित मुद्दों पर हमारे कार्यों, व्यवहार और दृष्टिकोण के महत्व को बहुत अच्छी तरह से प्रस्तुत किया है और जैसा कि आपने कहा हैं, हमारे शब्द और व्यवहार ही वास्तव में हमें एक रोटेरियन के रूप में परिभाषित करते हैं।

मुझे विशेष रूप से टॉयलेट पेपर की कहानी बहुत पसंद आई और यह जानकर अच्छा लगा कि इसका कंपनी के एक कर्मचारी पर कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ा। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम उन गुणों पर विचार करें जो जो एक रोटेरियन को परिभाषित करते हैं और आपका संपादकीय निश्चित रूप से इस पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है। शाबाश!

पीआरआईपी इयान रिसले

तिरुपति यात्रा: एक प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

लेख *एक जादुई परियोजना की अद्भुत तैयारी* उन सभी रोटेरियनों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र के रूप में सामने आया है जो एक विशाल परियोजना की योजना बनाते हैं। रो ई मंडल 3233 के डीजी महावीर बोथरा ने योजना की शुरुआत की नींव से ही इसका विवरण प्रस्तुत किया है। इस परियोजना की लागत ₹10 लाख से बढ़कर ₹50 लाख हो गई और डीजी ने इस समिति को विस्तारित करते हुए इसमें 15 रोटेरियनों को शामिल किया! यह ''सही कारण खोजें, साधन अपने आप मिलेंगे'' का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

विशेष बच्चों के लिए बालाजी दर्शन सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक कोच में हाउसकीपिंग सहायकों की व्यवस्था सहित इस परियोजना के सभी पहलुओं को रशीदा ने अपनी विशिष्ट शैली में प्रस्तुत किया है जो इस लेख को बार-बार पढ़ने पर मजबूर करता है! डीजी बोथरा और उनकी टीम को सलाम, जिन्होंने एक कठिन परियोजना को संभव बनाया और बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाई।

एन एस श्रीनिवास मूर्ति
रोटरी क्लब बैंगलोर - मंडल 3192

आपके पत्र

जून अंक में कई सेवा परियोजनाएं शामिल हैं जिनका नेतृत्व रो ई मंडल 3233 के डीजी बोथरा ने किया है। विशेष बच्चों के लिए भगवान वेंकटेश्वर के तिरुपति दर्शन का आयोजन इस वर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धि है। विशेष बच्चों के लिए सुगम दर्शन सुनिश्चित करने हेतु परियोजना समिति द्वारा किए गए इस कठिन कार्य ने मेरी आंखों में आंसू ला दिए।

उसी जिले ने एक अन्य सेवा परियोजना *गोल्डन स्पैरोस ऑफ़ चेन्नई* के अंतर्गत रोटरी वीमेन अचीवर अवार्ड्स प्रदान किए। बोथरा ने आश्वासन दिया कि वह महिला रोटेरियनों की संख्या बढ़ाएंगे। रोटरी की छवि को निखारने के लिए उन्हें बधाई दी जानी चाहिए।

एन जगथीसन, रोटरी क्लब एलुरु - मंडल 3020

ऑपरेशन सिंदूर के युद्धविराम के बाद टीवी बहसों में दिखाए गए उग्र राष्ट्रवादी रुझानो को संपादक के सन्देश में उजागर किया गया है। विशेष बच्चों के तिरुमाला दौरे की सूक्ष्म योजना को साथ में दिए गए चित्रों के माध्यम से अच्छी तरह दर्शाया गया है। रोटरी के लिए इससे बेहतर कोई सार्वजनिक छवि परियोजना नहीं हो सकती।

इस परियोजना की सफलता के लिए डीजी बोथरा और उनकी टीम को बधाई। यह दुखद है कि प्रधानमंत्री ने अपनी *मन की बात* में इथियोपियाई बच्चों के दिल के ऑपरेशन का जिक्र करते हुए रोटरी का उल्लेख नहीं किया। इससे रोटेरियनों का मनोबल बढ़ता।

एंथ्री वेदी नेक्कांति
रोटरी क्लब हैदराबाद मेगा सिटी - मंडल 3150

आपकी संपादकीय की शुरुआती टिप्पणियां एकदम सटीक थीं और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले का सही परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करती है। मैंने 3 दशकों से अधिक समय तक सक्रिय सैन्य सेवा दी है, जिनमें से अधिकांश समय काउंटर-इंसर्जेंसी क्षेत्रों, विशेषकर जम्मू-कश्मीर में तैनाती रही है और मैंने भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में कहीं भी 'भय और अराजकता' नहीं देखी। अमेरीकी हस्तक्षेप के संबंध में बहुत सारी गलत जानकारियाँ फैलाई गई है। ऐसा कुछ हुआ ही नहीं और जो वास्तव में हुआ उसे मैं यहाँ उजागर नहीं कर सकता। पाकिस्तान को मिला आईएमएफ ऋण, जो हम में से कई के लिए दुखद था, वो पहले से ही प्रक्रियाधीन एक नियमित किश्त थी। जहाँ तक मकट्टर युद्धोन्मादियोंफ का सवाल है उन्हें केवल बेवकूफों की श्रेणी में रखा जा सकता है। युद्ध-उन्माद या युद्ध की मांग करना ही युद्ध छेड़ने की पूर्व शर्ते होती हैं।

यूआर राज, रोटरी क्लब रांची - मंडल 3250

जून अंक के कवर पर एक लड़के और उसकी मां की तस्वीर और अध्यक्ष स्टेफनी की यात्रा के दौरान ली गई रंगीन तस्वीरें मनोरम थीं। संपादक के संदेश में *ऑपरेशन सिंदूर* की प्रशंसा की गई और युद्ध के दौरान कुछ टीवी चैनलों द्वारा की गई रिपोर्टिंग की उचित आलोचना भी की गई। रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यम की टिप्पणियाँ उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सभी लेख प्रशंसनीय हैं; पक्षियों को मुक्त करें लेख उन लोगों के लिए आँखें खोलने वाला है जो उन्हें पिंजरों में कैद रखते हैं। मंडल गतिविधियों की तस्वीरें आकर्षक हैं। जून अंक शानदार है।

फिलिप मुलाप्पोने एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन - मंडल 3211

करतारपुर साहिब कॉरिडोर के माध्यम से भारत और पाकिस्तान के लोगों के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने के लिए रो ई मंडल 3055 के रोटेरियनों को बधाई। हमें उम्मीद है कि यह पहल आगे भी मित्रता और अच्छे संबंधों को बढ़ावा देने में काम आएगी। केवल रोटरी ही ऐसी आध्यात्मिक यात्राएं शुरू कर सकता है।

के एम शम्मीकुमार
रोटरी क्लब वेल्लोर साउथ - रो ई मंडल 3231

मई अंक में गेटवे ऑफ इंडिया पर सौर ऊर्जा से चलने वाले मिट्टी के लैंप की कवर तस्वीर बहुत खूबसूरत थी और रशीदा का संपादकीय जिसका शीर्षक था *आपके शब्द/व्यवहार आपको परिभाषित करते हैं...* शानदार था।

जयश्री का लेख बिना सदस्यता के बिना...उत्कृष्ट था। सतारा में प्राचीन बांधों के जीर्णोद्धार के लिए पुणे सेंट्रल के रोटेरियनों को बधाई।

डेनियल चित्तिलापिल्ली
रोटरी क्लब कलूर - मंडल 3201

मुंबई के रोटेरियनों ने सौर लैम्पों के माध्यम से वंचितों के घरों में रोशनी लाकर उन्हें आशा दी है। इस परियोजना ने रोटरी की छवि को बढ़ाया है।

ए एस अय्यर
रोटरी क्लब एमराल्ड इरोड - मंडल 3203

आरआईपीई मारियो का पद त्याग

रो ई अध्यक्ष निर्वाचित मारियो डी केमार्गो का इस्तीफा चौंकाने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि यह उनके पद संभालने के कुछ दिन पहले ही आया है। समय की कमी की वजह से रो ई बोर्ड के लिए प्रशासनिक समस्याएं उत्पन्न होंगी।

हम प्रार्थना करते हैं कि रो ई इस संकट से शीघ्र बाहर निकले और इस सर्वोच्च पद के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति का चयन करें।

आर श्रीनिवासन
रोटरी क्लब बैंगलोर जे पी नगर
मंडल 3191

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं
rotarynews@rosaonline.org या ***rushbhagat@gmail.com***
पर संपादक को मेल कीजिए। ***rotarynewsmagazine@gmail.com***
पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए।
आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर
जानकरी और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा
rushbhagat@gmail.com या
rotarynewsmagazine@gmail.com पर भेजे जाने चाहिए।
WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

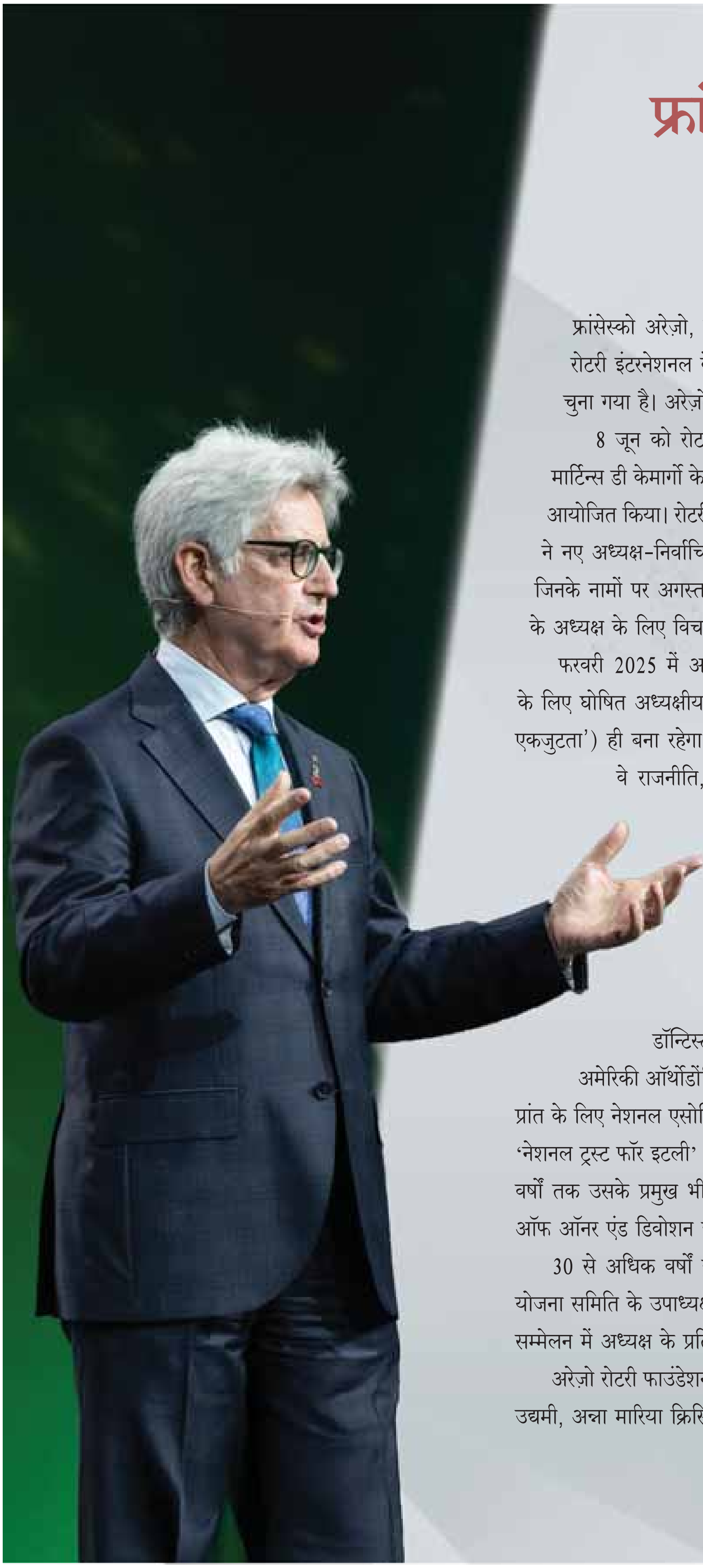

फ्रांसेस्को अरेज़ो नए रो ई अध्यक्ष

फ्रांसेस्को अरेज़ो, जो इटली के रोटरी क्लब रैगूसा के सदस्य हैं, को रोटरी इंटरनेशनल के निदेशक मंडल द्वारा 2025-26 के लिए अध्यक्ष चुना गया है। अरेज़ो 1 जुलाई को अध्यक्ष का पदभार संभालेंगे।

8 जून को रोटरी इंटरनेशनल के निर्वाचित अध्यक्ष मारियो सीज़र मार्टिन्स डी केमार्गो के अप्रत्याशित इस्तीफे के बाद बोर्ड ने एक विशेष सत्र आयोजित किया। रोटरी इंटरनेशनल के नियमों और नीतियों के अनुसार बोर्ड ने नए अध्यक्ष-निर्वाचित का चयन उन उम्मीदवारों की सूची में से किया जिनके नामों पर अगस्त 2023 में नामांकन समिति द्वारा रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष के लिए विचार किया गया था।

फरवरी 2025 में आयोजित रोटरी इंटरनेशनल असेंबली में 2025-26 के लिए घोषित अध्यक्षीय संदेश *यूनाइट फॉर गुड* (अर्थात् 'अच्छाई के लिए एकजुटता') ही बना रहेगा। यह संदेश रोटरी सदस्यों से आह्वान करता है कि वे राजनीति, भौगोलिक सीमाओं और विचारधाराओं से बढ़ती विभाजनशील दुनिया में एकता का प्रतीक बनें। सेवा परियोजनाओं के माध्यम से रोटरी विभिन्न पृष्ठभूमियों - जैसे नस्ल, धर्म और पेशे - के लोगों को अपने समुदायों में अच्छा कार्य करने के एक साझा मिशन के तहत एकजुट करती है।

अरेज़ो एक निजी प्रैक्टिस में कार्यरत ऑर्थो डॉन्टिस्ट है। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इतालवी, यूरोपीय और अमेरिकी ऑर्थोडोंटिक्स संघों के सदस्य के रूप में सक्रिय है। वह रेगुसा प्रांत के लिए नेशनल एसोसिएशन ऑफ इटालियन डेंटिस्ट के उपाध्यक्ष हैं और 'नेशनल ट्रस्ट फॉर इटली' की रैगूसा शाखा के संस्थापक रहने के साथ ही सात वर्षों तक उसके प्रमुख भी रहे। उन्हें 'सॉवरेन ऑर्डर ऑफ माल्टा' में 'नाइट ऑफ ऑनर एंड डिवोशन इन ओबेडिएंस' की उपाधि प्राप्त है।

30 से अधिक वर्षों से रोटरी के सदस्य रहे अरेज़ो ने संयुक्त रणनीतिक योजना समिति के उपाध्यक्ष और रो ई निदेशक, लर्निंग फैसिलटैटर और मंडल सम्मेलन में अध्यक्ष के प्रतिनिधि जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया।

अरेज़ो रोटरी फाउंडेशन के एक प्रमुख दाता है। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र की एक उद्यमी, अन्ना मारिया क्रिसियोन से शादी की। उनके दो बच्चे हैं।

©Rotary

दान की महिमा

जब एक बार फिर हमारा विश्व मृत्यु और विनाश, भय और अनिश्चितता, ताकत के प्रदर्शन और सैन्य शक्ति के बेकाबू प्रयोग की चपेट में आ गया है तभी एक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई - अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान जिसमें 242 लोग सवार थे, अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही पलों के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जहाज़ पर सवार सभी 242 यात्रियों में से एक को छोड़कर, जो चमत्कारिक रूप से जलते विमान से कूदकर मृत्यु के पंजे से बच गया, सभी यात्री इस त्रासदी में मारे गए... उनके सारे सपने, आशाएं और भविष्य की योजनाएं इस हादसे में जलकर राख हो गईं। पूरा देश इस पीड़ादायक दुर्घटना पर शोकग्रस्त हो गया। हम उन कुछ भाग्यशाली लोगों के बारे में सोचते रह गए जो किसी कारणवश इस उड़ान से चूक गए - जैसे वह महिला जिसे ट्रैफिक में फंसे होने के कारण बोर्डिंग से वंचित कर दिया गया। इस सबके बीच, मन के भीतर अनगिनत विचार उमड़ने लगे। जो लोग विधि का विधान, भाग्य, भगवान, एक महाशक्ति जो इस दुनिया को चलाती हैं, ग्रहों की चाल आदि में विश्वास करते हैं, उनका विश्वास और भी मजबूत हो गया और एक अटल सत्य - कि जीवन कितना अस्थिर और क्षणभंगुर है और अंत किस प्रकार कितनी अप्रत्याशित राहों से आ सकता है।

एक बार जब हम इस सच्चाई को स्वीकार कर लेते हैं कि जीवन क्षणभंगुर है तो स्वाभाविक रूप से यही विचार आता है कि हमें अपने इस एकमात्र जीवन को यथासंभव गरिमा और सज्जनता के साथ जीना चाहिए। नहीं, यह कोई नैतिकता पर आधारित निबंध नहीं है। इस प्रकार की भीषण त्रासदियाँ और युद्ध, संघर्ष और अनिश्चितता से भरी जिस दुनिया में आज हम जी रहे हैं, यह सब हमें हमारे अस्तित्व की अल्पकालिकता का तीव्र बोध कराती हैं। जब हम इस सच्चाई को शांत मन से स्वीकार कर लेते हैं तो रोटरी के मूल मूल्य और भी स्पष्ट रूप से सामने आते हैं - सत्य और निष्पक्षता, समानता और विविधता और अपने समुदायों के कम सौभाग्यशाली लोगों के जीवन में अंतर लाने की प्रतिबद्धता जिसके लिए हम केवल अपना धन ही नहीं बल्कि अपने कौशल और अनुभव को भी साझा करते है। भारत में कॉर्पोरेट्स के लिए सीएसआर अनिवार्य है लेकिन बड़े दिल वाले लोगों के लिए दान स्वाभाविक होता है।

बेंगलुरु के रविशंकर दकोजू के उदाहरण पर गौर करें जिन्होंने कुछ साल पहले रोटरी फाउंडेशन को ₹100 करोड़ (14 मिलियन डॉलर) का दान देने की घोषणा करके रोटरी जगत को चौंका दिया था। या मुंबई की राजश्री बिड़ला, जो न केवल पोलियो उन्मूलन के लिए रोटरी इंटरनेशनल को निरंतर बड़े दान देती है बल्कि रोटरी की स्थानीय सामुदायिक कल्याण परियोजनाओं के लिए भी उदारता से दान देती है। कुछ दिन पहले एक आकस्मिक बातचीत में पूर्व रो ई निदेशक अशोक महाजन ने मुझे बड़ी सरलता से बताया: ''उन्होंने मुझे कभी ना नहीं कहा; रोटरी के लिए मैंने जितनी भी राशि मांगी, उन्होंने हमेशा मुस्कुराते हुए दी।'' इसके साथ उन्होंने दकोजू की भावना का भी जिक्र किया... ''मेरे पास कुछ नहीं था; समाज ने मुझे सब कुछ दिया है इसलिए मैं उसे लौटाना चाहता हूँ - उन लोगों के लिए जो हमारी दुनिया का हिस्सा हैं।''

क्या यह उदारता की श्रेष्ठता नहीं है?

लेकिन उदारता केवल धन देने तक सीमित नहीं है। एक दयालु शब्द या कर्म... संकट में फंसे लोगों को दी गई एक अपनेपन भरी मुस्कान जादू कर सकती है। एक बार जब हम यह स्वीकार कर लेते हैं कि पृथ्वी पर हमारा समय सीमित है और अनिश्चित अंत कभी भी हमारे दरवाज़े पर दस्तक दे सकता है तो नकारात्मक भावनाओं - घृणा, क्रोध, लोभ और प्रतिशोध की भावना का बोझ उतार फेंकना बहुत आसान हो जाता है, जो हमें अकसर हास्यास्पद गहराइयों तक खींच ले जाती हैं।

चलिए इन सभी नकारात्मकता को बाहर कर दें और अपने अंदर ताज़गी लाएं। घृणा और प्रतिशोध की भावना का अंत ही शांति की शुरुआत है। इतिहास प्राचीन नहीं बल्कि 20वीं सदी के मध्य ने हमें दिखाया है कि कैसे कल के उत्पीड़ित और असहाय आज के हृदयहीन और निर्दयी उत्पीड़कों में बदल सकते हैं। इसलिए नकारात्मकता को त्याग कर शांति और प्रगति का रास्ता चुनें...

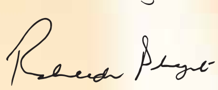

रशीदा भगत

ADVT.

RJ MANTRA ENGLISH SCHOOL

IDHAYAM RAJENDRAN CHARITIES, AFFILIATED TO CISCE-TN 082.
VIRUDHUNAGAR, TAMILNADU.

BACK TO SCHOOL

PRE KG TO XII

BACK TO SELF-DISCOVERY

LEKHA ads/July-25/ Rotary/NTEN

www.rjmantra.com | 9489067789 | 8903660689 | admin@rjmantra.com

निदेशक का संदेश

जब भलाई हो उद्देश्य, तो रोटरी को कहें 'हाँ'

प्रिय मित्रों,

इस नए रोटरी वर्ष के आरंभ के साथ मैं बड़ी ही कृतज्ञता से पीछे मुड़कर देखता हूँ। मेरी यात्रा तीन दशक पहले शुरू हुई थी - एक रोटेरियन के रूप में नहीं बल्कि एक रोटारेकटर के रूप में। रोटरी जगत में रखे गए मेरे पहले कदम ने आज मेरे जीवन को अकल्पनीय रूप से बदल दिया है। एक सामान्य क्लब सदस्य होने से लेकर नेतृत्व की विभिन्न भूमिकाएं निभाने तक इस संगठन ने मुझे आहिस्ता-आहिस्ता संवारा, मेरा मार्गदर्शन किया और मुझे आगे बढ़ने में मदद की - न केवल एक रोटेरियन के रूप में बल्कि एक व्यक्ति के रूप में।

सालों से रोटरी युद्धों, महामारियों और आपदाओं के बीच भी बड़ी मजबूती और गर्व के साथ खड़ी रही है और आज भी उतनी ही सशक्त है। क्योंकि रोटरी के पास एक अद्भुत शक्ति है: *स्वयं से ऊपर सेवा।* एक ऐसा मूल्य जो राष्ट्र, जाति, संस्कृति या धर्म से परे हर सीमाओं को पार करता है।

रोटरी अब 220 से अधिक देशों और क्षेत्रों में सक्रिय है। हम गर्व से कहते हैं कि *रोटरी जगत में सूरज कभी अस्त नहीं होता।* कहीं न कहीं दिन हो या रात में, एक रोटरी क्लब बैठक होती रहती है, सेवा कार्य चलता रहता है या किसी के जीवन में परिवर्तन आता रहता है।

रोटरी को वास्तव में विशेष बनाता है कि इसका सामर्थ्य जो समुदायों को सशक्त बनाता है, जीवन में स्थायी परिवर्तन लाता है और सबसे महत्वपूर्ण लोगों की ज़िंदगियों में परिवर्तन लाता है। रोटरी की विविधता और संगति हमें दुनिया को एक परिवार के रूप में देखना सिखाती है। चार मार्ग परीक्षण हमारे लिए एक नैतिक दिशा सूचक है जो ईमानदारी और अखंडता के साथ हमारा मार्गदर्शन करता है। और रोटरी में नेतृत्व केवल एक भूमिका नहीं है - यह *आजीवन सशक्तिकरण और परिवर्तन का मार्ग है।* यहाँ हम करुणा के साथ सीखते हैं, बढ़ते हैं और नेतृत्व करते हैं।

शांति केवल संघर्ष या युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है।

जहाँ भूख, गरीबी या असमानता हो वहाँ शांति संभव नहीं है। इसलिए रोटरी काम करती है।

यदि हाँ ही मंत्र है और जब आप रोटरी को हाँ कहते हैं, तो

- आप लोगों को गरीबी से बाहर निकाल रहे हैं।
- आप शिक्षा के द्वार खोल रहे हैं।
- आप स्वच्छता और देखभाल के माध्यम से स्वस्थ जीवन तैयार कर रहे हैं।
- आप महिलाओं और युवाओं को सशक्त बना रहे हैं।
- आप भावी पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित ग्रह बना रहे हैं।

रोटरी जादू करती है। रोटरी अपने *पीपल ऑफ एक्शन* के माध्यम से आशा उत्पन्न करती है। और यह आपसे संभव होता है।

इस नए वर्ष की शुरुआत में चलिए हम एक साथ खड़े होकर - पहले से भी अधिक मजबूत, उदार और प्रतिबद्ध बनें। आइए हम रोटरी को दुनिया में अच्छा करने के लिए एक अपरिहार्य शक्ति बनाएं।

आइए हम गर्व से रोटरी को 'हाँ' कहें क्योंकि हम *अच्छे के लिए एकजुट* होते हैं।

मेरे साथी रोटेरियनों को एक उद्देश्यपूर्ण और आनंदमय रोटरी वर्ष 2025-26 की शुभकामनाएं!

एम मुरुगानंदम
रो ई निदेशक, 2025-27

फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष का संदेश

और करीब से देखें

जब आप रोटरी में शामिल हुए, तो शायद उसका कारण यह था कि आप दुनिया में एक स्थायी बदलाव लाना चाहते थे। आर्च क्लुम्फ ने भी कुछ ऐसा ही महसूस किया था।

जब उन्होंने 1917 में रोटरी फाउंडेशन का प्रस्ताव रखा, तब उन्होंने केवल एक फंड की नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक की कल्पना की थी। उन्होंने रोटरी सदस्यों के लिए अपने समुदायों की सेवा करने और स्थायी बदलाव लाने के लिए एक स्थायी साधन देखा। एक सदी से भी ज़्यादा समय बाद, उनका यह विज़न साकार हो रहा है, आपके समर्पण और फाउंडेशन की अनूठी संरचना के लिए धन्यवाद, जो सदस्यों को हर स्तर पर वैश्विक समस्याओं की पहचान करने और उन्हें हल करने का अधिकार देता है।

आज, मैं आपसे दान देने के लिए नहीं कह रहा हूँ। इसके बजाय, मैं आपको रोटरी फाउंडेशन को एक नई नज़र से देखने के लिए आमंत्रित करता हूँ। कल्पना कीजिए, एक चैरिटी अपने ही सदस्यों द्वारा संचालित है। एक वैश्विक मिशन, जिसे वही सदस्य आगे बढ़ा रहे हैं। एक ऐसा फाउंडेशन जो अपने सदस्यों के साझा मूल्यों को दर्शाता है - जैसे सभी के लिए स्वच्छ जल और साक्षरता सुनिश्चित करना, पोलियो के अभिशाप को मिटाना, उद्यमशीलता के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण करना, और संघर्ष समाधान प्रशिक्षण के माध्यम से दुनिया को और अधिक शांतिपूर्ण बनाना।

क्या यह एक असाधारण चैरिटी नहीं लगती? रोटरी फाउंडेशन पर दुनिया भर में भरोसा किया जाता है क्योंकि हमने वह भरोसा अर्जित किया है। जाम्बिया में हमारे सफल प्रोग्राम्स ऑफ स्केल पहल के बाद, गेट्स फाउंडेशन और वर्ल्ड विजन ने हमें फिर से नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित किया - जिसके परिणामस्वरूप चार अफ्रीकी देशों में 30 मिलियन की रोटरी हेल्दी कम्युनिटीज चैलेंज शुरू की गई।

हम कुशल, रणनीतिक और समर्पित पेशेवर कर्मचारियों और भावुक स्वयंसेवकों द्वारा निर्देशित हैं। हमारे फाउंडेशन को चैरिटी नेविगेटर से लगातार शीर्ष अंक मिलते हैं। पोलियो उन्मूलन के हमारे प्रयासों में, गेट्स फाउंडेशन हमारी 50 मिलियन डॉलर की वार्षिक प्रतिबद्धता को 2-से-1 के अनुपात में पूरा करता है, जिसके परिणामस्वरूप हर साल हमारे खाते में 100 मिलियन डॉलर जमा करता है। यह भरोसा है, जो हम पर किया गया है।

हम संघर्ष क्षेत्रों में भी सक्रिय हैं। ग़ाज़ा में, जैसे ही पोलियो का एक मामला सामने आया, युद्ध में मानवीय ठहराव आ गया, जिससे स्वास्थ्य कर्मियों को बच्चों का टीकाकरण करने और प्रकोप को रोकने का अवसर मिला। इस तत्काल प्रतिक्रिया के लिए रोटरी ने धन मुहैया कराया। एक बार फिर, हमने संकट के समय एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में अपनी भूमिका निभाई।

हमें गर्व है कि हमने बदलाव किया है। अब, हम 2025-26 के लिए अपने महत्वाकांक्षी 500 मिलियन डॉलर के फंडरेज़िंग लक्ष्य की ओर देख रहे हैं। हम यह लक्ष्य मिलकर प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि हम एक ऐसे फाउंडेशन का साहसपूर्वक समर्थन करते हैं जो साहसिक कार्य कर रहा है।

रोटरी कहीं नहीं जा रही है, क्योंकि रोटरी हर जगह है! यही हमारी ताकत है। यही हमारा अनूठा अवसर है। रोटरी फाउंडेशन की विरासत का हिस्सा बनिए। यह एक ऐसी विरासत है जिस पर आर्क क्लुम्फ को गर्व होगा। यह एक ऐसी विरासत है जिसने दुनिया को बदल दिया है और ऐसा करना जारी रखेगी, जब तक हम सभी इसका हिस्सा बने रहेंगे।

होल्गर नेक

ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981 लियोन जे
RID 2982 शिवसुंदरम पी
RID 3000 कार्तिक जे
RID 3011 रविंदर गुगनानी
RID 3012 अमिता अनिल मोहिंदरू
RID 3020 कल्याण चक्रवर्ती वाई
RID 3030 ज्ञानेश्वर शेवाळे
RID 3040 सुशील मल्होत्रा
RID 3053 निशा शेखावत
RID 3055 निगमकुमार एल चौधरी
RID 3056 प्रज्ञा मेहता
RID 3060 अमरदीप सिंह बुनेत
RID 3070 रोहित ओबेरॉय
RID 3080 रवि प्रकाश
RID 3090 भूपेश मेहता
RID 3100 नितिन कुमार अग्रवाल
RID 3110 राजेन विद्यार्थी
RID 3120 अशुतोष अग्रवाल
RID 3131 संतोष मधुकर मराठे
RID 3132 सुधीर वी लातुरे
RID 3141 मनीष मोटवानी
RID 3142 हर्ष वीरेंद्र मकोल
RID 3150 राम प्रसाद एस वी
RID 3160 रविंद्र एम के
RID 3170 अरुण डैनियल भांडारे
RID 3181 रामकृष्ण पी कन्नन
RID 3182 पलक्शा के
RID 3191 श्रीधर बी आर
RID 3192 एलिज़ाबेथ चेरियन परमेश
RID 3203 धनासेकर बी
RID 3204 बिजोश मैनुअल
RID 3205 रमेश जी एन
RID 3206 चेल्ला के राघवेन्द्रन
RID 3211 टीना एंटनी कुन्नुमकल
RID 3212 जे धिनेश बाबू
RID 3231 वी सुरेश
RID 3233 डी देवेंद्रन
RID 3234 विनोद कुमार सराओगी
RID 3240 कामेश्वर सिंह एलांगबम
RID 3250 नम्रता
RID 3261 अमित जायसवाल
RID 3262 मनोज कुमार त्रिपाठी
RID 3291 रामेन्दु होमचौधुरी

प्रकाशक एवं मुद्रक **पी टी प्रभाकर**, 15 शिवास्वामी स्ट्रीट, मायलापोर, चेन्नई - 600004, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600014 से मुद्रित एवं रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट, दुगड़ टावरस, 3rd फ्लोर, 34 मार्शलस रोड, एगमोर, चेन्नई - 600008 से प्रकाशित।
संपादक: **रशीदा भगत**

योगदान का स्वागत है लेकिन संपादित किया जाएगा। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

न्यासी मंडल

एम मुरुगानंदम RID 3000
रो ई निदेशक और अध्यक्ष,
रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट

के पी नागेश RID 3191
रो ई निदेशक

डॉ भरत पांड्या RID 3141
टीआरएफ ट्रस्टी

राजेंद्र के साबू RID 3080
कल्याण बेनर्जी RID 3060
शेखर मेहता RID 3291
अशोक महाजन RID 3141
पी टी प्रभाकर RID 3234
डॉ मनोज डी देसाई RID 3060
सी भास्कर RID 3000
कमल संघवी RID 3250
डॉ महेश कोटबागी RID 3131
ए एस वेंकटेश RID 3234
राजु सुब्रमण्यन RID 3141
अनिरुधा रॉयचौधरी RID 3291
गुलाम ए वाहनवती RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2025-26)

रोहित ओबेरॉय RID 3070
अध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल

ज्ञानेश्वर शेवाळे RID 3030
वाईस चेयरमेन, गवर्नर्स काउंसिल

एम के रविंद्र RID 3160
सचिव, गवर्नर्स काउंसिल

चेल्ला के राघवेन्द्रन RID 3206
कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

टीआरएफ ट्रस्टी का संदेश

आपका उपहार जीवन बदल देगा

जैसे-जैसे हम एक नए रोटरी वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, यह हमारे अतीत को आगे बढ़ाने और भविष्य की ओर कदम बढ़ाने का समय है। एक ऐसा भविष्य जहाँ रोटरी का सम्मान और भी अधिक हो और इसकी प्रासंगिकता पहले से कहीं ज़्यादा हो। इसके लिए रोटरी फ़ाउंडेशन का धन्यवाद।

रोटरी फाउंडेशन आपके दान को ऐसी परियोजनाओं में बदल देता है, जो स्थानीय और वैश्विक स्तर पर लोगों के जीवन को बदल देती हैं। आपका योगदान सीधे पोलियो उन्मूलन, स्वच्छ जल की उपलब्धता, साक्षरता में सुधार और दुनिया भर में शांति को बढ़ावा देने जैसे कार्यक्रमों का समर्थन करता है। हर योगदान एक मापनीय अंतर पैदा करता है। फाउंडेशन की परियोजनाएँ वैश्विक चुनौतियों और स्थानीय आवश्यकताओं दोनों को संबोधित करती हैं। आपका योगदान वहाँ प्रभाव डालता है जहाँ इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत होती है।

वैश्विक अनुदानों और अन्य फाउंडेशन कार्यक्रमों के माध्यम से हम वास्तव में जीवन को प्रभावित कर सकते हैं और समुदायों को बदल सकते हैं। चैरिटी नेविगेटर से शानदार रेटिंग प्राप्त कर, टीआरएफ यह सुनिश्चित करता है कि आपके दान का उपयोग कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से किया जाए।

फाउंडेशन अनुदान रोटरी को एक नई और सार्थक दिशा में ले जा रहा है। अनुदान का प्रभाव लाभार्थियों की मदद करने से कहीं अधिक है। यह सदस्यों को जोड़ने में मदद करता है, रोटरी की सकारात्मक सार्वजनिक छवि देता है और एक बेहतरीन प्रतिधारण उपकरण भी है। वास्तव में, इनका प्रभाव गुणक की तरह काम करता है। फोकस के सात क्षेत्रों के माध्यम से टीआरएफ, रोटरी के विजन स्टेटमेंट और एक्शन प्लान के साथ सरेखित हो रहा है।

हम पोलियो मुक्त दुनिया के बहुत करीब हैं। यह यात्रा लंबी, कठिन और चुनौतीपूर्ण रही है, लेकिन दुनिया भर के रोटेरियन ने साबित कर दिया है कि 'जहाँ चाह है, वहाँ राह है।' अब समय है कि हम फिर से समर्पित हो और अपने प्रयासों को दोगुना करें। पोलियो फंड का समर्थन करना अब पहले से कहीं ज़्यादा ज़रूरी है। रोटेरियन के योगदान के बिना हम पोलियो मुक्त दुनिया के अपने सपने को पूरा नहीं कर सकते। मैं हर रोटेरियन से पोलियो फंड में योगदान देने का आग्रह करता हूँ। गेट्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से आपका योगदान तीन गुना प्रभावी हो जाता है। आज वार्षिक फंड में दिया गया आपका सहयोग कल वैश्विक अनुदान को सुनिश्चित करता है, और एंडोमेंट फंड टीआरएफ का भविष्य है।

टीआरएफ के तीनों फंडों का समर्थन करके, आप में से हर कोई एक बदलाव लाने वाला व्यक्ति है जो दुनिया को एक स्वस्थ, अधिक न्यायसंगत और अधिक शांतिपूर्ण स्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आपकी आज की उदारता कल के लिए आशा का निर्माण करती है। यही अवसर टीआरएफ हमें प्रदान करता है। आइए इसका उपयोग *भलाई के लिए एकजुट* होने के सर्वोत्तम तरीके से करें।

भरत पांड्या
टीआरएफ ट्रस्टी

बाएँ से: रोटरी क्लब संगमनेर के हरीश नय्यर, मनीष बोरा, अजीत काकड़े, विष्णु मलानी और वाजे तान्हाजी खंडेराव, जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय, कालस गांव में।

महाराष्ट्र के
100 ग्रामीण स्कूलों में डिजिटल लर्निंग

रशीदा भगत

यदि आप अपने मंडल के क्लबों को जीवंत बनाकर क्लब के सदस्यों को रोटरी गतिविधियों में व्यस्त रखना चाहते हैं तो उन्हें कोई बड़ी परियोजना सौंपिएं जिसमें वे दिल से जुड़ सकें। यह रो ई मंडल 3132 की एक विशाल परिवर्तनकारी परियोजना की नेतृत्व टीम का उद्देश्य था जहाँ रो ई मंडल 3132 के अंतर्गत आने वाले महाराष्ट्र के 11 राजस्व मंडलों के 100 स्कूलों को डिजिटल क्लासरूम प्रदान करने में 100 क्लब शामिल थे।

यह परियोजना रो ई मंडल 3132 के डीजीएन जयेश पटेल की सोच का परिणाम है, इस परियोजना के मुख्य सदस्यों का मानना है कि ये डिजिटल क्लासरूम पहले से ही इन ग्रामीण क्षेत्रों के वंचित परिवारों के बच्चों के सीखने के तरीके में बड़ा बदलाव ला रहे हैं। इस परियोजना की शुरुआती पृष्ठभूमि के बारे में बात करते हुए डीजीएन कहते है कि जब वह 2017-18 में रोटरी क्लब सोलापुर के अध्यक्ष थे तो उन्होंने सोलापुर जिले के 182 ग्रामीण स्कूलों का व्यापक सर्वेक्षण किया था। इस सर्वेक्षण में यह बात सामने आई कि सरकारी/जिला परिषद स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी थी। उनका अनुमान है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में महाराष्ट्र का औसतन छात्र-शिक्षक अनुपात 38 है और यह देश में सबसे अधिक है। ''यह अंतर ग्रामीण क्षेत्रों में और भी व्यापक है जिससे वहाँ के छात्रों को शिक्षा में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मुझे लगा कि इस क्षेत्र में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है।''

इन स्कूलों के अपने सर्वेक्षण के दौरान उन्होंने एक विशेष पैटर्न को भी पहचाना - उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्तर पर एक या दो कक्षाओं, उदाहरण के लिए कक्षा 5 और 6 में अन्य कक्षाओं की तुलना में छात्रों की संख्या बहुत अधिक थी, जिसके परिणामस्वरूप इन कक्षाओं को कई सेक्शनों में विभाजित करना पड़ा। लेकिन समस्या यह थी कि प्रत्येक कक्षा के लिए केवल एक ही शिक्षक को नियुक्त किया जाता है, ऐसे में वो शिक्षक केवल एक ही सेक्शन को पढ़ा सकता है, जिससे अन्य सेक्शन के छात्र शिक्षा से वंचित रह जाते और उनके सीखने की प्रक्रिया गंभीर रूप से प्रभावित होती है।

पटेल सोलापुर क्षेत्र के ग्रामीण स्कूलों में शिक्षा के स्तर में सुधार लाने के लिए कुछ करना चाहते थे और उन्होंने सोचा कि योग्य

शिक्षकों की भारी कमी से निपटने का सबसे अच्छा तरीका डिजिटल तकनीक के माध्यम से उन स्कूलों में डिजिटल लर्निंग लाना है जहाँ शिक्षकों की कमी है। ''लेकिन मैं यह परियोजना केवल अपने क्लब तक ही सीमित नहीं रखना चाहता था; हमारे मंडल में 101 क्लब हैं और मुझे लगा कि हमारे क्लबों को जीवंत बनाने के रोटरी के मुख्य उद्देश्यों में से एक को प्राप्त करने के लिए, यह एक आदर्श परियोजना साबित होगी जिसमें अधिकतम संख्या में रोटेरियन और क्लब शामिल होकर वंचित बच्चों के जीवन और भविष्य में एक बड़ा बदलाव ला सकेंगे।''

उनका उद्देश्य कक्षा 5 से 10 के छात्रों को आकर्षक एवं पाठ्यक्रम-आधारित ई-लर्निंग सामग्री के साथ जोड़ना था और वह इस प्रभाव को केवल स्थानीय स्कूलों तक ही सीमित नहीं रखना चाहते थे इसलिए रोटरी क्लब सोलापुर ने मंडल के अन्य क्लबों के साथ साझेदारी की - जिससे यह पहल वास्तव में एक सामूहिक पहल बन गई। प्रत्येक क्लब ने अपने क्षेत्र में एक ऐसे स्कूल की पहचान की जहाँ संसाधनों की भारी कमी थी और वहाँ रोटेरियन एक डिजी क्लास यूनिट स्थापित करके एक बड़ी, परिवर्तनकारी परियोजना का हिस्सा बन गए।

पटेल ने इसे सीएसआर-वित्त पोषित परियोजना बनाने का फैसला किया और इसके लिए उन्होंने अपनी ही कंपनी पी पी पटेल एंड कंपनी के माध्यम से 100 स्कूलों में इन इकाइयों को स्थापित करने के लिए आवश्यक ₹25 लाख का योगदान दिया था। उन्होंने इस परियोजना का नाम *रोटरी की डिजिटल पाठशाला* रखा।

रोटरी न्यूज़ से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक डिजी इकाई में एक 43" की एलईडी टीवी होती है जिसमें इंटरैक्टिव ई-लर्निंग सॉफ्टवेयर लोड किया गया होता है। इस सॉफ्टवेयर की सामग्री राज्य सरकार के पाठ्यक्रम के अनुसार होती है (डिजी कक्षा के विवरण के लिए बॉक्स देखें) कक्षा 5 से 10 तक।

''मैंने पाया कि कुछ स्कूलों में एक कक्षा में 200 छात्र भी होते हैं इसलिए उस कक्षा को चार या पांच सेक्शनों में विभाजित करना पड़ता है लेकिन उस कक्षा के लिए केवल एक ही शिक्षक नियुक्त किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप शिक्षक बच्चों

रोटरी क्लब अहमदनगर डिग्निटी के सदस्य आनंद स्कूल, अहमदनगर में छात्रों और शिक्षकों के साथ।

रोटरी क्लब नांदेड़ के मुरली भुतड़ा, पीपल्स हाई स्कूल, नांदेड़ में।

पर मुश्किल से ही ध्यान दे पाते है और उनकी सही ढंग से पढ़ाई नहीं हो पाती। हम जिला परिषद स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती नहीं कर सकते इसलिए मैंने सोचा कि क्यों न शिक्षकों की इस कमी को पूरा करने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग किया जाए क्योंकि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा पाने का अधिकार है।''

डीजीएन जयेश पटेल ने इस परियोजना को सीएसआर द्वारा वित्तपोषित करने का निर्णय लिया, जिसमें उनकी अपनी कंपनी पी पी पटेल एंड कंपनी ने 100 स्कूलों में यूनिट लगाने के लिए आवश्यक ₹25 लाख का योगदान दिया।

यह पूछे जाने पर कि उन्होंने इस परियोजना को करने के लिए पिछले साल तक इंतजार क्यों किया तो इस पर डीजीएन कहते हैं, ''मैं इसे कुछ साल पहले भी कर सकता था लेकिन मैं चाहता था कि पूरे मंडल के क्लब इसमें शामिल हों। इस तरह अधिक स्कूल को कवर किया जा सकता है।'' इसके परिणामस्वरूप एक विशाल परियोजना की शुरूआत हुई जिसने पहले ही बड़ी संख्या में छात्रों को प्रभावित किया। ''जरा सोचिए कि इस रोटरी पहल का असर केवल 70,000 छात्रों पर ही नहीं बल्कि उनके परिवारों पर भी पड़ा क्योंकि हमारी टीम ने ग्रामीणों के साथ बनाए गए अपने रिश्तों का उपयोग माता-पिता के साथ बातचीत करके उन्हें स्वास्थ्य, स्वच्छता और उचित पोषण के कई पहलुओं पर परामर्श देने के लिए किया,'' पटेल कहते है।

रोटरी क्लब सोलापुर के अध्यक्ष सीए सुनील माहेश्वरी बताते हैं कि इस परियोजना को शुरू करने से पहले सभी क्लबों ने सामुदायिक आवश्यकताओं का मूल्यांकन किया और चयनित स्कूलों से प्रस्ताव जमा किए। ''एक अद्वितीय स्वयंसेवक-आधारित मॉडल के अंतर्गत रोटरी क्लब सोलापुर ने स्थापना और अभिविन्यास को संभालने के लिए सोलापुर रोटरी परिवार (12 सोलापुर-आधारित रोटरी क्लबों का एक समूह) से 40 सदस्यीय प्रशिक्षित स्वयंसेवी टीम का गठन किया। इस व्यावहारिक दृष्टिकोण ने स्वामित्व, मजबूत सामुदायिक संबंध और बेहतर दीर्घकालिक परिणाम सुनिश्चित किए। उद्घाटन के बाद स्वयंसेवी टीमों ने पूरे मंडल का दौरा करके केवल 15 दिनों में 100 संस्थापन पूरे किए; ये स्वयंसेवक दीर्घकालिक सुविधाकर्ता की भूमिका निभाते हुए उपयोग की निगरानी करेंगे, समस्याओं को सुलझाएंगे और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करेंगे।''

लाभार्थी स्कूलों की पहचान करते वक्त इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखा गया कि ऐसे क्षेत्रों में पहुँचा जाए जहाँ गरीबी चरम पर थी ''अगर माता-पिता - जो ज्यादातर छोटे किसान या मजदूर होते है - को अपने बच्चे को बुनियादी शिक्षा देने के लिए थोड़ा भी पैसा देना पड़ता है तो वे उन्हें स्कूल से

निकाल देते और उन्हें खेतों में या अन्य जगहों पर काम पर लगा देते।''

जो मूल रूप से एक साक्षरता परियोजना थी उसका दायरा बढ़ाकर इसमें अन्य क्षेत्रों को भी शामिल किया गया विशेष रूप से स्वास्थ्य और स्वच्छता को। इसके अलावा यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया कि शैक्षिक सामग्री इतनी दिलचस्प हो कि ''बच्चे अब खुद शिक्षकों से पूछते हैं कि हमारी डिजिटल कक्षा का समय कब होगा! एक और सकारात्मक परिणाम यह रहा कि अब अधिक लड़कियां स्कूल आ रही हैं; हमें एक लड़की के माता-पिता का फोन आया जिसमें उन्होंने पूछा: सर, अब आप कक्षाओं में ऐसा क्या दे रहे हैं कि हमारी लड़कियां अब स्कूल जाने के लिए उत्साहित हैं!''

छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र केवल इंटरैक्टिव लर्निंग और रोचक शैक्षणिक सामग्री ही नहीं है, बल्कि इसमें स्पोकन इंग्लिश - या जैसा पटेल इसे कहते है 'सेमी इंग्लिश' - पाठ्यक्रम, प्राथमिक उपचार की शिक्षा और थोड़ी बहुत संस्कृत के साथ अंग्रेजी और मराठी की पढ़ाई भी करवाई जाती है। चूंकि यह क्षेत्र थैलेसीमिया जैसी बीमारी के लिए जाना जाता है इसलिए छात्रों को इस बीमारी और इसके उपचार के बारे में जागरूक किया जा रहा है। साथ ही लड़कियों को सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम के बारे में भी परामर्श दिया जा रहा है।

इंटरऐक्टिव लर्निंग और रोचक सामग्री के साथ–साथ इसमें स्पोकन इंग्लिश कोर्स, प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण, और मराठी के अलावा थोड़ा बहुत संस्कृत भी शामिल है।

प्रत्येक स्कूल पर लगभग ₹35,000 खर्च किए जाते हैं; चूंकि टीवी थोक में खरीदे गए थे इसलिए प्रत्येक टीवी की कीमत में ₹10,000 की बचत हो गई और ''हमारी अपनी समिति के सदस्यों को इन टीवी की स्थापना के लिए प्रशिक्षित किया गया जिससे इस क्षेत्र में भी कुछ लागत की बचत हुई है।''

रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3132 के डीजीएन जयेश पटेल सोलापुर में रोटेरियन सदस्यों के लिए सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण सत्र का संचालन करते हुए। ये सदस्य डिजी क्लासरूम *परियोजना के तहत 100 स्कूलों में ई-लर्निंग टीवी स्थापित करेंगे।*

डिजी क्लास

प्रत्येक स्कूल को एक 43" का एलईडी टीवी सेट दिया गया जिसमें निम्नलिखित चीज़ें लोडेड थी:

- इंटरएक्टिव ई-लर्निंग सॉफ्टवेयर (अंग्रेजी और मराठी) जिसे कक्षा 5 से 10 के लिए महाराष्ट्र राज्य बोर्ड पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार किया गया।
- पूरक मॉड्यूल में शामिल है:
  - छात्रवृत्ति तैयारी (ग्रेड 5)
  - डिजिटल लाइब्रेरी
  - स्वास्थ्य और स्वच्छता पर स्वच्छ भारत प्रशिक्षण
  - एकलव्य, जिसमें 5,000 से अधिक प्रतियोगी परीक्षा प्रश्न शामिल हैं
  - आईसीटी कौशल
  - करियर दिशा (3 भाषाओं में 250 से अधिक करियर में अवसर)
  - अंग्रेजी सीखें (सॉफ्ट स्किल्स और क्विज़)
  - 46 विषयों पर मूल्य शिक्षा
  - अंग दान और सीपीआर जागरूकता

डीजीएन की पत्नी पारुल, जो रोटरी क्लब सोलापुर की सदस्य भी हैं, इस परियोजना में सक्रिय रूप से शामिल हैं, कहती हैं कि जब उन्होंने माता-पिता द्वारा व्यक्त की गई खुशी और आभार को देखा तो वह भावविभोर हो गई। वह इस बात से उत्साहित है कि उनके पति इस परियोजना को 2025-26 में और आगे बढ़ाने की योजना बना रहे है और 2026-27 में जब वह मंडल गवर्नर बनेंगे तब भी इस परियोजना को विस्तारित करेंगे।

''अगर अगले तीन वर्षों में हमारे मंडल के 100 क्लबों में से प्रत्येक क्लब सिर्फ तीन स्कूलों में यह परियोजना करता है तो कल्पना कीजिए कि इस पूरे क्षेत्र में बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर कितना जबरदस्त प्रभाव पड़ेगा। डीजी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मैं इन स्कूलों को हैप्पी स्कूल बनाना चाहता हूँ और डिजिटल कक्षाओं को अपग्रेड करके उसमें डिजिटल बोर्ड जोड़ना चाहता हूँ जिनमें से प्रत्येक की लागत 60,000 है। इसके अलावा इसमें हम हाथों की धुलाई के स्टेशन, लड़कियों के लिए पृथक शौचालय, प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय सहित पाँच नए घटक भी शामिल करेंगे।''

> डीजीएन की पत्नी पारुल, जो रोटरी क्लब सोलापुर की सदस्य हैं, इस परियोजना में सक्रिय रूप से शामिल हैं। उनका कहना है कि माता-पिता ने जो खुशी व्यक्त की, वह देखकर वे अभिभूत हो गए।

फंडिंग के विषय पर उनकी अपनी कंपनी अगले दो साल तक इस परियोजना के लिए अपनी सीएसआर निधि जारी रखेगी साथ ही उनका मानना है कि ''अगर मेरी कंपनी इस तरह की परिवर्तनकारी परियोजना के लिए अपनी सीएसआर निधि देती है तो मुझे पूरा विश्वास है कि अन्य कंपनियां भी इसमें शामिल होंगी।''

पारुल आगे कहती हैं कि जिन स्कूलों को रोटेरियनों ने डिजिटल लर्निंग के साथ अपग्रेड किया है वहाँ इंटरेक्ट क्लब शुरू करने की योजना है ताकि विद्यार्थियों में नेतृत्व कौशल भी विकसित किया जा सकें। वह इन स्कूलों में एक अतिरिक्त परियोजना को लेकर भी काफी उत्साहित हैं जिसके अंतर्गत बच्चों को खाद बनाना सिखाया जाएगा। ''हम बच्चों से कहेंगे कि वे अपने घरों से रसाई का कचरा स्कूल लेकर आएं, प्रत्येक बच्चे को 200 लीटर की एक बैरल प्रदान की जाएगी और हम उन्हें प्रशिक्षित करेंगे कि वे इस कचरे को वर्मीकम्पोस्ट में कैसे बदलें। फिर इस जैविक खाद को जैविक खेती के लिए लगभग 80-90 प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचा जा सकता है।''

इस परियोजना का उद्घाटन इस साल की शुरुआत में डीजी सुरेश साबू ने डीजीई सुधीर लातुरे और पीडीजी स्वाति हेरकल, राजीव प्रधान, जुबिन अमारिया, ओमप्रकाश मोतीपावले और दीपक फोफले एवं अन्य की उपस्थिति में किया था। इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने में जिन रोटेरियनों ने सक्रिय भूमिका निभाई उनमें संतोष कानेकर, अविनाश मतपथी, सुहास लाहोटी, शिवकुमार दलवी, महेश सालुंके, जितेंद्र जाजू, सलाम शेख, केदार कहाटे, संजीव मेंथे, अक्षय झावेरी, अतुल चौहान, सुनील माहेश्वरी और राजन वोरा शामिल हैं।

डिजिटल सामग्री में 3डी मॉडल, एनीमेशन और इंटरैक्टिव तत्व शामिल हैं जिससे सीखने की प्रक्रिया आनंदमय और सुलभ बन गई। स्कूलों की प्रारंभिक रिपोर्टों में यह देखा गया है कि छात्रों की उपस्थिति में वृद्धि हुई है, विषयों में उनकी समझ बेहतर हुई है और वे कक्षाओं में पहले से अधिक उत्साह के साथ भाग ले रहे है। शिक्षकों ने इस प्रणाली की सहजता की सराहना की जबकि बच्चों को इसका इंटरैक्टिव और विज़ुअल पहलू बहुत पसंद आ रहा हैं। रोटरी क्लब सोलापुर ने उपयोग, उपस्थिति, शैक्षणिक प्रदर्शन और उपयोगकर्ता प्रतिक्रिया पर डेटा की निगरानी के लिए उपकरण विकसित किए हैं ताकि इस परियोजना का सतत विश्लेषण और सुधार सुनिश्चित किया जा सकें। ''यह परियोजना न केवल 100 स्कूलों तक पहुँची है बल्कि इसने रोटरी की सार्वजनिक छवि और ग्रामीण शिक्षा में उसकी प्रासंगिकता को भी मजबूत किया है,'' क्लब अध्यक्ष सीए सुनील माहेश्वरी कहते हैं।

सचिव बृजकुमार गोयदानी आगे कहते हैं, ''यह परियोजना रोटरी के सहयोग, नवाचार और मापनीय प्रभाव उत्पन्न करने की शक्ति का प्रत्यक्ष उदाहरण है। इसमें बड़े पैमाने पर विस्तार की क्षमता है और हमें उम्मीद है कि यह परियोजना भारत भर के रोटरी क्लबों के लिए एक ब्लूप्रिंट बन सकती है जो तकनीक और साझेदारी के माध्यम से शैक्षिक असमानताओं को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं।'' ■

सेलम इंट्रैक्टरर्स ने नई राह खोली

वी मुत्तुकुमारन

रोटरी क्लब सेलम फीनिक्स, रो ई मंडल 2982 के निवर्तमान अध्यक्ष एस. हेमनाथ के लिए यह एक बहुप्रतीक्षित 'ड्रीम प्रोजेक्ट' था, जिसमें एक सरकारी स्कूल में इंटरेक्ट क्लब शुरू करना था, जहाँ स्वच्छता सुविधाएँ बहुत ही सीमित हैं। वे कहते हैं, ''हमारे क्लब द्वारा प्रशिक्षित छात्रों का एक समूह, स्कूल की भौतिक परिस्थितियों के साथ-साथ बच्चों के मनोबल में भी सकारात्मक बदलाव लाएगा।''

काफी योजना और विचार-विमर्श के बाद, क्लब ने अपना पहला इंटरेक्ट क्लब ऑफ फीनिक्स का उद्घाटन किया, सेलम के ''एक सरकारी स्कूल में 23 चार्टर सदस्यों के साथ, जो कक्षा 8-10 के छात्र हैं, तत्कालीन ए जी बद्रीनारायणा गुप्ता ने चार्टर सचिव अंसल सुनील को रो ई प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।'' सेलम के पास मनियानूर के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में इंटरेक्ट क्लब की स्थापना के दौरान, 900 छात्रों (कक्षा 12 तक) और 30 शिक्षकों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए ₹8,000 की लागत से एक आरओ फ़िल्टर इकाई स्थापित की गई थी। हेमनाथ याद करते हैं, एक सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन (₹7,000) भी स्थापित की गई थी, और हमने चार्टर अध्यक्ष सुजीतरा को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि डिवाइस का सही उपयोग किया जाए और हर पखवाड़े इसे फिर से भरा जाए।

जल्द ही, इंट्रक्टर्स अपने मूल रोटरी के साथ मिलकर सेलम में सरकारी और निजी स्कूलों के लिए एक मेगा ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन करेंगे। वे बताते हैं, ''हम अगस्त में स्केचिंग कार्यक्रम आयोजित करेंगे और सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं होगा। हमारे इंट्रक्टर्स इस कला प्रतियोगिता की मेजबानी में एक प्रमुख भूमिका निभाएंगे।'' आने वाले महीनों में, क्लब स्कूल के प्रवेश द्वार पर एक रोटरी-इंटरेक्ट साइनेज लगाएगा जो पड़ोसी गांवों में हमारी सार्वजनिक छवि को बढ़ावा

तत्कालीन ए जी बद्रीनारायणा गुप्ता इंटरेक्ट क्लब की सचिव अंसल सुनील को चार्टर प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए, क्लब की चार्टर अध्यक्ष सुजीत्रा (दाएं) और रोटरी क्लब सेलम फीनिक्स के पूर्व अध्यक्ष एस हेमनाथ देख रहे हैं।

देगा। इसके अलावा, स्कूल की परिसर की दीवार के पास छोटे-मोटे स्नैक्स और फैंसी सामान बेचने वाली एक बुजुर्ग महिला को दान में दी गई एक पुश कार्ट को रोटरी व्हील लोगो और रो ई संदेशों के साथ फिर से तैयार किया जाएगा, ताकि स्थानीय लोगों के बीच रोटरी के के विचारों का प्रचार-प्रसार किया जा सके, हेमनाथ कहते हैं।

जब उन्हें पता चला कि सेलम के पास गोरीमेडु गांव में 3-4 एकड़ में फैले विशाल अनाथालय अन्बाई सत्य इल्लम में बच्चों के 40 बिस्तरों वाले छात्रावास जर्जर हालत में है, तो हमने ₹1.35 लाख की लागत से छात्रावास का जीर्णोद्धार करवाया। चिनाई के काम के अलावा, छात्रावास को 23 नए बिस्तर लगाए गए, जिनमें प्रत्येक के साथ एक खाट, गद्दा और तकिया दिया गया; साथ ही 40 अलमारियाँ भी दान में दी गईं। लाइट और पंखे सहित बिजली की फिटिंग को बदला गया और दीवारों पर नया रंग-रोगन किया गया। ''हमने अनाथालय के प्राथमिक ब्लॉक को एक नया, आकर्षक रूप दिया है, जिसमें कुल 400-450 बच्चे हैं।''

वृक्षारोपण अभियान के दौरान बच्चों को पर्यावरण संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूक किया गया, और नए साल का जश्न मनाने के लिए इस विशेष गृह में रहने वाले लोगों के नाम पर 20 नए पौधे लगाए गए। डीजी वी शिवकुमार ने सार्वजनिक छवि संगोष्ठी के दौरान अनाथालय के जीर्णोद्धार के लिए हेमनाथ को के दौरान का उल्लेखनीय सेवा पुरस्कार प्रदान किया।

39 सदस्यों, चार पॉल हैरिस फेलो और एक मेजर डोनर के साथ, सेलम क्लब एक मासिक बुलेटिन, *फीनिक्स टॉक्स* प्रकाशित करता है, जिसका संपादन हेमनाथ करते हैं। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, ''नए डीजी शिवसुंदरम ने मुझे नए रोटरी वर्ष के लिए जीएमएल संपादक बनाया है, क्योंकि वे हमारे बुलेटिन में विस्तृत मेरे क्लब प्रोजेक्ट से प्रभावित हुए हैं।'' ■

Rotary
AIM HIGH
Lead 25
ROTARY INDIA LEADERSHIP CONCLAVE
Rtn Francesco Arezzo
RI President 2025–26
REGISTER NOW AT OUR WEBSITE
REGISTRATION FEES
Pre Lead
for RI Officers & AKS Members
₹3999/-
Lead 25
for Rotarians
₹1999/-
Lead 25
for Rotaractors
₹999/-
**Including 2 Breakfasts, 2 Lunches & Grand Dinner
REGISTER SOON AT
www.lead25rilc.org
HIGHLIGHTS OF LEAD 25
An extraordinary opportunity to connect with Rotary Leaders from across the globe!
First-of-its-kind Leadership Conclave
Stellar lineup of Inspiring Speakers
10,000+ Rotarians, Rotaractors & Guest from Zones 4, 5, 6 & 7
(India, Sri Lanka, Bhutan, Maldives, Nepal)
Rtn AKS Er Muruganandam M (MMM)
Rotary International Director 2025-27
Convenor - Lead 25 RILC
Rtn AKS Flt Lt KP Nagesh
Rotary International Director 2025-27
Co-Convenor - Lead 25 RILC
PDG Rtn AKS Dr John Daniel
Chairman - Lead 25 RILC
PDG Rtn J Sridhar
Chairman - Pre-Lead 25
PDG Rtn Muthupalaniappan
Chairman - House of Friendship
PDG Rtn I S A K Nazar
Chairman - Special Projects
PDG Rtn A Mani
Chairman - Special Projects
PDG Rtn Y Kumanan
Secretary - Lead 25 RILC
DG Rtn V Suresh
Host District Governor
DG Rtn D Devendran
Host District Governor
DG Rtn Vinod Saraogi
Host District Governor
DG Rtn J Karthik
Host District Governor
Contact Details
Chairman - Lead 25 +91 92495 59999
Chairman - PreLead +91 97908 39030
Chairman - HOF +91 98410 72520
Secretary - Lead 25 +91 98947 53013
Rtn Afroze +91 75029 77555
Rtn Jaspreet (Sonu) +91 98947 44499

Rotary PEOPLE OF ACTION

मुरैना में एक चिकित्सा मिशन

राजेन्द्र साबू

जुनून के साथ सीखें, ईमानदारी से कमाएँ, करुणा के साथ लौटाएँ।'' यह एक डॉक्टर की पवित्र शपथ है, और यह चिकित्सा पेशे में उन लोगों के लिए एक गहरे और महान उद्देश्य की कोमल याद दिलाता है।

चिकित्सा मिशन का मतलब सिर्फ़ डॉक्टरों और स्वयंसेवकों के समूह से नहीं है, जो स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए जगह-जगह जाते हैं। यह प्रेम, करुणा और मानवीय पीड़ा को कम करने की गहरी प्रतिबद्धता की परियोजना है। चाहे भारत के सुदूर कोनों में हो या हमारी सीमाओं से परे, प्रत्येक मिशन का एक शक्तिशाली उद्देश्य होता है - जहाँ सबसे ज़्यादा ज़रूरत है, वहाँ उपचार और सहायता पहुँचाना।

हर मेडिकल मिशन अलग होता है, सिर्फ़ इसलिए नहीं कि जगह अलग होती है, बल्कि इसलिए भी कि वहाँ की ज़रूरतें, समस्याएँ, अपेक्षाएँ और सुविधाएँ अलग-अलग होती हैं। हर मेडिकल मिशन के मूल में डॉक्टरों और स्वयंसेवकों के बीच सेवा की अटूट भावना होती है।

ऐसे मिशनों पर जाने वाले डॉक्टर अपने साथ अनुभव, ज्ञान और नैदानिक कौशल का खजाना लेकर आते हैं। हमारे चिकित्सा मिशनों का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू यह है कि हमारे डॉक्टर स्थानीय डॉक्टरों के साथ अपनी विशेषज्ञता किस प्रकार साझा करते हैं।

मार्च 2025 में, 21 डॉक्टरों और 17 स्वयंसेवकों की हमारी टीम ने मध्य प्रदेश के मुरैना में हमारे चिकित्सा मिशन की शुरुआत की। 100,000 से ज़्यादा पंजीकरण, 5,129 ओपीडी और 1,048 सर्जरी और प्रक्रियाओं के साथ, सेवा का पैमाना बहुत बड़ा था। सभी ऑपरेशन थिएटर और चिकित्सा इकाइयाँ हर दिन पूरी तरह से काम कर रही थीं और अनुकूलित थीं। हर उम्र के हज़ारों मरीज़ इलाज के लिए रोज़ाना 200 किलोमीटर से ज़्यादा की यात्रा कर रहे थे।

त्वचा विशेषज्ञ डॉ वनिता और डॉ अनुज सबसे उपेक्षित त्वचा रोगों से पीड़ित आदिवासी रोगियों के लिए आशा और राहत की किरण थे। डॉ वी डी सिंह, डॉ चंजीव मेहता, डॉ सुरिंदर और मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ हेमंत की प्लास्टिक सर्जरी टीम ने रोगियों के चेहरे, गर्दन और एक्सिलरी संकुचन के लिए कई जटिल सर्जरी कीं, ताकि वे अपनी गर्दन की पूर्ण कार्यक्षमता पुनः प्राप्त कर सकें।

हर सफल सर्जरी के पीछे हमारे एनेस्थेसियोलॉजिस्ट डॉ मधुरिमा और डॉ जोहान्स का योगदान था - जो सबसे संवेदनशील सर्जरी के दौरान भी शांत, केंद्रित और सतर्क रहते थे। ईएनटी टीम में, डॉ पतंगे और डॉ अश्विन ने दुर्लभ और विशाल कोशिका ट्यूमर का सफलतापूर्वक निदान किया और उनका इलाज किया।

ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ रवजीत और डॉ निखिल ने कई जटिल सर्जरी की। खास बात यह रही कि मुरैना में पहली बार सुप्रापेटेलर एप्रोच से टिबिया

पीआरआईपी राजेन्द्र साबू और उषा साबू डॉक्टरों की टीम के साथ।

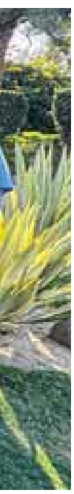

नेलिंग और सबटालर फिक्सेशन द्वारा टैलस की सर्जरी की गई।

डॉ संजय कालरा और डॉ अमन ने 10 पूर्ण डेन्चर प्रदान करके अनुकरणीय सेवा प्रदान की, जो इस मिशन में पहली बार किया गया, जिससे प्राप्तकर्ताओं के जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन आया।

नेत्र विज्ञान में, डॉ अनिल, डॉ मंजीत, डॉ विक्रम और डॉ उदय ने न केवल मोतियाबिंद की सर्जरी की, बल्कि ऑकुलोप्लास्टिक प्रक्रियाएं भी कीं। ये शब्द हमें भले ही ग्रीक लगते हों, लेकिन रोगियों के लिए इनका अत्यधिक महत्व था। यूरोलॉजिस्ट डॉ मंडल ने विशेषज्ञ नैदानिक देखभाल और मार्गदर्शन प्रदान किया, जिससे उनके परामर्श और हस्तक्षेप के माध्यम से 550 से अधिक रोगियों को लाभ मिला।

ऊपर: उषा साबू भाग लेने वाले डॉक्टरों की टीम के साथ।
बाएँ: पीआरआईपी राजेन्द्र साबू मोरेना मेडिकल मिशन में स्वयंसेवा करते हुए।

पीआरआईपी साबू एक मरीज से बातचीत करते हुए।

बाल चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य में, डॉ रीता ने पाया कि आधे से ज़्यादा मामलों में न्यूरोलॉजिकल देरी शामिल थी, और इन समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने स्वास्थ्य शिक्षा सत्र आयोजित किए। हमारे वरिष्ठ जनरल सर्जन डॉ आर एस परमार के पोते, युवा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ उदय ने स्वयंसेवक के रूप में भाग लेकर - सेवा की इस विरासत को साकार किया।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ नमिता और डॉ भावना ने कई लंबे समय से उपेक्षित सर्जरी की, जिससे गरीब महिलाओं को बहुत आवश्यक राहत मिली। रो ई मंडल 3131 के चमत्कारी हाथों वाले एक बहुत ही सक्षम सर्जन पीडीजी डॉ गिरीश गुने हमारे सभी मेडिकल मिशनों में निरंतर उपस्थित रहते हैं। सम्मानजनक सहयोग, सीखने और सेवा की इसी भावना ने कई लोगों के जीवन को बदल दिया है।

हमारे चिकित्सा मिशन के दो स्तंभ थे, मिशन निदेशक पीडीजी सुभाष गर्ग और चिकित्सा निदेशक पीडीजी डॉ आर एस परमार - एक ने अडिग उद्देश्य के साथ आगे बढ़कर नेतृत्व किया, जबकि दूसरे सटीकता और देखभाल के साथ प्रबंधन संभाला।

रो ई मंडल 3080 के डीजी राजपाल सिंह, रोटरी क्लब चंडीगढ़ के अध्यक्ष जतिंदर कपूर, पीडीजी अरुण मोंगिया, आईपीपी चिराग, प्रवीण गर्ग, बृज परमार, नीलम अग्रवाल, चारू मोंगिया और उषा साबू सहित समर्पित स्वयंसेवकों की टीम ने मरीजों की आवाजाही, भोजन, ओटी परिवहन और टीम के आतिथ्य का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया। मेजबान रोटरी क्लबों की ओर से डॉ संजीव बांदिल और पीडीजी डॉ वी के गंगवाल, भूपेंद्र जैन और राधे राठी का योगदान अमूल्य रहा।

हमने रोते और डरे हुए बच्चों को शांत करने के लिए उन्हें उपहार दिए और मरीजों को सेवा का अवसर देने के लिए अपना आभार व्यक्त किया। हम रोटेरियन वह कर दिखाते हैं जो राजनेता अक्सर नहीं कर पाते - अपने उपचारात्मक हाथों और देखभाल करने वाले दिलों के माध्यम से समझ और शांति पहुँचाना।

स्कूल में संस्कृत की कक्षा में मुझे *वसुधैव कुटुम्बकम* सिखाया गया था। मेडिकल मिशन में सेवा करते हुए, हर मुस्कान बाँटने, हर आंसू पोंछने और हर जीवन को छूने के साथ - मैंने पूरे ब्रह्मांड के एक परिवार होने के वास्तविक सार का अनुभव किया।

लेखक, पूर्व रो ई अध्यक्ष हैं। वह अपनी पत्नी उषा साबू के साथ मुरैना मेडिकल मिशन में शामिल हुए थे।

रोटरी का '2025 बाय 2025' सपना हुआ साकार

रशीदा भगत

रोटरी का महत्वाकांक्षी लक्ष्य - जिसे 2017 में अटलांटा सम्मेलन के दौरान, द रोटरी फाउंडेशन की शताब्दी वर्षगांठ पर औपचारिक रूप से तय किया गया था - कि उसकी एंडोमेंट फंड राशि को वर्ष 2025 तक 2.025 बिलियन डॉलर तक पहुँचाया जाए, अब हासिल कर लिया गया है। "आज हमें गर्व के साथ यह घोषणा करनी है कि 2025 तक 2.025 बिलियन डॉलर जुटाने के लक्ष्य की समयसीमा समाप्त होने में केवल छह दिन शेष रहते हुए, समर्पित रोटेरियन्स, रोटरैक्टर्स और रोटरी परिवार के सदस्यों की अद्भुत प्रतिक्रिया के चलते, हमने वास्तव में एंडोमेंट फंड का आकार दोगुना कर दिया है - 1 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2 बिलियन डॉलर से अधिक! तो आइए, इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाएं!"

केलगरी में आयोजित रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन में ट्रस्टी चेयर मार्क मेलोनी द्वारा की गई इस घोषणा का सभागार में ज़ोरदार तालियों से स्वागत हुआ, जब सभी टीआरएफ ट्रस्टी मंच पर खड़े हो गए और उपस्थित रोटेरियन भी खड़े होकर इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर ख़ुशी से झूम उठे। यह वही लक्ष्य था जिसे रोटरी इंटरनेशनल ने बड़ी सोच और दूरदृष्टि के साथ तय किया था। उन्होंने आगे कहा: "हम सभी ने मिलकर जो एंडोमेंट फंड तैयार किया है, वह आने वाली पीढ़ियों तक रोटरी के जादू को फैलाने का माध्यम बना रहेगा। बड़ी एंडोमेंट राशि का अर्थ है अधिक संख्या में ग्लोबल ग्रांट्स, जिससे दुनिया भर में और अधिक असरदार प्रोजेक्ट्स पूरे किए जा सकेंगे; और साथ ही, अधिक रोटरी पीस फेलोज़ जो दुनिया में संघर्षों को कम करने का काम करेंगे। आपको लग सकता है कि एक वैश्विक महामारी ने हमारे इस लक्ष्य को प्रभावित किया होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। समर्पित रोटेरियन्स और रोटरैक्टर्स ने लगातार मेहनत की, और हम 2021 में ही इस यात्रा के बीच पड़ाव - 1 बिलियन डॉलर - तक पहुँच गए थे।"

भारत का 50 मिलियन लक्ष्य: रोटरी वर्ष 2025-26 के लिए नई उड़ान

"हमारे ज़ोन 4, 5, 6 और 7 के लिए, रो ई निदेशक के पी नागेश और मैंने आगामी रोटरी वर्ष 2025-26 के दौरान TRF के लिए 50 मिलियन जुटाने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है, और मुझे पूरा विश्वास है कि हम पहली बार इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे," यह बात रो ई निदेशक एम एम मुरुगानंदम ने कही।

उन्होंने आगे बताया कि इस लक्ष्य को पाने के लिए 250 नए ए के एस सदस्य जोड़ने, 25 एंडोमेंट्स और 250 मेजर डोनर तैयार करने की योजना बनाई जा रही है।

पिछले वर्ष हमारे ज़ोनों ने TRF के लिए 32 मिलियन डॉलर जुटाए थे, और जबकि इस वर्ष के आंकड़े अभी संकलित किए जा रहे हैं, अब तक की राशि पहले ही 30 मिलियन डॉलर पार कर चुकी है।■

बाएँ: टीआरएफ ट्रस्टी चेयर मार्क मेलोनी कनाडा के केलगरी में आयोजित रो ई कन्वेंशन में एंडोमेंट फंड में 2.025 बिलियन डॉलर की ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा करते हुए; मंच पर मौजूद टीआरएफ ट्रस्टी इस पल पर तालियों से उत्साहवर्धन करते हुए।

2015 में, जब ट्रस्टीज़ ने देखा कि समर्पित रोटेरियन ने एक महत्वपूर्ण पड़ाव - एंडोमेंट फंड में 1 बिलियन डॉलर के निवेश और प्रतिबद्धताओं - को हासिल कर लिया है, तो उन्हें लगा कि यह उपलब्धि अपने आप में सराहनीय है। लेकिन वे जानते थे कि रोटरी सदस्यों की प्रतिबद्धता और सामूहिक शक्ति इससे कहीं अधिक है। इसलिए यह साहसिक लक्ष्य तय किया गया - अगले 10 वर्षों में एंडोमेंट को दोगुना कर 2.025 बिलियन डॉलर तक पहुँचाना!

और आज, एक दशक के भीतर, यह लक्ष्य पूरा हो चुका है, क्योंकि रोटरी परिवार ने यह भली-भांति समझा कि - एंडोमेंट फंड में किया गया हर योगदान, रोटरी समुदायों में किया गया योगदान है - घाना से लेकर मेक्सिको तक, ताइवान से भारत तक, कनाडा से जापान तक, ब्राज़ील से यूक्रेन तक। हर योगदान किसी मां और बच्चे की जान बचा सकता है, किसी को जीवन बदलने वाली शिक्षा दे सकता है, किसी उद्यमी को आगे बढ़ा सकता है, हमारे ग्रह की रक्षा कर सकता है, बीमारी की रोकथाम और उपचार कर सकता है, स्वच्छ जल और स्वच्छता सुनिश्चित कर सकता है और शांति की नींव रख सकता है।

कोलंबिया के लिए अगला प्रोग्राम्स ऑफ़ स्केल

ट्रस्टी चेयर मार्क मेलोनी ने घोषणा की कि 2025 का प्रोग्राम्स ऑफ़ स्केल ग्रांट Pathways to Peace and Prosperity in Colombia (कोलंबिया में शांति और समृद्धि की राहें) को प्रदान किया गया है। यह पहल संयुक्त राष्ट्र के थीश्रव त्रेन्न झौसीराश के साथ मिलकर संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में संघर्ष समाधान की क्षमता को मजबूत करने, आर्थिक अवसरों और सामाजिक सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए काम करती है।

इस कार्यक्रम का दीर्घकालिक लक्ष्य है - हिंसा, गरीबी और खाद्य असुरक्षा के चक्र को तोड़ना, ताकि संघर्ष से प्रभावित लोगों के लिए स्थायी शांति सुनिश्चित की जा सके।

यह संगठन कोलंबिया में Rotary Peace Fellows, Peace Activators, Cadre सदस्यों, Districts 4271 और 4281, और सान होसे दे कूकूता (नॉर्ते दे सांतांदेर) के प्रायोजक रोटरी क्लब के सामूहिक प्रयासों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

उन्होंने आगे बताया कि पिछले वर्ष का Programs of Scale प्राप्तकर्ता - Partners for Water Access and Better Harvests in India - टिकाऊ कृषि को सहयोग देने का वादा करता है और यह दर्शाता है कि रोटरी जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के प्रति दुनिया को कैसे तैयार कर सकती है। उन्होंने यह भी जोड़ा, मुझे भारत में इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे रोटेरियन्स से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब भावनगर ने वंचित बच्चों में जगाई आशा

रशीदा भगत

पूर्व रो ई अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी रोटरी चाइल्ड एजुकेयर सेंटर, भावनगर में ऐन्स, शिक्षकों और छात्रों के साथ।

संजय और नेहल का जन्म गुजरात के भावनगर में एक वंचित परिवार में हुआ था। उनके दादा और माता-पिता रोटरी क्लब भावनगर, रो ई मंडल 3060 द्वारा 1975 में स्थापित किए गए रोटरी सेवा केंद्र के पिछले आँगन में रहते थे। चूंकि वे इस केंद्र की साफ-सफ़ाई करते हुए इसकी देखरेख करके जैसे-तैसे गुज़ारा करते थे, तो उनके लिए अपने बच्चों को किसी अच्छे संस्थान में पढ़ाना एक दूर का सपना था। ''वे पिछले 45 वर्षों से हमारे केंद्र में रह रहे हैं लेकिन उन दिनों जब उनके दोनों बच्चे छोटे थे तब उनके जीवन का प्रतिदिन संघर्षमय था और भविष्य धुंधला नज़र आ रहा था। मगर किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही सोच रखा था,'' रोटरी क्लब भावनगर के पूर्व अध्यक्ष मनीष कोठारी कहते हैं।

1998 में जब वह अपने क्लब के अध्यक्ष थे तो उन्होंने *रे ऑफ़ होप* नामक एक परियोजना शुरू की थी और रोटरी सेंटर के परिसर में रोटरी चाइल्ड एडुकेयर सेंटर की स्थापना की जिसे उनके क्लब द्वारा तैयार किया गया था। 146 सदस्यों वाला यह क्लब रो ई मंडल 3060 के सबसे बड़े क्लबों में से एक है और इसकी स्थापना 80 साल पहले हुई थी। इस परियोजना का उद्देश्य गरीब और वंचित बच्चों को शिक्षा के अवसर प्रदान करना था। हमने ''इस इलाके में झुग्गी बस्ती के कुछ बच्चों के साथ इसकी शुरुआत की थी।''

यह वह दौर था जब गरीब लोग शिक्षा को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और रोटेरियनों को इन बच्चों को एडुकेयर सेंटर तक लाने के लिए नाश्ते, खिलौने आदि का प्रलोभन देने के साथ ही उन्हें दिलचस्प कहानियां सुनाकर उनका ध्यान आकर्षित करना पड़ता था। जब रोटेरियनों ने स्थानीय झुग्गियों का दौरा करके माता-पिता को आश्वस्त किया कि इससे उनके बच्चों का समय और ध्यान सकारात्मक रूप से व्यस्त रहेगा और वे अप्रिय गतिविधियों में शामिल होने से भी बचे रहेंगे, तो जल्द ही लगभग 30 से 40 बच्चे नियमित रूप से शाम 4 से 6 बजे के बीच केंद्र में आने लगे।

''धीरे-धीरे इन सत्रों में भाग लेने वाले बच्चों की रुचि बढ़ने लगी और रोटरी एन्स यहाँ आकर बच्चों को बुनियादी साक्षरता - अक्षर और अंक आदि सिखाने के लिए आने लगी।'' इसके बाद कुछ स्वैच्छिक और कुछ वैतनिक शिक्षक भी जुड़े और 5-10 आयु वर्ग के बच्चों के लिए एक अधिक औपचारिक तरीके से प्राथमिक शिक्षा की शुरूआत हुई।

बहुत जल्द ही रंग-बिरंगी किताबें, खेल, पहेलियाँ और सीखने के लिए इसी तरह की मजेदार चीज़ें जोड़ दी गईं और तब रोटेरियनों को लगा कि अब समय आ गया है कि इन बच्चों को सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में दाखिला दिलाया जाए। कुछ बच्चे पहले स्कूल जा चुके थे मगर वे या तो नियमित नहीं थे या स्कूल छोड़ चुके थे। हालांकि यह सुनने में जितना आसान था करने में उतना ही मुश्किल मगर फिर भी रोटेरियनों ने उनके माता-पिता से मुलाकात की और उन्हें समझाया कि अगर वो अपने बच्चों का कुछ भविष्य चाहते है तो उन्हें कम से कम थोड़ी बहुत शिक्षा तो प्राप्त होनी चाहिए।

कई बच्चों ने इस मौके का फायदा उठाया और तीन साल के अंदर ही रोटेरियनों को इन बच्चों में बड़ा बदलाव देखने को मिला। ''उन्होंने अपना समय बर्बाद करना बंद कर दिया और वे स्कूलों में पढ़ाई करने लगे और परिणाम आम तौर पर अच्छे थे,'' कोठारी मुस्कुराते हुए कहते हैं।

अधिकांश बच्चे अब तक कक्षा 5, 6 या 7 तक पहुंच चुके थे और रोटेरियनों को लगा कि उनमें से मेधावी छात्रों को बेहतर परिणामों के लिए निजी स्कूलों में भेजा जाना चाहिए और उन्होंने इन स्कूलों में बच्चों की फीस को प्रायोजित करना शुरू कर दिया।

जब उनसे पूछा गया कि इस परियोजना के लिए धन कैसे जुटाया गया तो उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे इस परियोजना को पूरे क्लब ने अपनाया और सदस्य अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह और अन्य खास अवसरों पर धन दान करने लगे। विदेशों से आने वाले आगंतुक भी उदारतापूर्वक दान करते है और अब स्थानीय कंपनियां भी इस परियोजना के लिए अपनी सीएसआर निधि का एक हिस्सा दे रही हैं। ''हमने स्कूल प्रशासन और न्यासियों से मिलकर उनसे अनुरोध किया कि ये बच्चे गरीब परिवारों से आते हैं मगर अच्छी शिक्षा पाने के योग्य है इसलिए उनकी फीस कम की जानी चाहिए। प्रायः रियायती शुल्क दिया जाता है और इन बच्चों को प्रायोजित करने वाले रोटेरियन तब

खुशी से झूम उठते है जब ये बच्चे ऊँची कक्षाओं तक पहुँचते है।''

इस स्तर पर जहाँ अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता थी, वहाँ एडुकेयर सेंटर में रोटरी एन्स, स्वैच्छिक और वैतनिक शिक्षक बच्चों को गणित और विज्ञान जैसे विषयों में अतिरिक्त कोचिंग देने लगे। जल्द ही बच्चे कक्षा 10 की परीक्षा पास करने लगे। ''परिणाम देखकर हमारी परियोजना लोकप्रिय हो गई और बच्चों के माता-पिता के दोस्त भी अपने बच्चों को हमारे पास लाने लगे और उनकी शिक्षा में मदद मांगने लगे। हमारी अपनी सीमाएं थीं लेकिन हमने इस परियोजना के लिए एक बड़ा हॉल अलग रखा था और हम लगभग 90 बच्चों को इसमें समायोजित कर पाएं, जिन्हें उनके विषयों और सीखने की क्षमता के अनुसार चार समूहों में विभाजित किया गया।''

अब तक बच्चों को रोटेरियनों द्वारा यूनिफ़ॉर्म, स्कूल की किताबें, स्टेशनरी आदि दी जाने लगी थी। ''उनकी जरूरतों को हमने पूरा किया। भावनगर के प्रमुख उद्योगपति और अमीर लोग हमारे केंद्र पर आकर इस परियोजना के विभिन्न हिस्सों को प्रायोजित करने लगे, जिसमें बच्चों को नियमित रूप से नाश्ता उपलब्ध कराना भी शामिल था,'' कोठारी ने आगे कहा।

संजय PSU में कार्यरत हैं।

शुरुआत में जब शिक्षा और शैक्षिक संसाधनों की लागत कम थी तो क्लब हर साल इन बच्चों की शिक्षा को प्रायोजित करने पर लगभग ₹50,000 खर्च करता था लेकिन अब उन्होंने यह राशि बढ़ाकर लगभग ₹4 लाख प्रति वर्ष कर दी है।

उनका अपना परिवार भी इस परियोजना से गहराई से जुड़ा है। उनके बड़े भाई प्रदीप कोठारी की पत्नी, पारुल कोठारी जो रोटरी क्लब भावनगर की सदस्य भी हैं, इस परियोजना के साथ 1998 में इसकी शुरुआत के साथ ही जुड़ी हुई है और बच्चों की शिक्षा में मदद करती रही हैं और कोविड महामारी के दौरान उन्होंने इस केंद्र में अपने 25 वर्षों की सेवा पूरी की। अब इस बुजुर्ग महिला ने यहाँ आना बंद कर दिया है और इसी साल पारुलबेन को *रोटरी अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन सर्विस टू ह्यूमैनिटी* के लिए चुना गया। उनकी जगह अब एक अन्य रोटरी एन ज्योतिबेन वकील ने ले ली है।

चूंकि रोटरी एन्स बच्चों को पढ़ाती है तो वो उनके बीच मौजूद होशियार बच्चों को पहचान लेती है और एक बार जब ये बच्चे उच्च माध्यमिक विद्यालय को पास कर लेते है तो वे क्लब को सिफारिश करती है कि वो इन छात्रों को पेशेवर पाठ्यक्रमों सहित डिप्लोमा या डिग्री कोर्स के माध्यम से अपना समर्थन प्रदान करना जारी रखे। ''मुझे आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारे कम से कम 100 छात्र उच्च शिक्षा के लिए आगे गए हैं और रिलायंस, इंडियन रेयॉन आदि जैसी कंपनियों में अच्छे पदों पर कार्यरत हैं। हमारा एक छात्र बेंगलुरु में कार्यरत है और उसका मासिक वेतन ₹1 लाख से अधिक है और उसे अपने विषय में आगे के प्रशिक्षण के लिए स्पेन भेजा गया,'' कोठारी गर्व के साथ कहते है।

इतने सारे युवाओं के जीवन को बदलने वाली इस परियोजना का एक दिलचस्प पहलू यह है कि वर्षों पहले बच्चों को पढ़ाने के दौरान पारुलबेन ने देखा कि रोटरी सेंटर की देखभाल करने वाले चौकीदार के पोता-पोती संजय और नेहल - सड़क

पर खेलने में अपना समय बर्बाद कर रहे थे और ज्यादा कुछ नहीं।

वो बुजुर्ग चौकीदार अब चल बसे थे और उनके काम की जिम्मेदारी अब उन बच्चों के माता-पिता ने संभाल ली थी। पारुलबेन ने उन्हें समझाया कि दोनों भाई-बहनों को अन्य बच्चों के साथ मिलकर पढ़ाई करनी चाहिए क्योंकि उन्हें लगता है कि इन दोनों बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। उस लड़के और लड़की दोनों की शिक्षा रोटेरियनों द्वारा प्रायोजित की गई और ''रोटरी एन्स सहित इस केंद्र की समर्पित टीम ने उन दोनों बच्चों में एक चिंगारी देखी और उनका पूरा समर्थन किया। प्राथमिक से लेकर माध्यमिक विद्यालय तक संजय और नेहल ने शानदार विकास किया। हमारे रोटरी क्लब के ट्यूटर्स, मेंटर और स्वयंसेवक हर कदम पर उनके साथ खड़े रहे - शैक्षणिक रूप से, भावनात्मक और आर्थिक रूप से। कई चुनौतियों के बावजूद इन दोनों भाई-बहनों ने उत्कृष्ट परिणामों के साथ अपनी कक्षा 12 की पढ़ाई पूरी की,'' कोठारी याद करते हैं।

उनके माता-पिता ने सोचा कि यह पर्याप्त से अधिक है लेकिन चूंकि बच्चों ने अच्छे अंक प्राप्त किए थे इसलिए रोटेरियनों ने उनके माता-पिता - बटुकभाई और ज्योतिबेन - को समझाया कि वे

संजय और नेहल अपने माता-पिता बटुकभाई और ज्योति बेन के साथ।

अपने बच्चों को आगे की पढ़ाई करने की अनुमति प्रदान करें। हालांकि वे संजय को उसकी रुचि अनुसार इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने देने के लिए राज़ी थे मगर नेहल के लिए उन्होंने कहा कि वो तो एक लड़की है और उसे और अधिक पढ़ाई की आवश्यकता नहीं है। मगर रोटेरियन इस तर्क से राज़ी नहीं थे; चूंकि यह परिवार अनुसूचित जाति से था इसलिए वे और भी दृढ़ थे कि इन दोनों बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए।

सर्वोत्तम प्रयासों के साथ संजय ने पहले डिप्लोमा किया और फिर प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में बीई पास किया जिसकी फीस को रोटेरियनों ने प्रायोजित किया। नेहल ने बीकॉम की पढ़ाई पूरी की और पीजीडीसीए (कंप्यूटर एप्लीकेशन में डिप्लोमा) किया। उसके भाई ने कड़ी मेहनत के बाद बैंकिंग की प्रतियोगी परीक्षा पास की और अब यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सहायक प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं वहीं नेहल गुजरात राज्य बिजली बोर्ड में कार्यरत है। उनका वेतन क्रमश: ₹65,000 और ₹40,000 है।

रास्ते में कई चुनौतियां थी। *रोटरी न्यूज़* से बात करते हुए संजय ने कहा, ''मैंने ठान लिया था कि मुझे किसी अच्छे बैंक में अधिकारी पद की नौकरी ही चाहिए। मैंने बहुत मेहनत की और दो साल तक संघर्ष किया, परीक्षा देता था लेकिन हर बार कुछ अंकों से रह जाता था।'' लेकिन इस युवक ने ठान लिया था कि या तो वह किसी अच्छे बैंक में एक अधिकारी पद पर रहेगा या फिर कुछ भी नहीं। आखिरकार कुछ महीने पहले वह सफल हुआ और अब वह यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्यरत है। ''अभी, मैं प्रशिक्षण ले रहा हूँ और आगे एक अच्छे भविष्य का सपना देख सकता हूँ जिसमें एक फ्लैट और एक जीवन साथी शामिल है।''

तो क्या वह चाहते हैं कि उनकी पत्नी भी शिक्षित और कामकाजी महिला हो, ''मैंने उनसे पूछा। बेशक, आज के दौर में अच्छी शिक्षा बहुत जरूरी है और यह भी कि महिलाएं काम करें ताकि पति-पत्नी मिलकर अपने परिवार को एक अच्छा भविष्य दे सकें,'' वह जवाब देते हैं।

नेहल की स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण थी। भले ही उसने बीकॉम और पीजीडीसीए दोनों पूरा किया और उसे बिजली विभाग में नौकरी मिल गई मगर उसकी ''पहली पोस्टिंग द्वारका में हुई जो यहाँ से बहुत दूर है... करीब सात घंटे की यात्रा और उसके माता-पिता उसे इतनी दूर भेजने के लिए राज़ी नहीं थे। लेकिन फिर से हमने उन्हें समझाया कि उसे दोबारा ऐसा अवसर नहीं मिलेगा और कृपया इस पोस्टिंग को स्वीकार करें। मैंने उनसे वादा किया कि मैं उसे भावनगर में जल्द स्थानांतरित करने के लिए अपने सभी प्रभाव और संपर्कों का उपयोग करूंगा,'' कोठारी कहते है।

इसलिए नेहल ने वो पद स्वीकार किया और उसकी दादी उसके साथ एक साल से अधिक समय तक द्वारका में रहीं, उतना समय जितना रोटेरियनों को अपने संपर्कों के माध्यम से नेहल का ट्रांसफर करवाने में लगा। पहले उसका स्थानांतरण भावनगर से लगभग 30 किलोमीटर दूर हुआ और हाल ही में वह भावनगर शहर में ही पदस्थ है।

मुस्कुराते हुए नेहल ने मुझसे कहा, ''पांच साल पहले मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि मुझे इस तरह की शिक्षा और गुजरात सरकार में इस तरह की सुरक्षित नौकरी मिलेगी। अपनी पृष्ठभूमि को देखते हुए मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कभी ऐसे मुकाम पर पहुँचकर इतने शिक्षित लोगों के साथ

नेहल गुजरात स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड में कार्यरत हैं।

काम करूंगी; अगर रोटरी मेरे साथ नहीं होती तो मैं कभी यहाँ तक नहीं पहुँच पाती।''

संजय भी रोटरी क्लब भावनगर के सदस्यों का समान रूप से आभारी हैं कि उन्होंने इतने उतार-चढ़ाव के बाद भी इन दोनों भाई-बहनों का साथ कभी नहीं छोड़ा। भविष्य के लिए वह कहता है: ''मैं बहुत मेहनत करूंगा और बैंकिंग उद्योग में उच्च पद पर जाने का प्रयास करूंगा। इस यात्रा ने मुझे सिखाया है कि कुछ भी असंभव नहीं है।''

उनके माता-पिता ज्योतिबेन और बटुकभाई के लिए अपने दोनों बच्चों को सरकारी सेवा में देखना एक सपने के सच होने जैसा है - बेटा एक राष्ट्रीयकृत बैंक में है और बेटी राज्य बिजली बोर्ड में।

कोठारी आगे कहते हैं, आज, ''संजय और नेहल गर्वित, स्वतंत्र और योगदान देने वाले नागरिक हैं - यह वास्तव में इस बात का प्रमाण है कि कैसे रोटरी क्लब भावनगर के सदस्यों के अथक प्रयासों ने दो ज़िंदगियों को पूरी तरह बदल दिया और उन खुरदरे पत्थरों को तराशकर उन्हें हीरे में बदल दिया। और ऐसा करते हुए उन्होंने दूसरों के लिए भी एक प्रेरक मार्ग प्रशस्त किया। हमें इस परियोजना पर बहुत गर्व है और हमें मंडल 3060 से बहुत सारे पुरस्कार प्राप्त हुए। निश्चित रूप से रोटरी क्लबों द्वारा शुरू की गई बहुत कम ही ऐसी परियोजनाएं है जो 35 से अधिक वर्षों से चल रही हो!'' ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

हरित सपना मज़बूत इरादा

जयश्री

किसी टीम को सात वर्षों तक पूरी निष्ठा और उद्देश्य के साथ किसी पहल को निरंतर जारी रखते देखना बहुत ही दुर्लभ होता है। लेकिन रोटरी क्लब चेन्नई मेराकी, रो ई मंडल 3233, एक अखिल महिला क्लब, ने ऐसा कर दिखाया है: इस क्लब ने पर्यावरण संरक्षण के संदेश को देशभर में फैलाने के लिए एक वार्षिक कार अभियान शुरू किया, जो अब अपने सातवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

इसकी स्थापना के बाद से ही, यह क्लब पर्यावरण जागरूकता को प्रोत्साहित करता आ रहा है, और इस साल, सदस्य शिवबाला राजेंद्रन, कोथांगी सुचित्रा और क्लब अध्यक्ष सरवना सेल्वी ने 17 दिनों में 6,500 किलोमीटर की उल्लेखनीय यात्रा शुरू की। उनका मार्ग 15 राज्यों, 11 रो ई मंडलों से होकर गुज़रा, जिसमें उन्होंने 500 से अधिक रोटेरियनों और 1,500 से अधिक छात्रों से संवाद किया, यहां तक कि वे भारत से निकलकर काठमांडू, नेपाल (रो ई मंडल 3292) तक भी गए।

क्लब की चार्टर अध्यक्ष और इस अभियान की अध्यक्ष शिवबाला कहती हैं, ''इस साल हमारा ध्यानवनीकरण और रोटरी क्लबों को अपने क्षेत्रों में मियावाकी जंगलों को विकसित करने के लिए प्रेरित करने पर था।'' जबकि वह और सुचित्रा मुख्य दल के स्थायी सदस्य हैं, वे अनुभव साझा करने और मिशन को आगे बढ़ाने के लिए उस वर्ष के अध्यक्ष और सचिव को भी शामिल करते

काठमांडू में नेपाली रोटेरियन सदस्यों के साथ अभियान दल।

बाएँः कार रैली टीम कोलकाता में पीआरआईपी शेखर मेहता के साथ।

ऊपरः क्लब अध्यक्ष सेल्वी, सुचित्रा और सिवाबाला, अभियान के दौरान धनबाद में एक पेड़ को आलिंगन करते हुए।

बाएँः (बाएँ से) उद्योगपति नल्ली कुप्पुस्वामी चेट्टी, रोटरी क्लब चेन्नई मेराकी की अध्यक्ष सरवना सेल्वी, परियोजना प्रमुख सिवाबाला राजेन्द्रन, कोथांगी सुचित्रा (बैठी हुई), रो ई मंडल 3233 के डीजी महावीर बोथरा और डीजीएन गणपति सुरेश, चेन्नई में।

नीचेः धनबाद में पीआरआईडी कमल संघवी और सोनल के साथ अभियान दल।

हैं। हम टीम को छोटा ही रखते हैं - सिर्फ चार लोग - ताकि समन्वय बेहतर बना रहे, खासकर तब जब हमें सीमित समय में लंबी दूरी तय करनी होती है, वह आगे कहती है।

इनोवा में यात्रा कर रहे इस दल को चेन्नई में डीजी महावीर बोथरा और कपड़ा उद्योगपति नल्ली कुप्पुसामी चेट्टी ने हरी झंडी दिखाई। कई यादगार पलों में से एक के रूप में शिवबाला कोलकाता में पीआरआईपी शेखर मेहता और धनबाद में पीआरआईडी कमल संघवी से हुई मुलाकातों को खास तौर पर याद करती हैं।

यात्रा शुरू होने से पहले, शिवबाला ने मेहता से संपर्क किया। ''उन्होंने तुरंत कुछ घंटों के भीतर ही जवाब दिया और हमसे मिलने के लिए अपनी रुचि व्यक्त की। उन्होंने अपने कार्यालय में हमारा स्वागत किया, हमारे मिशन और पिछले अभियानों को समझने में 90 मिनट से अधिक समय बिताया, और हमारी प्रतिबद्धता से गहराई से प्रभावित हुए,'' क्लब अध्यक्ष सेल्वी कहती हैं।

उनकी पहली यात्रा चेन्नई से धनुषकोडी (दक्षिण तमिलनाडु) तक थी, और बाद के वर्षों में उन्होंने रोटरी भारत के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए चेन्नई से कोलकाता, जल निकायों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कावेरी नदी के किनारे मदिकेरी (कर्नाटक) से पूम्पुहार (तमिलनाडु), कन्याकुमारी से कश्मीर, रोटरी संस्थान में भाग लेने के लिए चेन्नई से विशाखापट्टनम, और पहाड़ियों के पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कन्याकुमारी से गुजरात तक पश्चिमी घाट की यात्रा की।

अपनी स्थापना वर्ष (2018) में क्लब ने चेन्नई निगम और स्थानीय एनजीओ कम्युनिट्री के साथ मिलकर टाइडल पार्क परिसर में एक बंजर और कचरे के ढेर में तब्दील हो चुकी जमीन पर श्री वनम नामक एक विशाल नर्सरी का निर्माण किया, जिसमें 32,000 से अधिक पौधे लगाए गए। ''हमारा उद्देश्य पर्यावरण का संरक्षण करना, मिट्टी का कटाव रोकना और पेड़ लगाकर प्रदूषण को रोकना है। आज हमें यह कहते हुए गर्व होता है कि वह उजाड़ ज़मीन अब एक घने, हरे-भरे शहरी वन में बदल चुकी है, जहां पक्षियों और तितलियों की चहचहाहट के साथ जैव विविधता भी फल-फूल रही है,'' शिवबाला मुस्कराते हुए कहती हैं।

पीआरआईपी मेहता उनके प्रयास के बारे में जानकार उत्साहित हुए और ''जिस दिन हम उनसे मिलने पहुंचे, उन्होंने अपनी पत्नी राशि के साथ मिलकर अपनी 41वीं शादी की सालगिरह मनाने के लिए 41 पौधों को रौपने का वादा किया।'' ये पौधे रोटरी अंतर्राष्ट्रीय मियावाकी वन में लगाए जाएंगे जिसे क्लब मद्रास विश्वविद्यालय में चार एकड़ के भूखंड पर विकसित कर रहा है। 21 जून को लॉन्च होने वाले इस जंगल में देशी, औषधीय और फलदार पेड़ होंगे। मेहता ने क्लब के संदेश को आगे बढ़ाने और 1,000 दिनों में एक करोड़ पेड़ लगाने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को

हासिल करने में मदद करने का भी वादा किया। ''आइए इस दुनिया को हरा-भरा बनाने के लिए मिलकर काम करें,'' उन्होंने टीम से कहा।

उनके क्लब, रोटरी कलब कलकत्ता महानगर ने टीम की मेजबानी की और एक स्कूल में एक कार्यक्रम की व्यवस्था की जहां उन्होंने छात्रों से वनीकरण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण देखभाल के बारे में बात की।

धनबाद में, पीआरआईडी कमल संघवी और सोनल के घर पर टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वह हमेशा हमारे अभियानों के एक मजबूत समर्थक रहे है। वास्तव में, 2018 में जब हमारे पहले अभियान की शुरुआत तत्कालीन रो ई अध्यक्ष बैरी रासिन ने की थी, तब वह और टीआरएफ न्यासी भरत पंड्या (तत्कालीन रो ई निदेशक) वहां उपस्थित थे, शिवबाला याद करती हैं। उन्होंने टीम के नए नारे हर एक, लगाए एक का भी समर्थन किया और इसे साहसी और दूरदर्शी बताया।

अपनी यात्रा के दौरान, टीम का स्वागत शहरों और कस्बों में रोटरी क्लबों द्वारा समान रूप से किया गया। पर्यावरणीय संदेशों से सजी उनकी 'गो ग्रीन' थीम वाली इनोवा हर स्थान पर बातचीत की शुरुआत का केंद्र बन गई। क्लबों ने स्कूलों एवं कॉलेजों में कार्यक्रम आयोजित किए, जहां मेराकी टीम ने पौधारोपण किया, बीजों के पैकेट वितरित किए और जलवायु संरक्षण की जिम्मेदारी पर जोशीले संबोधन दिए। ''हमने जिनसे

यात्रा के दौरान रोटरी क्लबों ने टीम का स्वागत किया। उनके मगो ग्रीनफथीम वाली इनोवा, जो पर्यावरणीय संदेशों से ढकी थी, हर स्थान पर चर्चा का केंद्र बन गई।

कोठांगी सुचित्रा

गुंटूर में, रोटेरियन और इंटरऐक्टर सदस्यों के साथ।

भी मुलाकात की - छात्र, रोटेरियन, रोटरेकटर या आम नागरिक - सभी से अपनी भूमिका निभाने की अपील की। पृथ्वी को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है,'' सेल्वी कहती हैं।

काठमांडू में, टीम का डीजी राजेंद्र मान शेरचान, डीजीएन विष्णु कार्की और कई पूर्व गवर्नरों ने भव्य स्वागत किया। रोटरी क्लब काठमांडू हेरिटेज के निर्वाचित अध्यक्ष कृष्णा शर्मा ने पूरे नेपाल में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के लिए विभिन्न क्लबों के साथ सहयोग किया।

टीम डीजी बोथरा, पीडीजी आर श्रीनिवासन और पीडीजी ई के सगधेवन (रो ई मंडल 3203), तथा रोटेरियन रमेश का मार्गदर्शन के लिए दिल से आभार व्यक्त किया है। साथ ही, उन्होंने नल्ली कप्पुस्वामी और नायडू हॉल, एक प्रमुख मल्टी-ब्रांड परिधान रिटेलर, के अध्यक्ष वेणुगोपाल का भी वित्तीय सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

आगे की योजना साझा करते हुए, सिवबाला बताती हैं कि वह और सुचित्रा अब अपने अभियान को अगले स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही हैं, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना है। ''हम रोटेरियनों के लिए कोई सीमा नहीं होती। इसलिए हमारी अगली यात्रा हमें श्रीलंका और थाईलैंड तक ले जा सकती है, और हम तो रूस और लंदन तक ड्राइव करने का सपना भी देख रही हैं।''

सुचित्रा, जो अब तक के सभी सात अभियानों में एकमात्र ड्राइवर थीं, ड्राइविंग के अपने जुनून के बारे में गर्व के साथ बताती हैं। ''इस यात्रा को और भी अधिक सार्थक बनाने वाली बात यह थी कि हमें पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को साझा करने वाले गर्मजोशी से भरे रोटेरियन मिले,'' वह कहती हैं। लगातार 17 दिनों तक गाड़ी चलाना आसान नहीं था, खासकर खराब सड़कों के कारण, लेकिन जैसे ही रोटेरियन और उनके परिवारों ने हमें स्वागत किया, सारी थकान और दर्द जैसे गायब हो गए। भगवान की कृपा रही कि पूरे सफर में एक बार टायर भी पंचर नहीं हुआ!

वह कश्मीर अभियान को याद करती हैं, जब श्रीनगर में वे एक भूस्खलन से बस कुछ मिनटों के अंतर से बच गई थीं। वो किसी दैवीय चमत्कार से कम नहीं था। ''हर एक मील के साथ हमारा मिशन और मजबूत होता जा रहा है। और यह यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है,'' वह मुस्कुराते हुए कहती हैं। ■

ADVT.

Your Pathway to Medicine Starts at
Xavier University School of Medicine
& KLE Belgaum
6 Years
Pre-Med to Doctor of Medicine /
Doctor of Veterinary Medicine Programme
Empathy in Action:
Your Medical Journey at
XUSOM
Healing Together:
The Future of Animal Care at
XUSOVM
Register for our Webinar
Admission open for September 2025
Xavier Students are eligible for H1/J1 Visa Programme
To Apply Visit:
application.xusom.com
admissions@xusom.com
WhatsApp
+1 516-927-0418

एक चेन्नई महिला क्लब छोटे उद्यमियों को प्रोत्साहित करता है

रशीदा भगत

मार्च 2024 में *प्रोजेक्ट स्पार्क* की कल्पना की गई थी, जब एक गर्म दोपहर मैं फुटपाथ पर *कूक* (चावल का दलिया) बेचने वाली एक महिला से मिली। वह स्टील के गिलास और जग का इस्तेमाल कर रही थी, और मुझे यह पेय बहुत पसंद आया। चेन्नई की चिलचिलाती गर्मियों में यह सबसे ज़्यादा पेट के अनुकूल स्थानीय भोजन है,'' रोटरी क्लब चेन्नई भारती, रो ई मंडल 3234 की अध्यक्ष निसरीन मद्रासवाला याद करती हैं।

इससे उनके मन में एक विचार कौंधा; वह हमेशा से छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों की मदद करना चाहती थीं, ताकि उन्हें अपने उत्पादों को बेचने के लिए एक उपयुक्त स्थान मिल सके। चूंकि यह कार्यात्मक चिकित्सा और आंत के स्वास्थ्य में उनकी अपनी रुचि के साथ अच्छी तरह से जुड़ा हुआ था, इसलिए उन्होंने अपने क्लब के मंच के माध्यम से इसे आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। खास तौर पर इसलिए क्योंकि यह रोटरी के सामुदायिक आर्थिक विकास के फोकस क्षेत्र के अंतर्गत आता था और यह एक बेहतरीन सार्वजनिक छवि पहल भी होगी।

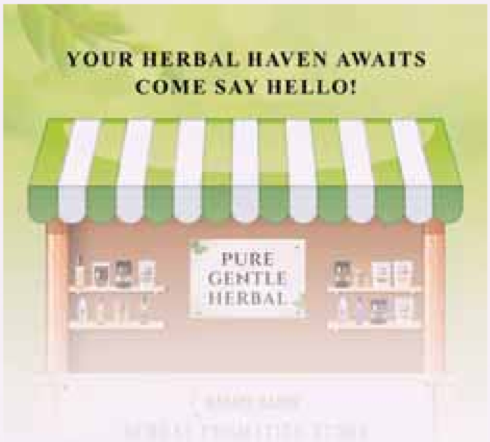

क्लब की टीम ने छोटे व्यवसायों के मालिकों को पंजीकरण के लिए आमंत्रित किया, ''और हम हर महीने उनसे मिलते थे और व्यावसायिक कौशल, रणनीतियों और छोटे व्यवसायों को कैसे बढ़ाया जाए जैसे विषयों पर अपनी रोटरी स्पीकर मीटिंग्स को क्यूरेट करते थे।''

इन प्रयासों का समापन जून में एक भव्य समापन समारोह में हुआ, जहाँ 13 प्रतिभागियों ने अपने विचार एक निर्णायक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किए, जिसमें स्वास्थ्य और स्टार्ट-अप में विशेषज्ञता रखने वाले प्रतिष्ठित लोग शामिल थे। लोगों को स्टॉल लेने और स्वास्थ्य, पारंपरिक और टिकाऊ उत्पादों के एक ही छत्र के नीचे अपने उत्पादों या सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। तीन विजेताओं को पुरस्कार दिए गए और वे अब अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए निर्णायक मंडल के किसी एक सदस्य से जुड़ेंगे।

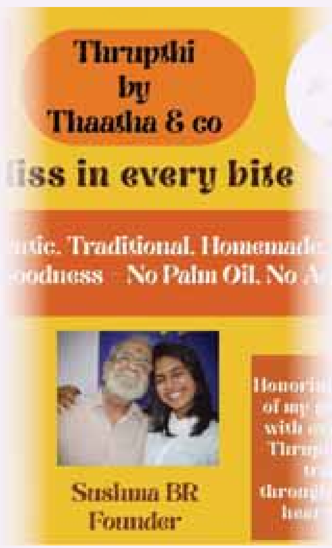

कार्निवल जैसे इस कार्यक्रम में पूरे दिन हंसी-मज़ाक, संगीत, सीखने और नेटवर्किंग का माहौल बना रहा। प्रतिभागियों को *कम पिच* पहल के लिए आमंत्रित किया गया, कांच की बोतलों को फिर से इस्तेमाल करने के लिए एक DIY कार्यशाला आयोजित की गई, ऑन द स्ट्रीट्स फाउंडेशन द्वारा हॉल में एक जीवंत संगीत समारोह आयोजित किया गया। (ओ टी एस फाउंडेशन बैंड चेन्नई में सड़कों, पार्कों, समुद्र तटों, मेट्रो और कई अन्य सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन करता है, जिसका उद्देश्य शहर को दुनिया की स्ट्रीट म्यूजिक राजधानी बनाना है!)

इसे मिली प्रतिक्रिया को देखते हुए, इवेंट टीम खुश थी कि यह सिर्फ़ एक बाज़ार से कहीं बढ़कर साबित हुआ - यह स्थिरता, समावेशिता और दिल से उद्यमशीलता की यात्रा का एक जीवंत संगम था।

विश्व पर्यावरण दिवस और गौरव माह के सम्मान में आयोजित *स्पार्क* में 30 उद्यमियों ने भाग लिया, जिन्होंने औषधीय चटनी, अपराध मुक्त मिठाइयाँ और स्वास्थ्य संबंधी उत्पाद जैसे नवीन उत्पाद प्रस्तुत किए।

''इस कार्यक्रम को वास्तव में खास बनाने वाली बात थी हर स्टॉल के पीछे की आकर्षक कहानी थी - महिलाओं के द्वारा संचालित उद्यमों से लेकर LGBTQ+ उद्यमियों और पर्यावरण-योद्धाओं तक, हर प्रतिभागी ने साहस, रचनात्मकता और जागरूक जीवनशैली की कहानी को मूर्त रूप दिया। इसने सीखने, नेटवर्किंग, पिचिंग और जश्न मनाने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया,'' निसरीन ने कहा।

''हमारा इरादा सरल लेकिन शक्तिशाली था, एक ऐसा स्थान बनाना जहाँ स्थानीय प्रतिभा को वह प्रसिद्धि मिले जिसके वे हकदार हैं, और उनके ब्रांड को उपभोक्ता समर्थन मिले। उस कमरे में ऊर्जा, जुनून और उद्देश्य को को देखकर हमें उम्मीद है कि *स्पार्क* एक बड़े आंदोलन की शुरुआत है।''

प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए उत्पादों में आर्टिसंस बज़ के महिलाओं द्वारा सिलाई के कचरे

हर प्रतिभागी ने साहस, रचनात्मकता और सजग जीवनशैली की एक कहानी को जिया, उस जीवंत सीख ने की जगह में।

बाएं से: अभा अप्पासामी, अरुल (प्रतिभागी), एस एन बालासुब्रमण्यम (डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स नेटवर्क टीम), क्लब अध्यक्ष निसरीन मद्रासवाला, डिस्टिक्ट गवर्नर एन एस सरवनन, उनकी पत्नी भारती, और डीजीएनडी विजया भारती।

से बनाए गए अपसाइकल बैग, विरिडियन प्लेट के पौधे-आधारित पाककला संबंधी नवाचार और नम्मा सुवाई के खेत से प्राप्त ताजा किराना सामान शामिल थे।

एकत्रित की गई धनराशि - ₹1 लाख से अधिक - एक ट्रांसवुमन को दी जाएगी, जो एक रेस्तरां चलाती हैं, और ''उउस महिला की सहायता के लिए भी दी जाएगी, जो 'कुक बेचने' का काम

उगाही की गई राशि – ₹1 लाख से अधिक – एक ट्रांसवुमन और कुज़ बेचने वाली महिला के समर्थन के लिए दी जाएगी।

रोटेरियन और प्रतिभागी।

करती हैं और जिन्होंने मुझे यह कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया।''

डीजी सरवनन की पत्नी भारती ने थ्रिफ्ट स्टोर नाम से एक स्टॉल लगाया, जहाँ उनके समूह की अन्य महिला रोटरी सदस्यों द्वारा इस्तेमाल की गई सभी चीज़ें दान की गईं। इस बिक्री से लगभग ₹15,400 एकत्रित हुए, जिसका उपयोग रोटरी की एक अन्य परियोजना, फ़ूड कार्ट के लिए किया जाएगा। ■

कानपुर में एच पी वी टीकाकरण अभियान

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब कानपुर उत्तर, रो ई मंडल 3110 द्वारा रोटरी क्लब कानपुर और रोटरी क्लब कानपुर विराट के साथ संयुक्त पहल में दो चरणों में आयोजित गर्भाशय ग्रीवा कैंसर टीकाकरण अभियान के माध्यम से 500 से अधिक लड़कियाँ लाभान्वित हुई हैं।

एचपीवी टीकाकरण की पहली खुराक पिछले वर्ष नवंबर में दी गई थी, जबकि दूसरी खुराक इस वर्ष अप्रैल और मई में पूरी की गई। रोटरी क्लब कानपुर नॉर्थ के अध्यक्ष निशांत वडेरा ने कहा, 9-14 वर्ष की आयु वर्ग की 500 से अधिक युवा लड़कियां अनिश्चितता के साथ इन शिविरों में आईं, लेकिन सुरक्षित होकर लौटीं, उनका भविष्य कुछ अधिक सुरक्षित हुआ और उनके परिवार कुछ अधिक सशक्त।

उन्होंने कहा कि टीकाकरण स्थलों को जागरूकता पैदा करने के केंद्रों में बदल दिया गया, क्योंकि मेडिकल टीमों ने लड़कियों की जांच की, ''प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और डॉक्टरों ने माता-पिता से बात की, उनकी चिंताओं को कम किया और उन्हें गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के बारे में जानकारी दी और निवारक कदम उठाने की आवश्यकता समझाई।''

एक लड़की को उसके माता-पिता की उपस्थिति में टीका लगाया गया।

माता-पिता ने ध्यान से सुना, सवाल पूछे और सिर्फ पर्चे नहीं, बल्कि बहुत कुछ सीखकर लौटे। ''वे मन की शांति के साथ घर गए। कई माताओं के लिए, यह पहली बार था जब किसी ने उनसे गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के बारे में बात की थी, और यह जानकर कि उनकी बेटियों को मुफ्त में सुरक्षा दी जा रही है, राहत के आँसू निकल आए।''

सकारात्मक प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर, प्रमुख क्लब अब ग्रामीण क्षेत्रों में एचपीवी टीकाकरण अभियान का विस्तार करने और महिलाओं के लिए स्क्रीनिंग शिविर शुरू करने की योजना बना रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी महिला, चाहे वह युवा हो या वृद्ध, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के खिलाफ इस लड़ाई में पीछे न रह जाए। इस परियोजना के लिए लाभार्थियों की पहचान स्थानीय स्कूलों द्वारा की गई, जबकि वित्तीय सहायता सी एस आर योगदान और अन्य दाताओं के माध्यम से प्राप्त हुई। ■

ADVT.

Rotary
District 3212

UNITE FOR GOOD

We are happy to inform the fellow Rotarians that our project

Rotary club of Virudhunagar

VIGNANA RATHAM

SCIENCE MADE EASY

has been taken for the **Signature project of innerwheel Dist 317, Karnataka, Goa & Maharashtra** for the year 2025-2026. The announcement has been done during the installation ceremony of Utkarsha Patil District chairman Dist 317.

STEP UP & LEAD by EXAMPLE

SUCCESSFUL JOURNEY OF SCIENCE ON WHEELS

As on 28.03.2025

Total Programs
770

Total No. of Schools Visited
735

Total No. of Colleges Visited
25

Total No.of Students Explored
2,11,143

Total No. of Days Travelled
513

Total No. of Teachers Participated
9,428

Total No. of Kilometers Travelled
42,056

Utkarsha Patil
District chairman 2025-2026
Innerwheel Club of Hubli Midtown
Dist .: 317, Karnataka

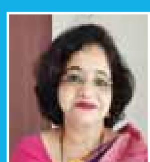

PDC Sayali Prabhu
Innerwheel Club of Hubli Midtown
Dist .: 317, Karnataka

Shilpa Shetty - IPP
Innerwheel Club of Hubli Midtown
Dist .: 317, Karnataka

Empowering Students Towards Great citizens for future

Vignana Ratham is a dynamic, enthusiastic program by driving technology to create interest & passion in Science among the students.

Do you want

to have Vignana Ratham traveling to a school in your Town / City / District? We would love to partner with you in this mission.

GET IN TOUCH WITH US
94422 48586

IDHAYAM
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

PARIKSHAN
CHARITABLE TRUST
Empowering society through Science...

Project Chairman
Rtn. R.Vadivel

Project Concept
Dr. Pasupathy

LEKHA ads / July 25/ Rotary

Rotary PEOPLE OF ACTION

जंदगी की नई शुरुआत

टीम रोटरी न्यूज़

महाराष्ट्र के नासिक से 785 किलोमीटर दूर गढ़चिरौली में रो ई मंडल 3030 द्वारा आयोजित एक अंग फिटमेंट शिविर में, 45 वर्षीय रमेश ने अपने नए कृत्रिम अंग की बदौलत वर्षों बाद अपना पहला कदम रखा। ''मेरे आस-पास के सभी लोगों ने तालियां बजाईं। यह सिर्फ़ दोबारा चलने की बात नहीं थी, बल्कि यह फिर से आत्मनिर्भर बनने, सम्मान और उस सामान्य जीवन की ओर फिर से वापस लौटने की बात थी जिसे हम में से ज्यादातर लोग महत्व नहीं देते है,'' रमेश कहते हैं।

यह डीजी राजिंदर सिंह खुराना के नेतृत्व में रो ई मंडल 3030 द्वारा आयोजित जयपुर फुट कैंप द्वारा संभव हुए 303 जीवन-परिवर्तनकारी क्षणों में से एक था। गढ़चिरौली, गोंदिया, अमरावती और पुणे के पास स्थित ग्रामीण इलाकों में 20 दिनों तक आयोजित इन शिविरों में 300 से अधिक लोगों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए, जिनमें से कई आदिवासी और वंचित समुदायों से थे।

गढ़चिरौली शिविर का नेतृत्व रोटरी क्लब नागपुर नॉर्थ ने रोटरी क्लब गढ़चिरौली के सहयोग से किया था। गोंदिया में पहल का नेतृत्व रोटरी क्लब नागपुर डाउनटाउन ने किया था, जबकि रोटरी क्लब अमरावती ने अमरावती शिविर का आयोजन किया था।

परियोजना के सुचारू निष्पादन के केंद्र में ज्योतिका कपूर (मंडल अध्यक्ष - जयपुर फुट), राजीव वारभे (मंडल अध्यक्ष - आदिवासी कल्याण) और वीरेंद्र पत्रीकर (परियोजना अध्यक्ष) थे। इस पहल को तकनीकी और चिकित्सा सहयोग महावीर सेवा सदन द्वारा

प्रदान किया गया। गढ़चिरौली और गोंदिया की स्थानीय पुलिस ने लॉजिस्टिक्स को सुचारू रूप से संभाला और अमरावती के श्री जालाराम सत्संग मंडल ने अमरावती शिविर के लिए स्वयंसेवकों और आवश्यक बुनियादी ढांचे की व्यवस्था की।

डीजी खुराना के नेतृत्व में आयोजित उद्घाटन समारोह, जिसमें गढ़चिरौली के एसपी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, से लेकर अमरावती में एक दिल को छू लेने वाले समापन समारोह तक, परियोजना की हर बारीकी पर समुचित ध्यान दिया गया था। अंग लगाने के शिविरों की लागत लगभग ₹12-13 लाख थी। डीजी खुराना ने इस परियोजना को रोटरी के स्वयं से ऊपर सेवा के आदर्श का सर्वश्रेष्ठ एवं शुद्धतम उदाहरण बताया। ■

ऊपरः अंग प्रत्यारोपण शिविर में एक लाभार्थी।

बाएँः रो ई मंडल 3030 के गवर्नर राजेन्द्र सिंह खुराना (दाएँ), मंडल जनजातीय कल्याण समिति अध्यक्ष राजीव वर्भे, राजू मंगानी, कमलेश चोटवानी, रोटरी क्लब नागपुर नॉर्थ के अध्यक्ष-निर्वाचित विनय डारा, अध्यक्ष मनीषा मंगानी, एजी ज्योतिका कपूर, डीएसपी (गडचिरोली) नीलोत्पल और पंकज उपाध्याय के साथ, गडचिरोली में आयोजित कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर में।

HD मोड में हाई-रिज़ॉल्यूशन तस्वीरें भेजना

सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपनी प्रोजेक्ट की तस्वीरें सीधे फोन की गैलरी से हमारी ईमेल आईडी पर भेजें: *rotarynewsmagazine@gmail.com*

अगर आप केवल WhatsApp पर भेजना चाहते हैं, तो इन्हें HD मोड में भेजने के लिए ये स्टेप्स अपनाएं:

- अपनी गैलरी में फोटो खोल,
- शेयर आइकन पर टैप करें, Whatsapp और रिसीवर चुनें
- ऊपर की ओर 'HD' विकल्प दिखेगा (iOS **में ऊपर दाईं ओर**, Android **में ऊपर बाईं ओर**)
- 'HD' पर टैप करें और फिर भेजें

इससे हमें आपकी तस्वीरें उच्च गुणवत्ता और मूल आकार में मिलेंगी।

Rotary PEOPLE OF ACTION

अंत्येष्टि प्रबंधन पर रोटरी की अनूठी पहल

रशीदा भगत

एक अनूठी पहल के अंतर्गत रो ई मंडल 3211 के सबसे पुराने सेवा क्लबों में से एक, रोटरी क्लब कोळेनचेरी ने अपनी 37 वर्षीय एम्बुलेंस सेवा का विस्तार करते हुए जनवरी 2025 में *प्रणामा* नामक एक पूर्ण अंतिम संस्कार प्रबंधन परियोजना की शुरुआत की।

क्लब के पूर्व अध्यक्ष और इस परियोजना के प्रमुख अब्राहम वर्गीस ने कहा कि क्लब ने इस परियोजना को शुरू करने का फैसला छह महीने पहले लिया था क्योंकि ''हमें इस तरह की सेवा प्रदान करने के बहुत अनुरोध मिल रहे थे, खासकर उन बच्चों से विदेश में रहते है और उनके माता-पिता केरल में रहते हैं।''

उन्होंने बताया कि उन्हें इस तरह का असामान्य अनुरोध इसलिए मिला क्योंकि क्लब पिछले 37 वर्षों से शहर में एम्बुलेंस सेवा चला रहा हैं, उसके पास दो आधुनिक एसी एम्बुलेंस, एक शव वाहन एम्बुलेंस और तीन मोबाइल एवं वातानुकूलित मुर्दाघर इकाइयाँ हैं, जिन्हें प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा संचालित किया जाता हैं।

इन एंबुलेंसों का उपयोग गंभीर रोगियों को विभिन्न अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों तक पहुँचाने के लिए किया जाता है, ''और यह सेवा उन लोगों द्वारा कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार की जाती है जिनकी जान हमने बचाई है। हमारा शुल्क इस क्षेत्र में सबसे कम है और हम अक्सर जरूरतमंदों और वंचित लोगों को भारी छूट या नि:शुल्क सेवा प्रदान करते हैं।''

क्लब की इसी दीर्घकालिक सामुदायिक सेवा की पृष्ठभूमि की वजह से रोटरी सदस्यों को अंतिम संस्कार की संपूर्ण व्यवस्था - मृत्यु के समय से लेकर दाह-संस्कार या दफ़न तक - संभालने के अनेक अनुरोध प्राप्त हो रहे थे। इस तरह की सेवा की विशेष आवश्यकता उन एकल परिवारों में महसूस की गई जिनके बूढ़े माता-पिता केरल में रहते है और उनके बच्चे विदेशों में काम करते है।

क्लब ने इस तरह की सेवा शुरू करने का फैसला किया और इसके लिए वह 14 विभिन्न सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर काम कर रहा है, जिसमें छोटी भजन मंडली, फूल विक्रेता और कैटरिंग सेवाएं शामिल हैं। इसकी सोशल मीडिया उपस्थिति अच्छी है और यह इस क्षेत्र में प्रसिद्ध है। क्लब का केंद्रीय कार्यालय कोळेनचेरी के पोयनिल प्लाजा भवन में स्थित है, जिसे चार कर्मचारियों द्वारा संचालित किया जाता है। जनवरी 2025 से अब तक रोटरी क्लब कोळेनचेरी ने 37 अंतिम संस्कार आयोजित किए हैं।

इस तरह की सेवा में क्या-क्या शामिल होता है, इस पर प्रकाश डालते हुए वर्गीस ने उनकी टीम द्वारा प्रबंधित सबसे हालिया अंतिम संस्कार का उदाहरण दिया। यह सेवा एक सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक जकारिया मैथ्यू के लिए प्रबंधित की गई थी जिनका हाल ही में निधन हुआ था। वह कुवैत में काम करते थे लेकिन कुछ साल पहले ही केरल लौट आए थे। ''उनका इकलौता बेटा आयरलैंड में काम करता है और उसने हमें अपने पिता के लिए एक संपूर्ण अंतिम संस्कार का प्रबंध करने का अनुरोध किया और हमने इसकी व्यवस्था की।''

अंतिम संस्कार सेवाएं साधारण से लेकर विस्तृत रूप तक होती हैं और इसकी लागत ₹1 से ₹3 लाख तक हो सकती है; उन्हें प्राप्त होने वाले अधिकांश अनुरोध ईसाई समुदाय से आते है हालांकि उन्होंने कुछ हिंदुओं के लिए भी अंतिम संस्कार सेवा की व्यवस्था की है। अभी तक उन्हें किसी भी मुसलमान

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज ने रोटरी क्लब कोळेनचेरी की शववाहिनी एम्बुलेंस को झंडी दिखाकर रवाना किया। चित्र में उनके बाईं ओर राज्य मंत्री कडन्नापल्ली रामचंद्रन, प्रोजेक्ट प्रणामा *के चेयरमैन अब्राहम वर्गीज़ और क्लब अध्यक्ष थॉमस वर्गीज़ दिखाई दे रहे हैं।*

शव को वातानुकूलित, चलित शवगृह इकाई में संरक्षित किया जाता है।

परिवार से कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है और वर्गीस के अनुसार ''वैसे भी इस क्षेत्र में मुसलमान आबादी कम हैं,'' वह कहते हैं।

ईसाई अंत्येष्टि अधिक विस्तृत होती है; और जैसे ही कोई अनुरोध प्राप्त होता है, परियोजना के सेवा साझेदारों के साथ समन्वय शुरू हो जाता है, ''और सब कुछ पेशेवर तरीके से प्रबंधित किया जाता है ताकि एक सम्मानजनक विदाई और एक उपयुक्त और यादगार अंतिम संस्कार अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। अगर भारत के बाहर किसी की मृत्यु हो जाती है तो हमारी एम्बुलेंस उस शव को हवाई अड्डे से घर तक पहुंचाती है और प्रार्थना के बाद उसे अस्पताल के शवगृह में ले जाया जाता है। एक बार तारीख तय होने के बाद हम घर पर शामियाना या *पंडाल* लगाते हैं, फर्श पर कालीन बिछाते है। वातानुकूलित मोबाइल शवगृह भी घर पर लगाया जाता है और उसमें शव को रखा जाता है ताकि लोग अंतिम श्रद्धांजलि दे सकें।''

क्लब तीन प्रकार के गायन दलों के साथ काम करता है, जिनमें 3, 4 या 6 सदस्य होते हैं, और बजट के आधार पर इनमें से किसी एक दल को पियानो और अन्य संगीत वाद्ययंत्रों के साथ बुलाया जाता है। इसके बाद परियोजना समिति कैटररों से संपर्क करती है और दिन के समय के आधार पर पास के एक घर में सुबह के नाश्ते, दोपहर के भोजन या नाश्ते का आयोजन किया जाता है। फिर शव को चर्च ले जाया जाता है जहाँ सेवा संपन्न होती है। घर और चर्च दोनों जगहों पर फूलों की सजावट आयोजित की जाती है। अंत में शव को ताबूत में रखा जाता है।

दफन के बाद एक बार फिर से नाश्ते की व्यवस्था की जाती है। ''कुल मिलाकर हम 14 प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं जिसमें यातायात को नियंत्रित करने के लिए वॉकी टॉकी से सुसज्जित सुरक्षाकर्मी भी शामिल है। हाल ही में आयोजित अंतिम संस्कार सेवा की कुल लागत ₹2.34 लाख थी। हम केवल 5 प्रतिशत सेवा शुल्क लेते है जिससे हमारे कर्मचारियों का वेतन दिया जाता है,'' वर्गीस कहते हैं, जो पिछले छह वर्षों से एम्बुलेंस समिति के अध्यक्ष हैं।

हिंदुओं के लिए शव को शवगृह से एम्बुलेंस में घर ले जाया जाता है, और अनुरोध मिलने पर हम वातानुकूलित मोबाइल शवगृह भी उपलब्ध कराते हैं जिसमें पहले से रिकार्ड की गई *भगवद गीता* चलती है। यह सेवा शव को श्मशान घाट तक ले जाने के साथ समाप्त हो जाती है। ईसाइयों के अंतिम संस्कार के विपरीत हिंदुओं के अंतिम संस्कार में नाश्ते या भोजन की व्यवस्था नहीं होती। ''हमें खुशी है कि अंतिम संस्कार सेवा की हमारी विश्वसनीय व्यवस्था - जो 37 वर्षों से एम्बुलेंस सेवा चलाने के हमारे अनुभव पर आधारित है - शोक संतप्त परिवारों के लिए इस कठिन समय में एक बड़ा संबल और सहारा बनती है,'' वह आगे कहते हैं। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक मेगा डायबिटीज़ जांच अभियान में 1.5 लाख से अधिक मधुमेह परीक्षण

वी मुत्तुकुमारन

रोटरी मंडल 3132 के सभी 100 रोटरी क्लबों ने एक साल तक चलने वाले विशाल डायबिटीज़ परीक्षण अभियान में भाग लिया, जिसमें चिकित्सा शिविरों और परीक्षण पहलों की एक श्रृंखला आयोजित की गई; लगभग 150 रोटेरियन अग्रिम पंक्ति में रहकर ग्लूकोमीटर से व्यक्तियों के रक्त शर्करा स्तर की जांच कर रहे थे।

जबकि पैरामेडिकल स्टाफ ने उनकी मौके पर मदद की, ''हमारे रोटेरियन को पास के अस्पतालों के पैथोलॉजिस्ट द्वारा पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित किया गया था,'' आईपीडीजी सुरेश साबू कहते हैं। रोटरी दलों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, हवाई अड्डों, मूवी हॉल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर; सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रम जैसे विवाह, अंतिम संस्कार और जन्मदिन के आयोजनों पर; गणेश उत्सव, नवरात्रि, क्रिसमस जैसे त्योहारों पर; और मेलों, प्रदर्शनियों और शॉपिंग मॉल में यादृच्छिक परीक्षण किए।

अभियान की उत्पत्ति को याद करते हुए, साबू ने कहा, ''पिछले साल अप्रैल में लातूर में पीईएल/एसईएल सेमिनारों के दौरान, आगामी क्लब नेतृत्वकर्ताओं को बीमारी के प्रसार, इसकी गंभीरता और मधुमेह के परीक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया था। उन्हें ग्लूकोमीटर के उपयोग पर प्रशिक्षित किया गया था और 1 जुलाई से बड़े पैमाने पर मधुमेह परीक्षण के अभियान के लिए तैयार होने के लिए कहा गया था।'' विशाल मधुमेह शिविर में 'अब की बार, एक लाख पार' का नारा भी दिया गया था, जिसमें एक साल में एक लाख रक्त शर्करा स्तर की जांच का लक्ष्य रखा गया था।

लेकिन क्लबों ने दिसंबर 2024 में ही शुरुआती लक्ष्य को पार कर लिया था, और मई

बाएँ से: डॉ दीपक मंत्री, दीपक बगड़िया, डीजी सुरेश साबू, नितिन खंडेलवाल और निर्मला साबू, जालना के शनि मंदिर में आयोजित मधुमेह जांच शिविर में।

के अंतिम सप्ताह तक, हमने 1.28 लाख परीक्षण किए। ''हमें विश्वास है कि 30 जून तक हम 1.5 लाख मधुमेह परीक्षण के आँकड़े को पार कर लेंगे। जालना के रूबी अस्पताल में पहला परीक्षण शिविर आयोजित होने के बाद, हमने टीआरएफ न्यासी भरत पंड्या की उपस्थिति में 14 जुलाई को मेरी नियुक्ति के दौरान अगला शिविर आयोजित किया। अब तक (23 मई तक), हमने 500 से अधिक मधुमेह शिविर और अभियान आयोजित किए हैं।''

व्यक्तियों को उनके नाम, उम्र और रक्त शर्करा के स्तर के साथ एक मानक चिकित्सा रिपोर्ट दी गई है जिसका उपयोग वे भविष्य के नैदानिक संदर्भ के लिए कर सकते हैं। रूबी अस्पताल के अध्यक्ष और डायबिटीज़ प्रिवेंशन के मंडल अध्यक्ष डॉ राजेश सेठिया कहते हैं, ''लगभग 1,000 रोटेरियनों ने लॉजिस्टिक्स और शिविरों के सुचारू संचालन के लिए समन्वय किया, जिसने जालना के विधायक अर्जुन खोतकर को प्रभावित किया। विधायक जालना जिले के हर गांव में इसी तरह के शिविर आयोजित करना चाहते थे, और वे हमारे शिविर में परीक्षण के लिए लगभग 80 व्यक्तियों को भी लाए।''

डॉ सेठिया कहते हैं कि रक्त शर्करा जांच में सकारात्मक परिणाम निकलने वाले कई लोगों ने ''हमारे रोटेरियनों के साथ अपनी चिंता, अविश्वसनीयता, भय और निराशा साझा की।'''

गणेश उत्सव के दौरान जालना में आयोजित मधुमेह जांच शिविर।

नीचे: रोटरी क्लब जालना रेनबो की सदस्य सरला सेठिया एक विमान में यात्री की ब्लड शुगर जांच करती हुईं।

लगभग 1,000 रोटेरियनों ने लॉजिस्टिक्स और शिविरों के सुचारू संचालन के लिए समन्वय किया, जिसने जालना के विधायक अर्जुन खोतकर को प्रभावित किया।

जालना के पुलिस मुख्यालय में नवनियुक्त पुलिस कांस्टेबल अशोक पाटिल (30) इस बात से हैरान थे कि उन्हें मधुमेह है क्योंकि वे हष्ट-पुष्ट है और उनकी काया मजबूत है। ''हमने उन्हें शांत किया और विकार के आगामी इलाज के लिए उनका मार्गदर्शन किया। नंदीग्राम एक्सप्रेस ट्रेन के एक टीटीई डी के सिंह को पता चला कि वह प्री-डायबिटिक थे,'' और इस तरह के विशाल परीक्षण अभियान के लिए रोटेरियनों को धन्यवाद दिया, जो उन्होंने तब तक अपने जीवन में नहीं देखा है। और 45 वर्षीय एम धीरज, जो एक रोटेरियन हैं, को तब तक पता नहीं था कि वह मधुमेह से पीड़ित हैं, ''जब तक कि एक स्थानीय मंदिर में गरबा कार्यक्रम (नवरात्रि) के दौरान जांच अभियान में उनका परिणाम पॉज़िटिव नहीं आया था।''

भारत में लगभग 77 मिलियन टाइप 2 डायबिटीज़ के मरीज और 25 मिलियन प्री-डायबिटिक लोग हैं। साबू कहते हैं, हम प्री-डायबिटीज़ का पता लगाना चाहते थे ताकि वे इस पुरानी बीमारी को दूर करने के लिए निवारक कदम उठा सकें। डॉ सेठिया को पूरा विश्वास है कि जागरूकता फैलाकर हम भविष्य की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से बच सकते हैं और एक सक्रिय जीवन जी सकते हैं। उनकी अगली परियोजना जालना और आसपास के क्षेत्रों में 100 थायरॉइड जांच शिविर आयोजित करना है, जिससे कम से कम 10,000 लोगों तक पहुँचा जा सके। रो ई मंडल 3132 के मधुमेह जांच अभियान को जालना स्थित जमनाबाई शिवरतन बगड़िया ट्रस्ट द्वारा वित्तपोषित किया गया था, जिसका नेतृत्व पन्नालाल बगड़िया ने किया। ■

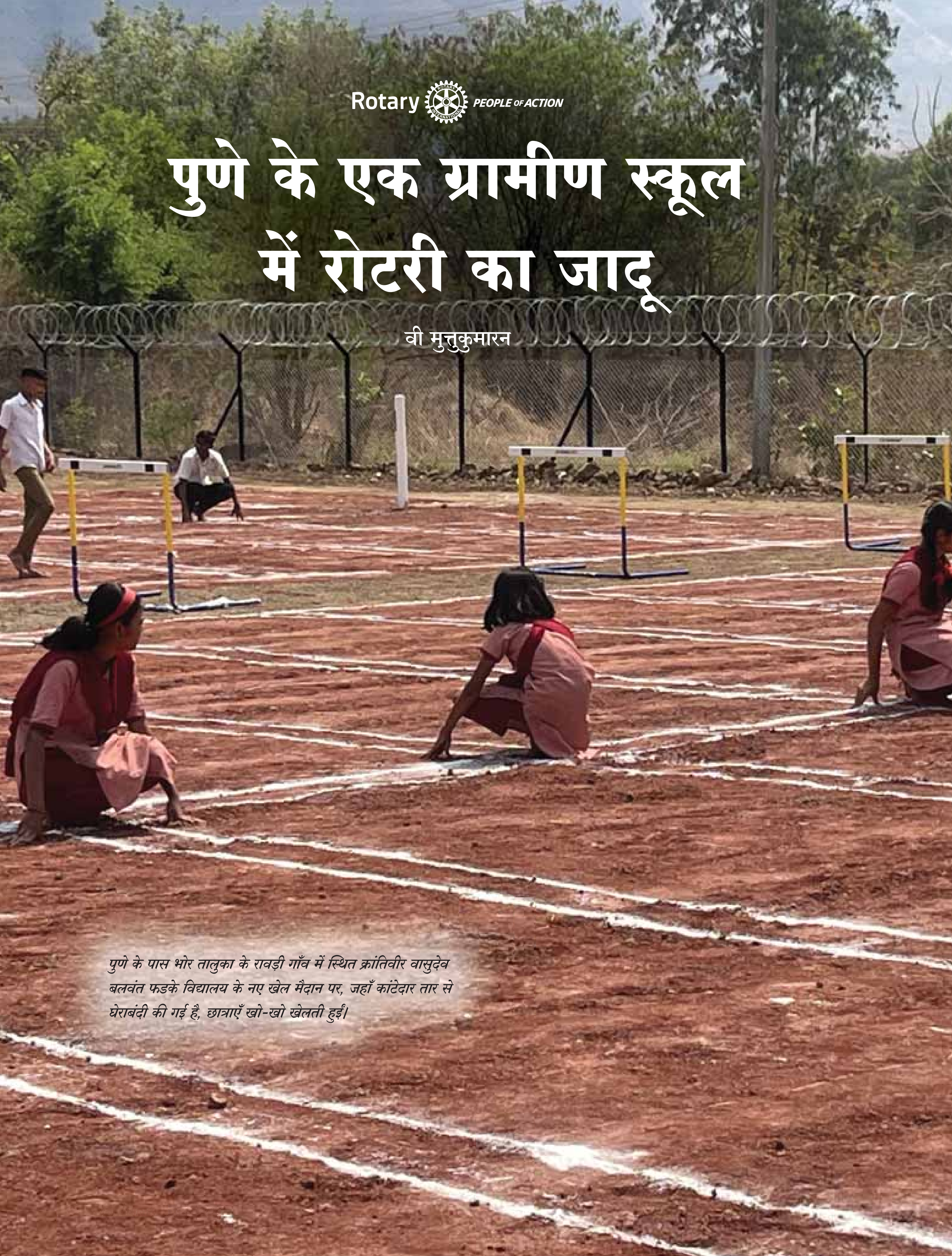

Rotary PEOPLE OF ACTION

पुणे के एक ग्रामीण स्कूल में रोटरी का जादू

वी मुत्तुकुमारन

पुणे के पास भोर तालुका के रावड़ी गाँव में स्थित क्रांतिवीर वासुदेव बलवंत फडके विद्यालय के नए खेल मैदान पर, जहाँ कांटेदार तार से घेराबंदी की गई है, छात्राएँ खो-खो खेलती हुईं।

पुणे के पास रावडी गांव में एक रिश्तेदार के घर रोटेरियन की हुई एक आकस्मिक यात्रा के चलते भोर तालुका में स्थित मराठी माध्यम स्कूल, क्रांतिवीर वासुदेव बलवंत फड़के विद्यालय, का अत्यंत आवश्यक कायाकल्प संभव हो सका। बिना किसी कंपाउंड की दीवार, टूटी हुई शौचालय फिटिंग और एक ऊबड़-खाबड़, अनुपयोगी खेल मैदान के कारण स्कूल पूरी तरह जर्जर स्थिति में था। चूंकि छात्रों और शिक्षकों का मनोबल अपने निम्नतम स्तर पर था, इसलिए स्कूल के प्रिंसिपल रवींद्र पवार ने रोटरी क्लब पुणे स्पोर्ट्स सिटी रो ई मंडल 3131 की सदस्य अलका रोडे से स्कूल के लिए एक कंपाउंड बाड़ बनाने के लिए तत्काल सहायता मांगी, ताकि परिसर में खुलेआम प्रवेश करने वाले असामाजिक तत्वों और उपद्रवियों को रोका जा सके।

अलका ने अपने क्लब की अध्यक्ष साधना जोशी से संपर्क किया और इस सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल की दुर्दशा बताई, जिसमें कक्षा 5 से 12 तक के 260 छात्र दयनीय परिस्थितियों में पढ़ाई कर रहे थे। इसके बाद, साधना के नेतृत्व में संदेश सावंत और परियोजना निदेशक ब्रिज सेठी सहित पांच सदस्यों की एक आवश्यकता-मूल्यांकन टीम ने स्कूल का दौरा किया और प्रिंसिपल और शिक्षकों से बातचीत की। पुणे क्लब ने बेंगलुरू स्थित मोमेंटिव परफॉरमेंस मैटेरियल्स के साथ मिलकर तत्परता से जीर्णोद्धार का काम शुरू किया, जिसने ₹19 लाख की परियोजना लागत में से ₹16.8 लाख का सी एस आर अनुदान दिया। शेष राशि रोटरी क्लब भोर (₹50,000) और मंडल अनुदान (₹1.8 लाख) से जुटाई गई।

कक्षा 5-10 के लिए पाठ्यक्रम सॉफ्टवेयर के साथ प्रीलोडेड छह ई-लर्निंग सिस्टम स्थापित किए गए, कक्षा 11-12 के लिए मौजूदा आईटी सिस्टम में सॉफ्टवेयर को अपग्रेड किया गया। साधना कहती हैं, ''हमने छात्रों को छात्रवृत्ति परीक्षाओं की तैयारी के लिए पांच डेस्कटॉप और रिवीजन कक्षाओं, और विशेष आयोजनों के लिए लाइब्रेरी में 65 इंच का इंटरैक्टिव पैनल स्थापित किया है। आईटी विक्रेताओं ने शिक्षकों को डिजिटल कक्षाएं आयोजित करने का प्रशिक्षण दिया जो छात्रों के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव होगा।''

कंटीले तारों की बाड़

कंक्रीट की दीवार की बजाय, स्कूल परिसर की बाड़ लोहे की छड़ों और कांटेदार तार की जाली से बनाई गई, जिससे

छात्रों और शिक्षकों को आवश्यक सुरक्षा प्रदान की जा सके। अब इस तारबंदी के साथ-साथ पौधे भी लगाए जाएंगे, जो हरियाली और सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत देने के साथ-साथ स्कूल की सुंदरता भी बढ़ाएंगे।

छात्रों के लिए एक समतल खेल मैदान (₹2.20 लाख) तैयार करने के लिए जमीन से कठोर चट्टानें और नुकीले पत्थर हटाए गए। ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं सहित 10 इनडोर और आउटडोर खेलों के लिए ₹3 लाख के खेल उपकरण उपलब्ध कराए गए। स्कूल में बैक-अप बिजली के लिए 3 किलोवाट का सौर पैनल लगाया गया, और दो शौचालय ब्लॉक (लड़कियों और लड़कों के लिए) का नवीनीकरण किया गया। पानी की लाइन भी बदली गई।

आभारी प्रिंसिपल पवार ने कहा: ''ई-लर्निंग सिस्टम, नया खेल का मैदान और खेल के उपकरण सभी हमारे छात्रों द्वारा अच्छी तरह उपयोग किए जा रहे हैं। समय पर सभी काम पूरा करने और लाइब्रेरी को दान की गई पुस्तकों के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।'' पीटी मास्टर गोरखनाथ अधिकारी को विश्वास है कि इन नई सुविधाओं के साथ छात्र मंडल स्तरीय खेल टूर्नामेंट में बहुत सारे पदक जीतेंगे।

स्कूल की लाइब्रेरी में इंटरऐक्टिव पैनल (स्मार्ट टीवी) के साथ एक विशेष कक्षा आयोजित की गयी।

धुआं रहित चूल्हे

स्थानीय एनजीओ शाश्वत ट्रस्ट के साथ मिलकर क्लब ने पुणे से 75 किलोमीटर उत्तर में अम्बेगांव तालुका के 45 गांवों में, डिंभे बांध के बैकवाटर क्षेत्र में रहने वाली 1,775 आदिवासी महिलाओं को धुआं रहित चूल्हे वितरित किए। यह वैश्विक अनुदान परियोजना रोटरी क्लब फोर्ट कॉलिन्स-ब्रेकफास्ट, रो ई मंडल 5440 और रोटरी क्लब कल्वर सिटी, रो ई मंडल 5280, यूएस के साथ साझेदारी में, कुल 52,835 डॉलर की लागत से संपन्न की गई।

सभी लाभार्थियों को पर्यावरण अनुकूल चूल्हों का उपयोग करने और उनके रखरखाव का प्रशिक्षण दिया गया, जो पारंपरिक मिट्टी के चूल्हों की तुलना में ईंधन-कुशल, पोर्टेबल और धुआँ रहित हैं। रोटरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, मायाबावड़ी गाँव की सपना बबन काले (29) कहती हैं, ''धुआँ रहित चूल्हा मेरे पाँच सदस्यों वाले परिवार के लिए जीवन रक्षक है, और रोटरी की बदौलत अब खाना बनाना अपेक्षाकृत आसान हो गया है।'' असाने गाँव के सरपंच (पंचायत प्रमुख) खेमा गभाले बताते हैं, ''ये चूल्हे 40 साल देर से आए हैं, क्योंकि महिलाओं की एक पूरी पीढ़ी को खराब स्वास्थ्य और धुएँ से भरी झोपड़ियों और कॉटेज में जीवन जीना पड़ा।''

साधना बताती हैं कि अगले दो वर्षों के लिए, हर छह महीने में एनजीओ के सदस्य लाभार्थियों के घरों का दौरा करेंगे ताकि चूल्हों के उपयोग और रखरखाव की समीक्षा की जा सके। ''एक बार जब हमें अच्छे परिणाम मिल जाते हैं, तो हम एक बार फिर अपने विदेशी भागीदारों के साथ मिलकर धुआं रहित चूल्हों के वितरण का विस्तार करेंगे।'' इस परियोजना के प्राथमिक संपर्क सावंत रोटरी क्लब फोर्ट कॉलिन्स-ब्रेकफास्ट के अपने समकक्ष कृष्ण मूर्ति के संपर्क में हैं, ताकि धुआं रहित चूल्हे की परियोजना को आगे बढ़ाया जा सके। यूएस क्लब ने 2018 से रोटरी क्लब पुणे स्पोर्ट्स सिटी के साथ मिलकर 10 वैश्विक अनुदान परियोजनाएं की हैं। औरंगाबाद की अर्थफिट सॉल्यूशंस कंपनी ने इन चूल्हों की स्थापना का कार्य किया है।■

अर्थफिट सॉल्यूशंस के एक अधिकारी पुणे के पास अंबेगांव तालुका के मालन गांव में महिलाओं को धुआँरहित चूल्हे का प्रदर्शन देते हुए।

ताइवान में मिलते हैं!

ताइपे जाने का समय आ गया है! प्रतिष्ठित वक्ताओं और अचंभों के साथ एक विश्वस्तरीय कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियाँ ज़ोरों पर हैं, जिससे रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेना हर सदस्य के लिए कम से कम एक बार तो अनिवार्य बन जाता हैं। और हो सकता है कि कई नियमित प्रतिभागियों की तरह आप भी बार-बार आना शुरू कर दें।

रो ई अध्यक्ष मारियो सीज़र मार्टिंस डी कमार्गो ने कार्यक्रम के लिए व्यक्तिगत समर्थन जुटाने के लिए ताइवान के राष्ट्रपति से मुलाक़ात की। आपके रोटरी मित्र इस पहाड़ी द्वीप और उसकी राजधानी में असाधारण अनुभव की योजना बना रहे है, जो उसके जीवंत रात्री बाजारों और गगनचुंबी इमारतों के बीच प्राचीन मंदिरों के लिए जाना जाता है।

सदस्य सम्मेलन के सकारात्मक माहौल का वर्णन करते हुए कहते है: आपको हर ओर मुस्कुराते चेहरे दिखते हैं और जब आप किसी को रोककर अभिवादन करते हैं, तो उनका बैज पढ़कर पता चलता है कि वे किस देश से आए है। ''यहीं से बातचीत शुरू होती है,'' पेंसिल्वेनिया के क्रैनबेरी टाउनशिप सनराइज़ रोटरी क्लब के बेन हेनलेन कहते है। ऐसी मुलाक़ातें अनगिनत परियोजना साझेदारियों और आजीवन चलने वाली मित्रताओं को जन्म देती हैं।

रो ई नेतृत्वकर्ताओं ने रोटरी के विकास का समर्थन करने के लिए आपके सामने एक चुनौती रखी है: बस सम्मेलन में भाग लें! इससे पूरे एशिया में रोटरी को और अधिक पहचान मिलेगी, जिससे नए सदस्य आकर्षित हो सकते हैं। पर्यटन की दृष्टि से, ताइवान में एक ही द्वीप पर इतनी विविधता है जो कई बड़े देशों में भी नहीं मिलती - इसकी सांस्कृतिक धरोहर वास्तुकला में और नेशनल पैलेस म्यूज़ियम की प्राचीन वस्तुओं में झलकती है। आसपास के पहाड़ी रास्तों और उसकी खाद्य संस्कृति का आनंद लें, जहाँ साधारण भोजन भी दोस्तों के साथ समय बिताने का अवसर बन जाता है - चाहे वो बीफ़ नूडल सूप हो, क्राफ़्ट कॉकटेल हो या ऑयस्टर ऑमलेट हो।

रो ई नेताओं की यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने शांतिपूर्ण विश्व के लिए ताइवान के समर्थन की बात की, जो रोटरी के मूल उद्देश्य के साथ भी मेल खाता है। यह सम्मेलन रोटरी की शांति की परिकल्पना का प्रतीक है, और 13 से 17 जून को ताइपे में आयोजित यह वैश्विक पारिवारिक मिलन रोटरी की ताकत को पूरी तरह से अनुभव करने का आपका अवसर है।

अधिक जानें और ***convention.rotary.org*** पर रजिस्टर करें।

रो ई केनिर्वाचित अध्यक्ष
मारियो ने दिया इस्तीफा

रोटरी क्लब सैंटो आंद्रे, साओ पाउलो, ब्राजील, के सदस्य मारियो सीज़र मार्टिंस डी कमार्गो ने रोटरी अंतर्राष्ट्रीय को सूचित किया है कि वह निर्वाचित अध्यक्ष की भूमिका से इस्तीफा देंगे और अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं नहीं देंगे।

रो ई अध्यक्ष स्टेफनी अर्चिक को 8 जून को लिखे एक पत्र में, उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत कारणों और व्यावसायिक दायित्वों ने उनके इस निर्णय को प्रेरित किया। बाद के एक संदेश में, डी कमार्गो ने संकेत दिया कि वह एक सक्रिय रोटरी सदस्य बने रहेंगे और अपने समुदाय की सेवा करेंगे।

1980 से एक रोटरी सदस्य, डी कमार्गो को अगस्त 2023 में अध्यक्ष के लिए नामांकन समिति द्वारा 2025-26 के रो ई अध्यक्ष के रूप में चुना गया था।

अर्चिक ने रोटरी सदस्यों को लिखे एक पत्र में कहा, ''हम अपने संगठन के लिए मारियो के 45 वर्षों के नेतृत्व और सेवा की अत्यधिक सराहना करते हैं और ब्राजील के रोटरी सदस्यों के बीच उनके नामांकन ने जबरदस्त गर्व पैदा किया है। मुझे यकीन है कि मारियो अपने अनुभव का लाभ उठाएंगे और ब्राजील एवं दुनिया भर में रोटरी के विकास में योगदान देना जारी रखेंगे। मैं पिछले 20 महीनों में रोटरी के लिए उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए मारियो और डेनिस को धन्यवाद देना चाहती हूं। मारियो को हमारी शुभकामनाएं।''

©Rotary

रोटरी संख्या

रोटरी क्लब	:	36,531
रोटरेक्ट क्लब	:	9,512
इंटरेक्ट क्लब	:	17,026
आरसीसी	:	14,064
रोटरी सदस्य	:	1,163,048
रोटरेक्ट सदस्य	:	137,275
इंटरेक्ट सदस्य	:	391,736

जून 23, 2025 तक

Rotary PEOPLE OF ACTION

मुंबई के वंचितों का पोषण

जयश्री

रोटरी मंडल 3141 के रोटेरियन *प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा* के माध्यम से मुंबई की झुग्गियों में बेघर लोगों तक गर्म और पौष्टिक भोजन पहुँचा रहे हैं। इस पहल की कल्पना करने वाले एवेन्यू चेयर हेमंग जांगला कहते हैं, ''देवी अन्नपूर्णा, भोजन और पोषण की हिंदू देवी; के नाम पर इस परियोजना का उद्देश्य शहर के वंचित समुदायों में पौष्टिक भोजन की महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करना है। माना जाता है कि देवी अन्नपूर्णा अपने भक्तों को कभी भूखा नहीं रहने देतीं।''

रोटरी क्लब मुंबई नियो की पूर्व अध्यक्ष किंजल गोसालिया कहती हैं, ''इस रोटरी वर्ष (2024-25) की शुरुआत से ही हम मुंबई की झुग्गी-झोपड़ियों में खाद्य-ग्रेड कंटेनरों में हर दिन कम से कम 100 से 200 ताज़ा पका हुआ भोजन वितरित कर रहे हैं।'' यह परियोजना बोरीवली से दादर और अंधेरी से मुलुंड तक के क्षेत्रों को कवर करती है, जिन्हें व्यवस्थित रूप से चार क्षेत्रों - पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण में विभाजित किया गया है - प्रत्येक क्षेत्र को एक समर्पित अन्नपूर्णा टीम द्वारा प्रबंधित किया जाता है। ये टीमें सबसे कमज़ोर परिवारों की पहचान करती हैं और सुनिश्चित करती हैं कि भोजन उन्हीं लोगों तक पहुँचे जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

वह बताती हैं, ''हम किराने का सामान वितरित नहीं करना चाहते थे, क्योंकि इनमें से कई परिवार बेघर हैं - उनके पास खाना पकाने की सुविधा नहीं है। इसलिए हमारा ध्यान तैयार, पौष्टिक भोजन पर है।''

अंधेरी में क्लाउड किचन कपिला फूड्स के साथ जांगला की साझेदारी की बदौलत, टीम रियायती दरों पर भोजन प्राप्त करती है। एक मानक भोजन, जिसमें

बाएँ से: एवेन्यू चेयर हेमांग जांगला और डीजी चेतन देसाई एक महिला को राशन किट देते हुए।

हेमांग जांगला मुंबई की एक झुग्गी बस्ती में एक बच्चे को लंच पैक देते हुए।

मुंबई के बारह रोटरी क्लब इस मिशन से जुड़ चुके हैं, और अपनी-अपनी बस्तियों में झुग्गी समुदायों को भोजन प्रदान कर रहे हैं।

चार रोटियाँ, सब्ज़ी, थोड़ा चावल और दाल शामिल होते हैं, की कीमत ₹120 है। जांगला लागत का 50 प्रतिशत प्रायोजित करता है, जबकि रोटेरियन और डोनर बाकी का भुगतान करते हैं। ₹60 में एक और अधिक किफायती विकल्प - चावल, दाल और खिचड़ी - भी उपलब्ध है, जिसे दानदाताओं द्वारा व्यापक रूप से पसंद किया जाता है, क्योंकि जांगला के योगदान के बाद इसकी लागत घटकर प्रति भोजन केवल ₹30 रह जाती है।

मुंबई भर में बारह रोटरी क्लब इस मिशन में शामिल हो गए हैं और अपने-अपने इलाकों में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले समुदायों को भोजन के पैकेट प्रायोजित कर रहे हैं। विरार में रहने वाली किंजल आस-पास के उन आश्रमों को भी सहायता प्रदान करती हैं, जो अनाथ और बेसहारा महिलाओं को आश्रय देते हैं।

लेकिन यह परियोजना केवल पके हुए भोजन तक ही सीमित नहीं है। अधिक स्थिर समुदायों के लिए, अन्नपूर्णा टीम ने पूर्वी मुंबई में वृद्धाश्रमों और अनाथालयों सहित 100 से अधिक संस्थानों को आटा, चावल, दाल, दलहन और खाना पकाने के तेल सहित 6,000 मासिक किराने के पैकेट भी उपलब्ध कराए हैं। ये किट छह महीने तक लगातार वितरित किए गए।

मैगी, ओरियो, ब्रिटानिया, हल्दीराम और नेस्ले जैसे ब्रांड भी भूख के खिलाफ इस लड़ाई में रोटरी के साथ भागीदारी कर रहे हैं। वह बताती हैं, ''हम जिला परिषद स्कूलों में जाते हैं और इन कॉरपोरेट द्वारा प्रायोजित बिस्कुट, चॉकलेट, नूडल्स और अन्य स्नैक्स वितरित करते हैं। बच्चे बहुत खुश होते हैं। हमने स्कूली छात्रों को ओट्स के पैकेट भी दिए हैं।''

₹92 लाख की लागत वाली इस परियोजना से 70,000 से ज़्यादा लोगों को लाभ मिला है, जिनमें बच्चे, बुज़ुर्ग, गर्भवती महिलाएँ और युवा छात्र शामिल हैं। किंजल मुस्कुराते हुए कहती हैं, ''आखिरकार, हम सिर्फ़ इस बात से खुश हैं कि हम कुछ भूखे लोगों का पेट भर पा रहे हैं। खाना कोई विलासिता नहीं है; यह एक बुनियादी मानव अधिकार है। जब लोगों को अच्छा खाना मिलता है, तो वे साफ़-सुथरी सोच पाते हैं, अच्छी तरह पढ़ पाते हैं, ज़्यादा मेहनत कर पाते हैं और सम्मान के साथ जी पाते हैं।''

डीजी चेतन देसाई ने टीम की सराहना की और इस कार्यक्रम को अपना समर्थन देने का वादा किया। जांगला कहते हैं, ''हमारा मिशन यहीं समाप्त नहीं होता। भूख और गरीबी के खिलाफ यह लड़ाई जारी है और इसके लिए निरंतर प्रयास और अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।'' ■

स्कूल में बच्चे, जिन्हें रोटेरियन द्वारा नाश्ते के पैकेट वितरित किए गए।

रोटरी ने जादवपुर विश्वविद्यालय में दृष्टिबाधित को दिया अत्याधुनिक पुस्तकालय का उपहार

आलोकपर्णा घोष

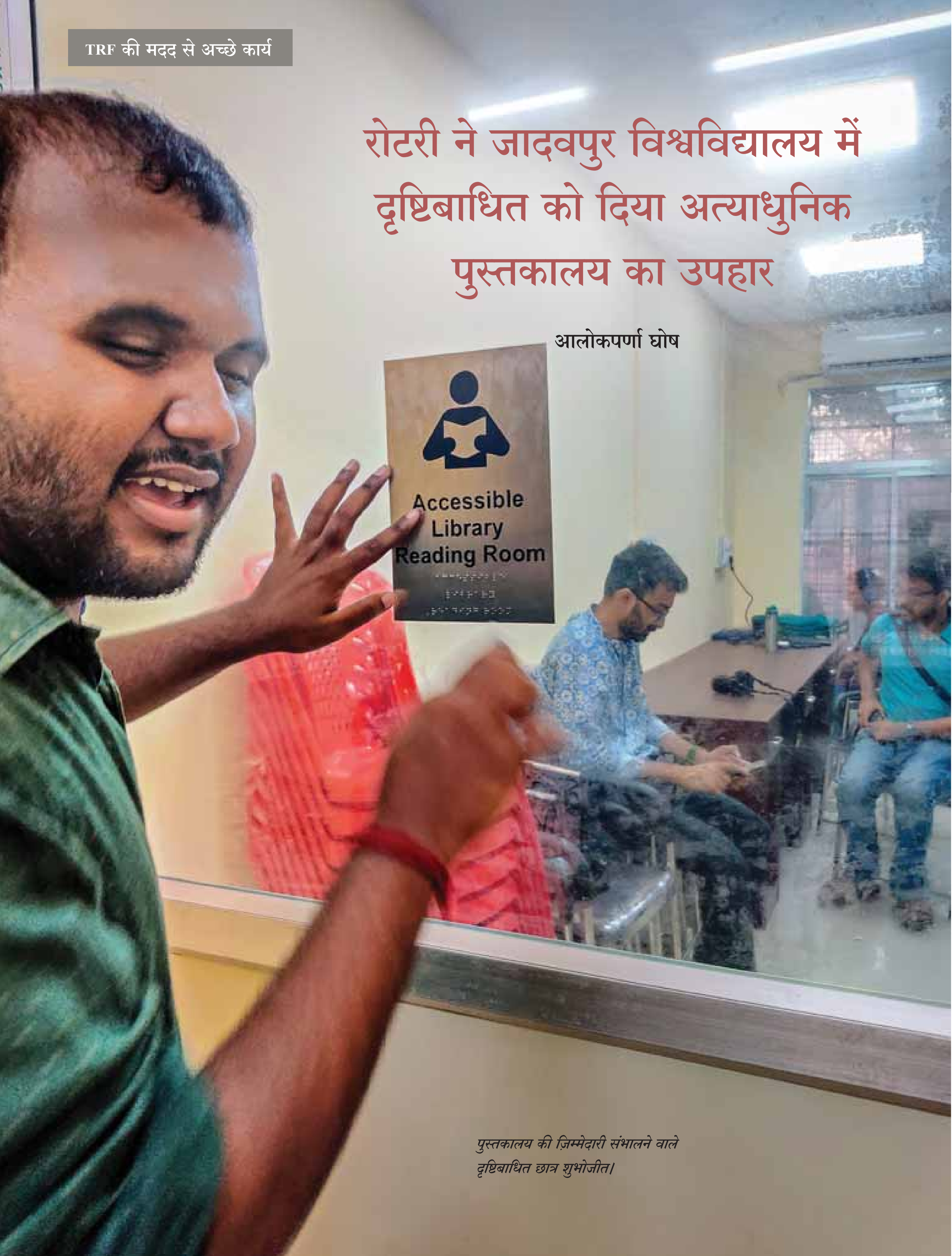

पुस्तकालय की ज़िम्मेदारी संभालने वाले दृष्टिबाधित छात्र शुभोजीत।

जब आप इस सुलभ पुस्तकालय के मुख्य कक्ष का दरवाजा खोलते हैं तो सबसे पहले जो चेहरा आपका ध्यान आकर्षित करेगा वह होगा शुभोजीत का – एक बेहद ऊर्जावान युवक जो हमेशा मुस्कुराता रहता है। आप उससे कुछ भी पूछिए और वह तुरंत सक्रिय हो जाएगा। कोलकाता के जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) के शुभोजीत, शुभोदीप, बबलू, आकाश, असिकुल और कई अन्य दृष्टिबाधित छात्रों की दुनिया में आपका स्वागत है जो यहाँ स्नातक, स्नातकोत्तर और यहाँ तक कि डॉक्टरेट स्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। इनका हर दिन अपने साथ नई चुनौतियाँ लेकर आता है लेकिन इनका उत्साह कभी भी उन संघर्षों के बोझ तले दबता नहीं है। इस विश्वविद्यालय में यह सुलभ पुस्तकालय उनके लिए दूसरा घर है – एक ऐसा स्थान जहाँ उनकी आवश्यकताओं को समझा जाता है और उनकी आवाज सुनी जाती है और जहाँ वे अपने भविष्य को आकार देने में संकाय और प्रशासन के साथ समान हितधारक होते हैं।

बाएं से: प्रोजेक्ट चेयर विष्णु धंधानिया, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर कृष्णेंदु गुप्ता, रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर अनिरुद्ध रॉय चौधुरी, डॉ रंजीत चक्रवर्ती और जादवपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति भास्कर गुप्ता।

यह सुलभ पुस्तकालय वर्ष 2018 में अस्तित्व में आया जो विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ डिसेबिलिटी भवन के भीतर स्थित था। छात्रों की अटूट दृढ़ता और शिक्षकों, रजिस्ट्रार और तत्कालीन कुलपति के सहयोग से यह पुस्तकालय जल्द ही केंद्रीय पुस्तकालय के भूतल पर एक कमरे में स्थानांतरित हो गया। लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी। कोविड महामारी के बाद के वर्षों में सरकारी सहयोग कम होता चला गया और इस पुस्तकालय के पास केवल एक पुराना ब्रेल प्रिंटर रह गया। पाठ्यपुस्तकों को ब्रेल में रूपांतरित करने की प्रक्रिया में आठ महीने तक का समय लग जाता था – जो छात्रों की तत्काल शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बहुत लंबा समय था। आवश्यक उपकरणों की भारी कमी थी – डिजिटल ब्रेल एम्बॉसर, ऑडियो बुक क्रिएटर, ट्रान्सलिटरेशन सॉफ्टवेयर या फिर एक साधारण टेक्स्ट-टू-स्पीच कनवर्टर तक उपलब्ध नहीं था। छात्र सीखने के लिए उत्साहित थे मगर व्यवस्था उनकी जरूरतों के हिसाब से नहीं हो पा रही थी।

फिर एक मोड़ आया। जेयू के प्रो वाइस चांसलर प्रोफ़ेसर अमिताभ दत्ता ने ग्लोबल जादवपुर यूनिवर्सिटी एलुमनी फाउंडेशन, यूएसए के अध्यक्ष और कॉलेज के 1961 बैच के केमिकल इंजीनियरिंग स्नातक डॉ रंजीत चक्रवर्ती से संपर्क किया। इस पहल से गहराई से प्रभावित होकर डॉ चक्रवर्ती ने अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया स्थित अपने रोटरी क्लब ऑफ डैनविले सैन रेमन को इस प्रयास में शामिल किया। उन्होंने अपने गृहनगर कोलकाता में रोटरी क्लब बेलूर से भी संपर्क किया और इस तरह एक वैश्विक अनुदान परियोजना ने आकार लेना शुरू किया।

इस साझेदारी का तेजी से विस्तार हुआ। कैलिफोर्निया के रोटरी क्लब रिचमंड एवं चिको और भारत में कलकत्ता साउथ सिटी टावर्स, चौरंगी, युविस और नॉर्थ-ईस्ट जैसे रोटरी क्लब इसमें शामिल हो गए। अमेरिका के जॉर्जिया के जेयू एलुमनी एसोसिएशन और ग्लोबल जादवपुर यूनिवर्सिटी एलुमनी फाउंडेशन ने भी इस प्रयास को समर्थन दिया। सभी ने मिलकर दृष्टिबाधित छात्रों के लिए एक आधुनिक, समावेशी स्थान तैयार करने की कल्पना की। रोटरी क्लब बेलूर से जुड़े जेयू के एक पूर्व छात्र विष्णु धंधानिया ने इस परियोजना की बागडोर संभाली और उनकी प्रतिबद्धता के चलते इस परियोजना को मात्र दो महीनों में टीआरएफ अनुमोदन और ₹38 लाख का वित्त पोषण मिल गया।

परिवर्तन की शुरुआत तब हुई जब जेयू ने इस पुस्तकालय के पास वाले एक कमरे को समर्पित वाचनालय के रूप में आवंटित किया। एक बार निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इस कमरे को वातानुकूलित करके रीडिंग टेबल और कुर्सियों से सुसज्जित किया गया – जिससे एक साथ 20 छात्र बैठ सकते है। इसके बाद आया असली परिवर्तन: अत्याधुनिक सहायक तकनीकों की स्थापना। अब इस पुस्तकालय में अंग्रेजी और हिंदी में स्पीच आउटपुट प्रदान करने वाली ब्रेल ई-मोशन डिवाइस है, रीडिट ज़ेन मैक्स स्कैनर और मैग्निफायर है जो कम दृष्टि वाले छात्रों के लिए उपयोगी है, DAISY-फॉर्मेट ऑडियोबुक प्लेयर, डॉल्फिन पब्लिशर सॉफ्टवेयर, शक्तिशाली ब्रेल एम्बॉसर और पोर्टेबल के साथ-साथ डेस्कटॉप वीडियो मैग्निफायर उपलब्ध हैं। A2 आकार के मल्टीफ़ंक्शन प्रिंटर और ट्रान्सलिटरेशन सॉफ़्टवेयर ने इस पुस्तकालय को पहले से कहीं अधिक अनुकूल और सुलभ बनाया।

पुस्तकालय के बुनियादी ढांचे में भी व्यापक सुधार किए गए। एक पुराने शौचालय खंड को एक विशाल यूनिसेक्स व्हीलचेयर अनुकूल सुलभ शौचालयों में परिवर्तित किया गया जिसमें सुरक्षा के सभी आवश्यक घटक शामिल है। पुस्तकालय और वाचनालय के प्रवेश द्वार पर रेलिंग युक्त स्पर्श संवेदनशील रैम्प लगाए गए। उच्च गुणवत्ता वाले ऑडियोबुक निर्माण के लिए तीन ध्वनिरोधी रिकॉर्डिंग रूम बनाए गए। ब्रेल साइनेज अब छात्रों को आपातकालीन निकास, शौचालयों और प्रवेश बिंदुओं तक पहुँचने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है – हर चीज़ को बड़ी ही बारीकी से डिजाइन किया गया ताकि छात्रों को सुविधा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का पूरा अनुभव मिल सकें।

लेकिन केवल तकनीक ही पर्याप्त नहीं है। स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए पुस्तकालय कर्मचारियों और

कोलकाता स्थित जादवपुर विश्वविद्यालय में एक्सेसिबल लाइब्रेरी प्रोजेक्ट की टीम।

वरिष्ठ छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गईं। अब वे जटिल उपकरणों का संचालन करना, अपने साथियों की डिजिटल संसाधनों तक पहुँचने में मदद करना और न्यूनतम बाहरी सहायता के साथ पुस्तकालय सेवाओं का प्रबंधन करना जानते है।

21 जनवरी, 2025 को प्रारंभिक कार्यान्वयन बैठक के बाद इस सपने को साकार होने में केवल तीन महीने लगे। इस उन्नत पुस्तकालय का उद्घाटन 2 मई, 2025 को किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर रो ई निदेशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी, डीजी कृष्णेंदु गुप्ता, जेयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर भास्कर गुप्ता, जेयू के संकाय सदस्य, पूर्व छात्र और रोटेरियन मौजूद थे। डॉ रंजीत चक्रवर्ती स्वयं इस परिवर्तन को साक्षात देखने के लिए कैलिफोर्निया से यहाँ आए। जैसे ही एक छात्र बबलू की बांसुरी से सत्यजीत रे की *अपुर शोंगशार* की मधुर और मन को छू जाने वाली धुन हवा में गूंजने लगी वैसे ही फीता काटा गया और इस उन्नत पुस्तकालय का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया गया - यह एक शांत विजय, गरिमा और साझा उम्मीदों का क्षण था।

रोटरी इंटरनेशनल निदेशक अनिरुद्धा रॉय चौधुरी और रोटरी क्लब बेलूर के पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रवि सहगल, पुस्तकालय में छात्रों से बातचीत करते हुए।

इस परियोजना को वास्तव में अद्वितीय बनाता है इसका समावेशी स्वरूप। छात्र सिर्फ लाभार्थी नहीं थे बल्कि सह-निर्माता भी थे। उनके अनुभवों ने निर्णयों को आकार दिया और उनके सपनों ने दिशा प्रदान की। यह पूर्वी भारत में अपनी तरह की पहली सुविधा है और यह केवल जेयू के छात्रों तक ही सीमित नहीं है। इस विश्वविद्यालय के दरवाजे बाहर के दृष्टिबाधित छात्रों के लिए भी खुले हैं।

बेशक, अभी सभी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। फिलहाल यह पुस्तकालय मुख्य रूप से कला संकाय के छात्रों को सेवा प्रदान करता है। तकनीकी शिक्षा का क्या? इंजीनियरिंग का क्या? सपना अब भी अधूरा है। लेकिन सपनों को सींचा जाए तो वे बढ़ते हैं और यह परियोजना सिर्फ एक शुरुआत है। जैसा कि रो ई निदेशक रॉय चौधरी ने उपयुक्त रूप से कहा, ''अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है - अधिक उपकरण लाने है, अधिक सुविधाएं देनी है - हम और अधिक करना चाहते है।'' यह वास्तव में एक ऐसा उद्देश्य है जो उन लोगों के साथ दान, क्रिया और सह सपने देखने की भावना को जाग्रत करता है जो भले ही देख नहीं सकते मगर हमसे अधिक स्पष्ट रूप से कल्पना कर सकते हैं। तो आइए हम सब मिलकर इस दृष्टिकोण को और विस्तारित करें - शिक्षा के सार्वभौमिक अधिकार की रक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पीछे न छूटे।

लेखक एक्सेसिबल लाइब्रेरी ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट के परियोजना प्रबंधक हैं

ADVT.

रोटरी में राजनीति से ऊपर उठें

आइए हम समर्थन करें और रक्षा करें

रोटरी के सच्चे सिद्धांतों की।

राजनीति हमें बांटती है,
सेवा हमें एकजुट करती है।

मायने आपकी क्षमता रखती है,
ना कि कोई राजनीतिक समर्थन।

बाहरी प्रभाव से प्रभावित न हों,
अपने क्लब सदस्यों की सुनें।

राजनीतिक गुटों से दूर रहें,
क्लब सदस्यों के बीच एकता की दिशा में काम करें।

एकता हटी,
रोटरी झुकी...

जब हम एकजुट होते हैं,
रोटरी और भी मज़बूत बनती है...

रोटेरियन ए के एस डॉ के श्रीनिवासन
रोटरी क्लब ऑफ तिरुचिरापल्ली और
इरोड सेंट्रल, ज़ोन - 5.

एक छत अनेक सेवाएँ

जयश्री

रोटरी क्लब कोल्हापुर, रो ई मंडल 3170, रोटरी समाज सेवा केंद्र का संचालन करता है। क्लब के सचिव साहिल गांधी कहते हैं, ''यह संभवतः हमारे शहर का एकमात्र संस्थान है जो गरीबों और दिव्यांगों को एक ही छत के नीचे कई प्रकार की सेवाएं प्रदान करता है।''

कलेक्टर ऑफिस रोड पर स्थि यह पांच मंजिला यह केंद्र 1969 से समुदाय की सेवा कर रहा है। 24,000 वर्ग फुट में फैले इस केंद्र में कई सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें एक फिज़ियोथेरेपी केंद्र, हाइड्रोथेरेपी केंद्र, स्ट्रोक पुनर्वास इकाई, श्रवण और वाक् विकलांग बच्चों के लिए एक प्रीस्कूल, वाक् एवं श्रवण केंद्र और एक रक्त बैंक शामिल हैं।

गांधी कहते हैं, ''केंद्र मूल रूप से हमारे सदस्यों के योगदान से स्थापित किया गया था और अब भी हमारे अपने फंड से काम कर रहा है।'' 2021 में इसका पुनर्निर्माण किया गया, और तब से पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी, शेखर मेहता, टीआरएफ ट्रस्टी भरत पांड्या और रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉयचौधरी जैसे रो ई के वरिष्ठ नेता यहां का दौरा कर चुके हैं।

ग्राउंड फ्लोर पर पार्किंग एरिया बच्चों के लिए जूडो ट्रेनिंग सेंटर के रूप में भी उपयोग किया जाता है। हर शाम लगभग 40 बच्चे यहां कक्षाओं में भाग लेते हैं, जिनमें से कई ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त किए हैं। यहां एक 'वॉल ऑफ काइंडनेस' अलमारी भी है, जिसमें साफ-सुथरे, दान किए गए कपड़े और कंबल रखे जाते हैं, जिन्हें नियमित रूप से झुग्गी-झोपड़ियों और सड़क पर रहने वालों में बांटा जाता है। 2023 में, सुरक्षित निपटान प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए एक ई-कचरा संग्रह बिन स्थापित किया गया। पुराने कंप्यूटर, स्विच, लैपटॉप, मदरबोर्ड और मोबाइल फोन सहित 100 किलोग्राम से अधिक इलेक्ट्रॉनिक कचरा हर महीने एकत्र

ऊपर: लाभार्थी हाइड्रोथेरेपी केंद्र में तापमान-नियंत्रित जलकुंड में उपचार प्राप्त करते हुए।

दाएँ: केन्द्र में की श्रवण और वाणी क्षमताओं की जांच।

विद्यार्थियों के लिए जूडो का प्रशिक्षण।

केंद्र में रोटरी फिज़ियोथेरेपी केंद्र।

किया जाता है और उचित रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाता है।

पहली मंजिल पर स्थित रोटरी फिज़ियोथेरेपी सेंटर आधुनिक चिकित्सीय उपकरणों से सुसज्जित है। यहां पोलियो, सेरेब्रल पाल्सी और विलंबित माइलस्टोन वाले बच्चों के लिए खेल-आधारित गतिविधियों और व्यायामों से जुड़े थेरेपी सत्र प्रदान किए जाते हैं। योग्य फिजियोथेरेपिस्ट और सहायकों की एक टीम व्यक्तिगत देखभाल सुनिश्चित करती है। औसतन, हर महीने 200 नए रोगियों का मूल्यांकन किया जाता है, और लगभग 2,500 रोगी विभिन्न उपचारों से गुजरते हैं। शुल्क बहुत किफायती हैं, और जो भुगतान नहीं कर सकते हैं उन्हें मुफ्त उपचार दिया जाता है। वॉकर, कमोड चेयर, व्हीलचेयर, एयर बेड, फाउलर बेड और बैसाखी जैसे सहायक उपकरण भी न्यूनतम किराये की लागत पर प्रदान किए जाते हैं।

2021 में स्थापित रोटरी हाइड्रोथेरेपी सेंटर में तापमान-नियंत्रित पूल की सुविधा उपलब्ध है, जहां आर्थोपेडिक, न्यूरोलॉजिकल और खेल संबंधी चोटों के लिए पानी के नीचे साइकिल और ट्रेडमिल का उपयोग करके थेरेपी दी जाती है। दर्द से राहत और आराम के लिए वाटरफॉल थेरेपी भी दी जाती है। गांधी कहते हैं, ''हम उच्चतम स्वच्छता मानकों का पालन करते हैं। हर महीने बच्चों सहित लगभग 80 लोग इस सुविधा का लाभ उठाते हैं।''

राजर्षि शाहू ब्लड बैंक, जिसे 1975 से क्लब द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है और जो दूसरी मंजिल पर स्थित है, एकल दाता प्लेटलेट संग्रह के लिए एफेरेसिस यूनिट से सुसज्जित है। गांधी बताते हैं, ''हम शिविरों के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 12,000 यूनिट रक्त एकत्र करते हैं। हाल ही में, हमने सबसे उन्नत NAT परीक्षण तकनीक शुरू की है, और कैंसर रोगियों की सहायता के लिए स्टेम सेल और ग्रैनुलोसाइट हार्वेस्टिंग शुरू की है।''

पार्किंसंस रोग और मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी, मुंबई के सहयोग से नौ साल पहले स्थापित पार्किंसंस पुनर्वास केंद्र, शहर का अपनी तरह का पहला केंद्र था। यह केंद्र फिज़ियोथेरेपी, भाषण और संज्ञानात्मक चिकित्सा, जापानी चिकित्सा, परामर्श, योग और आहार मार्गदर्शन प्रदान करता है। साथ ही, एक न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा मासिक परामर्श शिविर आयोजित भी किया जाता है।

कोविड के बाद मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के जवाब में, क्लब ने मानसिक स्वास्थ्य सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए 2021 में प्रेरणा परामर्श केंद्र की स्थापना की।

चौथी मंजिल पर स्थित रोटरी स्पीच एंड हियरिंग सेंटर में श्रवण बाधित बच्चों के लिए उन्नत नैदानिक परीक्षण किए जाते हैं। श्रवण यंत्र और कान के उपकरण नाममात्र दरों पर उपलब्ध कराए जाते हैं। वयस्कों के लिए आयोजित वार्षिक स्क्रीनिंग शिविरों के माध्यम से श्रवण विकारों की पहचान की जाती है, और रियायती दरों पर सुधारात्मक उपचार प्रदान किए जाते हैं।

पांचवीं मंजिल पर स्थित वर्टिगो सेंटर है, जो कोल्हापुर में इस प्रकार की एकमात्र सुविधा है। गांधी गर्व से कहते हैं, ''हाल ही में स्थापित वीडियो निस्टाग्मोग्राफी (वीएनजी) प्रणाली के माध्यम से हर महीने कम से कम पांच लोगों का मूल्यांकन किया जाता है।'' उन्होंने यह भी कहा कि यह 56 वर्ष पुराना केंद्र अब अपनी प्रतिबद्धता और सेवा के लिए जाना जाने वाला एक अत्यंत लोकप्रिय संस्थान बन गया है। ■

Apply yourself

As part of the family of Rotary, members are invited to lend their professional expertise on committees that support Rotary and TRF. Each year, those committees focus on putting Rotary's strategic priorities into action, challenging clubs to increase their impact, expand their reach and enhance participant engagement.

Would you like to contribute to Rotary's success?

RI and the Foundation are searching for qualified Rotarians and Rotaractors to serve on a committee in the 2026–27 Rotary year. These positions offer an opportunity for you to apply your leadership skills, share your vocational experience, and help ensure diverse perspectives within each committee.

Rotarians and Rotaractors with expertise in the areas detailed here are welcome to apply. The number of openings is limited. If you're not selected, you can apply next year. All committees correspond through email and on virtual platforms, typically with one mandatory in-person meeting a year. Rotaractors are encouraged to apply for any field of expertise based on their background, skills and experience. Dual members are especially welcome to apply.

To be considered for committee membership or to recommend a Rotarian or Rotaractor for an appointment, visit o**n.rotary.org/application2025**. Applicants must be registered on *My Rotary* at **my.rotary.org** and should make sure their My Rotary profile includes current contact information. Applications are due **August 15**.

Committee openings

Area of Expertise	Function	Prerequisites	Openings
Audit	Advises leadership on audited financial reports, internal and external audits, and internal control systems	Independence, appropriate business experience, and demonstrated financial literacy in accounting, auditing, banking, insurance, investment, risk management, executive management, or audit governance	**One position** with a four-year term
Communications	Advises leadership on Rotary's overall public image, branding, communications, content strategy, and approach	Professional background and experience in internal and external communications, marketing, public image, brand, public relations, media, and content strategy	**Three positions** with three-year terms
Finance	Advises the RI Board on Rotary's finances, including budgets and sustainability measures	Professional background in a finance-related field, with nonprofit experience preferred. Candidates should have experience in financial matters at the club and district levels.	**Two positions** with three-year terms
Fund Development	Advises The Rotary Foundation Trustees on all aspects of fundraising	Significant experience in nonprofit fundraising. Committee members actively fundraise and support the Foundation.	**Two positions** with three-year terms
Investment	Oversees the management of Rotary's investments. Makes policy recommendations to the boards of governance.	Institutional investment experience or equivalent	**One position** with a four-year term

Area of Expertise	Function	Prerequisites	Openings & Commitment
Learning	Advises leadership on creating effective learning opportunities for Rotary leaders and members	Adult learning expertise within or outside Rotary. Experience in the professional learning field (including e-learning) or with planning and implementing learning events at the member, club, district, zone, and international levels.	**Three positions** with three-year terms
Operations Review	Advises leadership on the effectiveness of operations, administrative procedures, and standards of conduct. Serves as the advisory compensation committee to the Executive Committee of the RI Board.	Experience in management, leadership development, or financial management, and thorough knowledge of Rotary's operations. Appointments are limited to past RI directors and past Foundation trustees.	**One position** with a six-year term
Strategic Planning	Advises leadership on matters regarding the strategic plan	Significant experience in long-term planning, financial management, and RI and Foundation programme activities	**Two positions** with four-year terms
Technology	Advises leadership on enhancing technology practices, products, and strategy to improve the member and participant experience	Expertise in technology development, security and data privacy, product management, and user/participant experience. Non-Rotarian technology experts may be appointed.	**Two to three positions** with three-year terms

क्या आपने रोटरी न्यूज़ प्लस पढ़ा है?

या यह आपके जंक फोल्डर में जा रही है?

हर महीने हम आपकी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए ऑनलाइन प्रकाशन *रोटरी न्यूज़ प्लस* निकालते हैं। यह महीने के मध्य तक प्रत्येक सदस्यता लेने वाले सदस्य को भेजा जाता है जिनकी ईमेल आईडी हमारे पास है। हमारी वेबसाइट *www.rotarynewsonline.org* पर *रोटरी न्यूज़ प्लस* पढ़ें। हमें शिकायतें मिली हैं कि सभी ग्राहकों को हर महीने *रोटरी न्यूज़ प्लस* का ई-संस्करण नहीं मिल रहा है।

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक वर्ष में ₹4.5 करोड़ की 320 परियोजनाएं

वी मुत्तुकुमारन

बीते रोटरी वर्ष 2024-25 पर संतोष व्यक्त करते हुए, रोटरी क्लब बॉम्बे बे व्यू, रो ई मंडल 3141 की निवर्तमान अध्यक्ष, रजनी बरासिया गर्व के साथ कहती हैं, हमने इस वर्ष के दौरान रोटरी के सभी सात फोकस क्षेत्रों में लगभग ₹4.5 करोड़ की लागत से 320 परियोजनाएं और पहल पूरी की हैं, जिससे एक लाख से अधिक लोगों के जीवन को लाभ पहुंचा है।

यह सराहनीय है कि क्लब के लाभार्थी पूरे भारत में फैले हुए हैं - कश्मीर, कर्नाटक, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, दिल्ली और पूरे महाराष्ट्र में। जून माह में, क्लब के सदस्यों ने मिजोरम, लेह (लद्दाख), कारगिल (कश्मीर) और दार्जिलिंग में 800 बेघर बच्चों को ₹8 लाख में सर्दियों की जैकेट वितरित की। रजनी कहती हैं, ''ये हाल ही में बनाए गए विशेष जैकेट हैं जिन्हें रात में स्लीपिंग बैग के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।'' अप्रैल-मई में, नांदेड़ मंडल के किनवट गांव और अमरावती मंडल के मेलघाट गांव के ग्रामीण अस्पतालों को दो एम्बुलेंस दान की गईं, जिनकी कुल लागत ₹43 लाख थी, जिसे सी एस आर अनुदान और सदस्यों के योगदान से वित्त पोषित किया गया था।

किनवट में, साने गुरुजी रुग्णालय के एक डॉक्टर दान की गई एम्बुलेंस की देखरेख करते हैं, जबकि मेलघाट के लिए, महान ट्रस्ट अस्पताल के डॉ. आशीष सातव को क्लब की ओर से एक 20-सीटर बस-कम-एम्बुलेंस मिली है। अपने गांव में इस टू-इन-वन मेडिकल बस से लौटते हुए, डॉ. सातव ने रजनी को फोन करके कहा, आपको अंदाज़ा नहीं है कि ''आपके क्लब ने हमारे दूरदराज के गांवों में आदिवासियों के लिए क्या किया है। जिनके पास चिकित्सा देखभाल तक पहुंच नहीं है, अब, उन्हें विभिन्न बीमारियों के समय पर इलाज के लिए मेलघाट में अपने निकटतम अस्पताल तक पहुंचने के लिए

दहानू तालुका के अंबेसरी गाँव में क्लब द्वारा बनाए गए कुएँ से पानी भरती एक महिला।

ऊपरः अमरावती के पास मेलघाट में महान ट्रस्ट अस्पताल द्वारा उपयोग में लाई जा रही एम्बुलेंस-कम-बस में दूरदराज़ गांवों की महिला मरीजें।

नीचेः रोटरी क्लब बॉम्बे बे व्यू की अध्यक्ष रजनी बरासिया (बैठी हुई, बाएँ से तीसरी) और सचिव रैखी मेहता (खड़ी हुई, बीच में), क्लब सदस्यों के साथ, साने गुरुजी अस्पताल, किनवट को एम्बुलेंस सौंपते हुए।

पहिए मिल गए हैं। इस अद्भुत उपहार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।'' ये दोनों चैरिटी अस्पताल मुफ्त निदान और उपचार की सुविधाएँ प्रदान करते हैं।

क्लब की चिकित्सा परियोजनाओं का एक प्रमुख आकर्षण कामा और एल्ब्लेस अस्पताल, फोर्ट मुंबई में 30 बिस्तरों वाले प्रसवोत्तर वार्ड और उसके ऑपरेशन थियेटर का नवीनीकरण है, जो महिलाओं और बच्चों की देखभाल के लिए एक विशेष केंद्र है। क्लब सचिव रैकी मेहता कहते हैं, ''सदस्यों द्वारा एकत्रित ₹40 लाख की लागत से किए गए वार्ड और ओटी नवीनीकरण से हर साल 5,000 गर्भवती महिलाओं को लाभ होगा।'' बीएमसी आई हॉस्पिटल को (₹23.6 लाख मूल्य की) फेको मशीन दान की गई है। यह हाई-टेक उपकरण अस्पताल को वंचित मरीजों के लिए हजारों जटिल सर्जरी करने में सक्षम बनाएगा, जिससे उनकी दृष्टि बहाल की जा सकेगी।

मानसिक स्वास्थ्य शिविर

एक बड़े आउटरीच कार्यक्रम के तहत, क्लब ने छात्रों, शिक्षकों, विशेष बच्चों के माता-पिता और पुलिसकर्मियों सहित 5,000 प्रतिभागियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण शिविरों तथा जागरूकता सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की। रजनी बताती हैं, ''विशेषज्ञ पार्षदों ने मुंबई और उसके आसपास के सरकारी स्कूलों में आयोजित व्यसन निवारण, मासिक धर्म स्वच्छता, अच्छे स्पर्श-बुरे स्पर्श और स्वस्थ जीवनशैली पर कई सत्रों का मार्गदर्शन किया।'' ऐसे ही एक शिविर के दौरान, एक विशेष बच्चे के पिता ने रैकी से अपने क्लब से अनुरोध किया कि ऐसे और भी आयोजन किए जाएं, क्योंकि इन सत्रों के माध्यम से हम सीखते हैं कि

अपने स्वास्थ्य का ध्यान कैसे रखें, साथ ही हम अपने विशेष बच्चों के भलाई का भी ख्याल रख सकें। सत्रों में इस बात पर भी ध्यान केंद्रित किया गया कि बच्चे में होने वाली मानसिक बीमारियों के शुरुआती लक्षणों को कैसे पहचाना जाए। कल्याण सत्र रोटरी क्लब एडिक्शन प्रिवेंशन 3141 के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किए गए थे।

रो ई मंडल 3141 के *प्रोजेक्ट आंगनवाड़ी* पहल के तहत, बे व्यू रोटेरियन ने मुंबई के पास विक्रमगढ़ और तलासरी तालुकों में 10 एकीकृत चाइल्डकेयर केंद्रों (₹12 लाख) का जीर्णोद्धार किया, जिससे हर साल कम से कम 300 बच्चों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा, 35 मंडल परिषद और निजी ट्रस्ट स्कूलों (कक्षा 1-10 के लिए) में स्मार्ट टीवी के सुसज्जित ई-लर्निंग क्लासरूम स्थापित किए गए; और हैप्पी स्कूल पहल के तहत, ₹40 लाख की कुल लागत से 22 सरकारी और ट्रस्ट स्कूलों में खेल उपकरण भी प्रदान किए गए। रजनी कहती हैं, ''हमारे स्मार्ट क्लासरूम और खेल उपकरण से 10,000 से अधिक छात्रों को लाभान्वित करेंगे, और हमने स्मार्ट क्लास स्थापित करने के लिए कर्नाटक सीमा पर एक दूरदराज के स्कूल से भी संपर्क किया।''

राजस्थान के पाली मंडल में पीने के पानी में फ्लोराइड की अधिकता और हीमोग्लोबिन की कमी के कारण बच्चों का विकास रुक गया है, यह पता चलने के बाद, ''हमने 21 सरकारी स्कूलों में आरओ फिल्टर यूनिट (₹15 लाख) स्थापित किए, और अब लगभग 8,000 छात्रों को स्वच्छ पेयजल मिल सकता है।'' अंबेसरी गांव (दहानू तालुक) और कासपाड़ा गांव (विक्रमगढ़ तालुक) के लगभग 200 आदिवासी परिवार अब सी एस आर फंड के माध्यम से बनाए गए दो कुओं (₹11 लाख) की मदद से 'आराम से सांस ले रहे हैं।' रैकी मुस्कराते हुए बताते हैं, हमारे हस्तक्षेप से पहले, ''वहां की महिलाओं को पानी लाने के लिए 4 किलोमीटर से अधिक की यात्रा करनी पड़ती थी। अब यह प्रथा इतिहास बन चुकी है, क्योंकि उन्हें पानी उनके अपने गांव में ही उपलब्ध हो गया है।''

हर सेवा प्रोजेक्ट हमारे अपने बच्चे की तरह होता है। हम इसे उत्साह के साथ गढ़ते हैं और पूरे जोश के साथ अपने कार्यों को अंजाम देते हैं।

रजनी बरासिया
क्लब अध्यक्ष

वह रोटेरियन के लिए एक खुशी का पल याद करती हैं जब कास्पाडा की एक महिला उनके पास आभार व्यक्त करने आई और कहा, अब हमें अपने बच्चों के साथ बिताने के लिए बहुत समय मिलता है। ''चूंकि हम पास के कुएं से पानी भरते हैं, इसलिए हम अपनी ऊर्जा बचाते हैं, जिसे हम अपने परिवारों की देखभाल करने के लिए दूसरे उपयोगी कामों में लगा देते हैं।'' ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सी एस आर फंडिंग के माध्यम से दहानू के वंकास गांव के मंडल परिषद स्कूल में एक बोरवेल (₹4 लाख) के साथ वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की गई।

विभिन्न व्यवसायों से जुड़े 155 रोटेरियनों वाले इस 23-साल-पुराने क्लब के सदस्यों के लिए ''हर सेवा परियोजना हमारे अपने बच्चे की तरह है। हम इसे उत्साह के साथ सोचते हैं और अपने कामों को पूरे जोश के साथ करते हैं,'' रजनी कहती हैं। ■

मुंबई के पास दहानू तालुका के एक जिला परिषद स्कूल में मानसिक स्वास्थ्य कार्यशाला।

मंडल टीआरएफ योगदान

मई 2025 तक

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र और विश्व कोष शामिल हैं।
पोलियोप्लस में बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन शामिल नहीं है।

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

(अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या	एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
2981	70,304	28,127	35,104	7,127	140,661
2982	66,253	24,983	13,444	235,645	340,326
3000	76,540	25,213	1,000	372,876	475,629
3011	139,805	7,509	78,480	1,980,006	2,205,800
3012	68,044	1,097	1,500	1,133,307	1,203,948
3020	125,806	85,692	122,103	151,382	484,983
3030	96,030	7,746	34,056	317,364	455,196
3040	12,298	440	18,071	89,183	119,992
3053	117,465	2,951	0	83,524	203,940
3055	72,460	4,497	2,071	68,208	147,237
3056	32,848	2,356	60	133	35,397
3060	258,055	6,788	72,039	869,619	1,206,500
3070	35,930	1,713	0	0	37,642
3080	46,519	10,457	17,384	114,456	188,816
3090	24,631	109	24,076	88,778	137,593
3100	34,651	5,705	0	55,133	95,488
3110	31,080	2,394	27,711	447,749	508,934
3120	80,455	1,211	25,164	65,312	172,141
3131	676,465	22,825	142,420	1,631,814	2,473,525
3132	102,962	2,789	23,349	89,365	218,465
3141	640,533	45,100	321,670	3,462,126	4,469,430
3142	552,008	60,160	60,175	639,326	1,311,668
3150	194,980	31,909	155,380	1,014,280	1,396,549
3160	27,560	3,464	1,000	5,787	37,810
3170	80,128	23,939	146,042	569,852	819,961
3181	208,219	17,369	371	0	225,959
3182	121,902	4,329	12	29,270	155,512
3191	97,447	8,532	158	473,381	579,519
3192	179,442	12,526	23,652	347,918	563,538
3201	208,717	50,253	38,180	845,754	1,142,904
3203	55,277	14,523	18,093	171,675	259,568
3204	61,772	17,552	57,083	27,817	164,223
3211	46,687	4,884	0	65,803	117,374
3212	322,511	59,739	135,493	212,483	730,226
3231	19,238	10,277	105,704	46,768	181,987
3233	147,557	26,676	16,429	479,224	669,885
3234	139,049	32,065	100,746	1,066,483	1,338,344
3240	240,539	32,963	50,000	208,938	532,440
3250	178,054	13,137	74,684	259,829	525,704
3261	54,412	854	8,335	35,176	98,776
3262	96,508	4,085	2,313	22,526	125,431
3291	189,740	14,780	205,835	288,306	698,661
3220 Sri Lanka	84,849	6,090	32,056	205,955	328,950
3271 Pakistan	10,053	50,036	0	12,500	72,589
63 (former 3272)*	9,383	2,808	0	100	12,291
64 (former 3281)*	10,731	3,074	1,000	1,050	15,854
65 (former 3282)*	3,464	1,251	0	0	4,716
3292	116,284	34,223	90,026	160,976	401,509

* Undistricted

रोटरी क्लब कुंडली द्वारा कैंसर जांच कार्यशाला

ऊपरः क्लब अध्यक्ष शर्मा डीजीएनडी रवि बाली (बीच में) और अन्य सदस्यों के साथ शासकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नांगल में साइकिल वितरण के दौरान।

टीम रोटरी न्यूज़

महिलाओं को समय रहते जांच करवाने की आवश्यकता के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से, रोटरी क्लब कुंडली, रो ई मंडल 3012 ने एस आर एम यू एच के रोटरेक्ट क्लब के साथ मिलकर स्तन कैंसर पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की। विभिन्न क्षेत्रों से 50 से अधिक प्रतिभागियों को स्व-जांच द्वारा लक्षणों का की शीघ्र पहचान के बारे में जानकारी दी गई।

जागरूकता कार्यशाला में महिलाओं को स्तन कैंसर और अन्य प्रकार के कैंसर के शुरुआती लक्षणों के बारे में जानकारी दी गई, इस तरह उन्हें किसी भी असामान्य लक्षण के दिखने पर समय पर चिकित्सा सहायता लेने के लिए सशक्त बनाया गया, निवर्तमान क्लब अध्यक्ष शिखर शर्मा ने कहा। डॉक्टरों ने जीवनशैली कारकों, आनुवंशिक प्रवृत्ति और उम्र से जुड़े जोखिमों के बारे में बताया, जो शरीर में कैंसर के विकास को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मैमोग्राम और नैदानिक जांच के महत्व पर जोर दिया गया और महिलाओं से आग्रह किया

रोटरी क्लब कुंडली के अध्यक्ष शिखर शर्मा (बाएं से तीसरे), क्लब सदस्यों वेद प्रकाश और परविंदर सिदाना तथा संसाधन व्यक्तियों के साथ कैंसर जागरूकता कार्यशाला में।

इससे पहले, क्लब ने शासकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नांगल में शौचालय ब्लॉक बनाए थे, हैंडवॉश स्टेशन और पेयजल बूथ भी स्थापित किए थे।

गया कि वे शुरुआती पहचान के लिए नियमित जांच करवाएं।

शंकाओं के समाधान के लिए सामुदायिक सहायता की एक टीम बनाई गई, और महिलाओं को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी स्वयं उठाने के लिए प्रेरित किया गया। सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला के आयोजन के लिए क्लब को धन्यवाद किया, जिससे उन्हें कुछ सरल तकनीकों के माध्यम से स्तन कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों को पहचानने में मदद मिली।

रो ई मंडल 3012 के डीजी प्रशांत राज शर्मा ने सोनीपत मंडल के रसोई स्कूल परिसर में दो आंगनवाड़ियों का उद्घाटन किया, जिन्हें क्लब द्वारा पुनर्निर्मित किया गया था। शिखर शर्मा ने कहा, ''इन केंद्रों की हालत बेहद खराब थी और गर्मियों के दौरान बच्चों के लिए वहां रहना कठिन हो गया था। हमने एक नए, सकारात्मक माहौल की शुरुआत की, जिसने बच्चों के चेहरों पर मुस्कान ला दी। हमने उन सभी बच्चों को स्टेशनरी किट वितरित की।'' आंगनवाड़ियाँ मातृ देखभाल केंद्र के रूप में भी काम करती हैं।

हरियाणा के भिवानी तालुका के नांगल स्थित राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 20 छात्राओं को साइकिलें दान की गईं, जिसमें डीजीएन रवि बाली मुख्य अतिथि थे। क्लब ने पहले भी इस विद्यालय में शौचालय ब्लॉक बनवाए थे, साथ ही हैंडवाश स्टेशन और पेयजल बूथ स्थापित किए गए थे। पिछले काम को याद करते हुए विद्यालय के अधिकारियों ने विद्यालय में स्वच्छता और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए क्लब के निरंतर प्रयासों के लिए क्लब को धन्यवाद दिया। आभार व्यक्त करने के लिए छात्रों ने रोटेरियन के लिए समृद्ध हरियाणवी संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

सोनीपत के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अटेरना में डीजी शर्मा की मौजूदगी में 650 छात्रों को टी-शर्ट वितरित की गईं, जिन्होंने कई शैक्षिक परियोजनाओं शुरू करने के लिए क्लब की सराहना की। अपने संबोधन में क्लब के अध्यक्ष शिखर शर्मा ने छात्रों को ''प्रतियोगिताओं में भाग लेकर भविष्य की तैयारी करने'' की सलाह दी।

रक्तदान शिविर में 150 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया गया और समय की कमी के कारण जो स्वयंसेवक रक्तदान नहीं कर पाए, उन्होंने क्लब से जल्द ही ऐसा ही एक शिविर आयोजित करने का अनुरोध किया। क्लब ने इस आयोजन को मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया के लिए सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। ■

***बाएँ से:** वासु, क्लब अध्यक्ष शर्मा, जे के सेठ, के एस शर्मा और डॉ शक्ति अहलावत शासकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अतेरना में छात्रों को टी-शर्ट वितरित करते हुए।*

परिवर्तन की शक्ति

सरिगाम में एक मेगा चिकित्सा शिविर

रोटरी क्लब सरीगाम, रो ई मंडल 3060 द्वारा एन आर अग्रवाल रोटरी अस्पताल में आयोजित एक मेगा मेडिकल कैंप में लगभग 540 रोगियों की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की गई। प्रयोगशाला परीक्षणों और परामर्श के बाद ₹2.25 लाख की दवाइयाँ वितरित की गईं।

विभिन्न क्षेत्रों में सर्जरी के लिए 81 लोगों को चुना गया। पीडीजी बाल इनामदार ने कहा, कुछ सर्जरी शुरू हो गई हैं और बाकी एक महीने के भीतर पूरी हो जाएंगी, जिनकी कुल लागत ₹9 लाख है। पिछले 20 वर्षों से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस चिकित्सा शिविर को नर्सिंग कॉलेज, एक एनजीओ के स्वयंसेवकों, तथा मैक्सिको की आरएफई टीम, रो ई मंडल 4195 का समर्थन प्राप्त हुआ। ■

चिकित्सा शिविर में रोगियों की जांच।

सूरत के अस्पताल में नई सुविधा

रोटरी क्लब सूरत, रो ई मंडल 3060 द्वारा, रोटरी क्लब एमोरी-डुइड हिल्स, रो ई मंडल 6900, यू एस, रोटरी क्लब सिंगापुर, रो ई मंडल 3310 के साथ साझेदारी में जीजी परियोजना के माध्यम से शेठ पी टी सूरत जनरल अस्पताल में एक गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी केंद्र की स्थापना की गई।

यह सुविधा एक ऐसे अस्पताल को आधुनिक निदान प्रदान करती है, जो हर साल हज़ारों कम आय वाले रोगियों की सेवा करता है। यह सब तब शुरू हुआ जब अस्पताल ने पिछले साल अप्रैल में वंचितों के लिए एक चिकित्सा शिविर आयोजित करने के लिए क्लब के साथ साझेदारी की। ■

रो ई मंडल 3060 के डीजी तुषार मेहता (बाएं से चौथे) और रोटरी क्लब सूरत के अध्यक्ष जय मिस्त्री (दाएं से पांचवें), क्लब के सदस्यों के साथ, नए गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी केंद्र में।

पुणे अस्पताल में शिशु देखभाल इकाई

डीजी शीतल शाह, रो ई मंडल 3131 ने के ई एम अस्पताल में एक्यूट चाइल्ड केयर यूनिट (एसीसीयू) का उद्घाटन किया, जो रोटरी क्लब पुणे प्राइड और पुणे साउथ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया एक जीजी प्रोजेक्ट है। रोटरी क्लब क्यूपर्टिनो, लॉस अल्टोस, दोनों रो ई मंडल 5170, यूएस से हैं; और रोटरी क्लब चार्लोट हॉल, रो ई मंडल 7620, यूएस, वैश्विक भागीदार हैं।

यह चिकित्सा सुविधा शिशु आ ई सी यू से नवजात शिशुओं को संक्रमण से बचाने में मदद करेगी, लेकिन इसके लिए निरंतर निगरानी की आवश्यकता होगी। के ई एम अस्पताल के निदेशक डॉ आशीष बावडेकर ने कहा कि ए सी सी यू उन बच्चों की देखभाल करेगा जो गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं, लेकिन जिन्हें आ ई सी यू स्तर की देखभाल की आवश्यकता नहीं है। यह मॉनिटर और एक एकीकृत दवा वितरण प्रणाली के साथ पांच बहुक्रियाशील बिस्तरों से सुसज्जित है। ■

रो ई मंडल 3131 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर शीतल शाह (बाएँ से पाँचवे) पुणे के के ई एम अस्पताल में ए सी सी यू के उद्घाटन के अवसर पर।

लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण

रो ई मंडल 3262 के क्लबों ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिनका उद्देश्य बालिकाओं को पीछा करने वालों और यौन उत्पीड़न से स्वयं की रक्षा करने के कौशल से लैस करना है।

डीजी यज्ञांशिस महापात्रा और पीडीजी अश्विनी कर परियोजना स्थलों पर मौजूद थे, जहां लड़कियों को मार्शल आर्ट सिखाई गई, ताकि वे सार्वजनिक स्थानों पर अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना अपना आत्मविश्वास, जागरूकता और मानसिक शक्ति के साथ कर सकें। पेशेवरों द्वारा संचालित इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से, लड़कियों को आत्म-सुरक्षा के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए और सभी प्रकार के उत्पीड़न या दुर्व्यवहार के खिलाफ बोलने के लिए प्रेरित किया गया। ■

रो ई मंडल 3262 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर यज्ञांसीस मोहापात्र और पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अश्विनी कर बालिकाओं के लिए आयोजित आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्र में।

रो ई निदेशक मंडल 2025-26

रो ई निदेशक मंडल रोटरी इंटरनेशनल के मामलों और निधियों का प्रबंधन रो ई के संविधान और उपनियमों के अनुसार करता है। निदेशकों को उनके क्षेत्रों द्वारा नामित किया जाता है और दो साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। 1 जुलाई को नौ नए निदेशक और निर्वाचित अध्यक्ष बोर्ड में शामिल होंगे।

सांगकू युन

रोटरी क्लब सै हन्यांग, कोरिया

निर्वाचित अध्यक्ष

सांगकू युन सियोल में पले-बढ़े, जहाँ उनके पिता, जो 1960 के दशक की शुरुआत में देश के राष्ट्रपति के रूप में कार्यरत एक प्रमुख राजनीतिक कार्यकर्ता थे। अपने पिता की तरह राजनीति में प्रवेश करने के बजाय, युन वास्तुकला में अपनी रुचि को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका चले गए। 1980 के दशक के उत्तरार्ध में जब वे कोरिया लौटे, तो युन ने डोंगसुह कॉर्प की स्थापना की, जो वास्तुशिल्प उत्पादों का विपणन करता है, और बाद में यंगन कॉर्प की शुरुआत की, जो एक रियल एस्टेट उद्यम है।

युन 1987 में रोटरी क्लब के चार्टर सदस्य के रूप में शामिल हुए। उन्होंने रोटरी यूथ एक्सचेंज (आरवाईई) को बढ़ावा देने के लिए काम किया और अपने मंडल की छात्रवृत्ति समिति में काम किया। आठ वर्षों तक, उन्होंने कीप मंगोलिया ग्रीन पहल के सह-अध्यक्ष के रूप में काम किया। इस परियोजना ने धूल के तूफानों से निपटने के लिए गोबी रेगिस्तान में पवनरोधी जंगल लगाए। इस पहल की सफलता ने मंगोलियाई सरकार को मरुस्थलीकरण से मुकाबला करने के लिए 2,700 किमी लंबी ''ग्रेट ग्रीन वॉल'' लगाने के लिए प्रेरित किया। युन को मंगोलिया के राष्ट्रपति द्वारा मैत्री पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा ब्रिटिश साम्राज्य के सबसे उत्कृष्ट आदेश के अधिकारी के रूप में मान्यता दी गई थी।

उन्हें टीआरएफ के विशिष्ट सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वे और उनकी पत्नी यूनसुन यांग युन रोटरी फाउंडेशन के लाभार्थी, प्रमुख दानदाता और आर्च क्लुम्फ, पॉल हैरिस और बेक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं।

एलेन वान डे पोएल

रोटरी क्लब वेज़ेम्बीक-क्रेनेम, बेल्जियम

उपाध्यक्ष

एलेन डी पोएल कोकूनपोल एसआरएल के मालिक हैं, जो बाथरूम सप्लाई और फिक्स्चर का एक वितरक है। वर्ष 1992 में, उन्होंने एक रोटरी क्लब की स्थापना में सहायता की, जिसके वे आज भी सदस्य हैं।

बेल्जियम सशस्त्र बलों में एक रिज़र्व अधिकारी के रूप में, उन्होंने रंगरूटों को पढ़ना और लिखना सिखाने में सहायता की। पोएल कहते हैं कि रोटरी में उन्हें तीन बातों से विशेष लगाव है: क्षेत्रीय अनुकूलनशीलता, रोटरी के मूल मूल्य, और *फ़ोर-वे टेस्ट,* जो हमेशा उनके दफ़्तरों में प्रदर्शित होता था। वे पॉल हैरिस फेलो हैं, और उन्हें पोलियो मुक्त दुनिया के लिए क्षेत्रीय सेवा पुरस्कार तथा सराहनीय सेवा के लिए टीआरएफ प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ है।

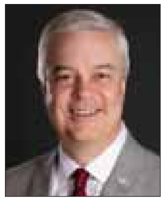

पैट्रिक ईक्स

रोटरी क्लब क्रिसेंट (ग्रीन्सबोरो)

उत्तरी कैरोलिना

कोषाध्यक्ष

पैट्रिक ईक्स, एक पेशेवर इंजीनियर, सी पी ईक्स कंपनी के मालिक हैं, जो एक कस्टम मेटल फैब्रिकेटर, जिसे उन्होंने 1996 में स्थापित किया था। यह कंपनी निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र में धातु की आपूर्ति करता है। वे 1998 में रोटरी में शामिल हुए। उनकी पसंदीदा भूमिकाओं में से एक सहायक गवर्नर की भूमिका थी, जब उन्होंने पहली बार अपने क्लब से परे रोटरी की शक्ति का अनुभव किया।

वे और उनकी पत्नी, क्रिस्टन, मवियतनाम के बच्चोंफ नामक एक स्थानीय संगठन का समर्थन करते हैं, जो वियतनाम में हज़ारों बच्चों को शिक्षा, पौष्टिक भोजन, स्वच्छ जल और चिकित्सा सहायता प्रदान करता है। ईक्स को गोल्फ़ खेलने और यात्रा करना पसंद है। उन्हें रो ई का सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड प्राप्त हुआ है, और वे मेंबरशिप सोसाइटी के सदस्य हैं। उन्होंने टीआरएफ का विशिष्ट सेवा पुरस्कार और सराहनीय सेवा के लिए प्रशस्ति पत्र भी अर्जित किया है। वे और क्रिस्टन प्रमुख दानदाता हैं तथा बेक्वेस्ट और पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्य भी हैं।

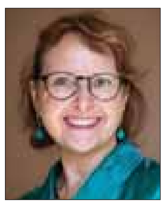

क्रिस्टीन ब्यूरिंग

रोटरी क्लब अल्टेनबर्ग, जर्मनी

निदेशक 2025-27

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देना और महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार करना, क्रिस्टीन ब्यूरिंग के लगभग तीन दशकों से से चले आ रहे काम का प्रमुख केंद्र रहा है। दक्षिणी जर्मनी में जन्मी, उन्होंने स्विट्ज़रलैंड के इकोले होटेलियर डी लॉज़ेन में पर्यटन अध्ययन किया, उसके बाद मैक्सिको और स्पेन में में भी शिक्षा प्राप्त की।

वह 1995 में रोटरी में शामिल हुईं, जब उन्होंने अपने पति अलेक्जेंडर और अन्य लोगों के साथ मिलकर अपने क्लब की स्थापना की। लैंगिक समानता के प्रति जुनूनी, उन्होंने मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए रोटरी एक्शन ग्रुप की स्थापना में सहयोग दिया, और 2017 में सिल्विया व्हिटलॉक लीडरशिप

अवार्ड शुरू करने वाले समूह की सदस्य भी रहीं। वह एक प्रमुख दानदाता के रूप में टीआरएफ का समर्थन करती हैं।

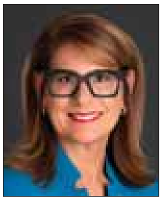

क्रिस्टीन एटियेन

रोटरी क्लब पेटोस्की, मिशिगन

निदेशक 2024-26

क्रिस एटियेन हार्बर सोथबी इंटरनेशनल रियल्टी के साथ एक एसोसिएट ब्रोकर हैं और बे हार्बर में विलेज के लिए लीजिंग के निदेशक हैं। अपने पति डेनिस लिंडमैन के साथ, वह लिंडे फर्नीचर नामक एक खुदरा व्यवसाय की मालिक भी हैं।

वह 1990 में रोटरी में शामिल हुईं और अफ़गानिस्तान से अपने मंडल के पहले इनबाउंड एम्बेसडरियल स्कॉलर के प्रायोजन की वकालत की, जिन्होंने बाद में ग्रैंड वैली स्टेट यूनिवर्सिटी से मास्टर डिग्री प्राप्त की, फिर नांगरहार यूनिवर्सिटी में पढ़ाने के लिए घर लौट आए और एक रोटरी क्लब में भी शामिल हो गए।

एटिने को टीआरएफ का सराहनीय सेवा के लिए प्रशस्ति पत्र और विशिष्ट सेवा पुरस्कार मिला है। वह और उनके पति प्रमुख दानदाता हैं।

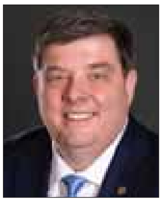

ब्रायन हॉल

रोटरी क्लब कोविंगटन, लुइसियाना

निदेशक 2025-27

ब्रायन हॉल एटिवो ई आर पी में विकास के निदेशक हैं, जहां वे व्यावसायिक प्रणालियों को एकीकृत करने में माहिर हैं। रूस की यात्रा के बाद, जहां उन्होंने अनाथालयों में स्वयंसेवा की, वे सेवा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के साथ घर लौटे। वे 2007 में रोटरी में शामिल हुए।

हॉल पिछले आठ वर्षों से अधिक समय से जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य रोटरी एक्शन ग्रुप में सक्रिय नेता रहे हैं, और वर्तमान में वे अध्यक्ष-निर्वाचित के रूप में कार्यरत हैं। हॉल को रोटरी के *सर्विस एबव सेल्फ़* अवार्ड और टीआरएफ के प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। वे और उनकी पत्नी लिन प्रमुख दानदाता हैं।

जंग-ह्यून ली

रोटरी क्लब ह्वासुंग तियान, कोरिया

निदेशक 2025-27

जंग-ह्यून ली ने अपना जीवन शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया है, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक हाई स्कूल शिक्षक के रूप में की थी। वे कुलीन प्रारंभिक विद्यालयों में कॉलेज प्रवेश परीक्षाओं के प्रशिक्षक बन गए, और सियोल के प्रसिद्ध नॉरयांगजिन स्कूल मंडल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सियोल में हेंसेम अकादमी की स्थापना भी की।

वे 2003 से रोटेरियन हैं और डिजिटल साक्षरता के प्रबल समर्थक हैं। उन्होंने वंचित समुदायों के लिए निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा पाठ्यक्रम शुरू किए। उनकी पत्नी, यंग-रान वोन, डिम्बग्रंथि के कैंसर से पीड़ित हैं और वे कैंसर रोगियों और उनके परिवारों के लिए एक सहायता समूह का नेतृत्व करते हैं। ली 2020 से ए के एस के सदस्य हैं।

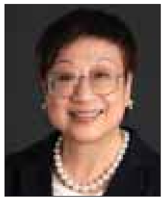

नाओमी लुआन-फोंग लिन

रोटरी क्लब ताइपे लिली, ताइवान

निदेशक 2024-26

नाओमी लुआन-फोंग लिन लाइट-प्यूटर एंटरप्राइज कंपनी लिमिटेड की महाप्रबंधक हैं, जो ऊर्जा-बचत प्रकाश नियंत्रण प्रणालियों का एक ब्रांड है, जिसकी स्थापना उन्होंने 1978 में की थी। चार भाषाओं (मंदारिन, ताइवानी होक्किएन, अंग्रेजी और जापानी) की वक्ता, लिन ने ताइपेई स्थित चीनी संस्कृति विश्वविद्यालय से जापानी साहित्य और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है।

लिन 2004 में रोटरी क्लब ताइपे लिली के चार्टर अध्यक्ष के रूप में रोटरी में शामिल हुईं। उन्होंने ताइवान में एंड पोलियो साइक्लिंग टूर के आयोजन में मदद की, जिसने टीआरएफ और पोलियोप्लस फंड के लिए 271,000 डॉलर से अधिक राशि एकत्र की गई। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के रूप में, उन्होंने 17 रोटरी क्लबों और 16 सैटेलाइट क्लबों की स्थापना में सहायता की। लिन को सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड मिला है। वह और उनके पति, लुइस ह्सू कुन-पाई, एक पीडीजी, ए के एस सदस्य और प्रमुख दानदाता हैं।

इसाओ ''मिक'' मिज़ुनो

रोटरी क्लब टोक्यो टोबिहिनो, जापान

निदेशक 2024-26

इसाओ मिज़ुनो चियोदा उन्यू के अध्यक्ष हैं, जो ऑटोमोबाइल और ट्रकिंग उद्योगों को पुर्जे की सप्लाई करता है और इसकी शाखाएँ पूरे जापान में स्थित हैं।

मिज़ुनो 1989 में अपने क्लब के चार्टर सदस्य के रूप में रोटरी में शामिल हुए, जिसे उनके पिता के क्लब द्वारा प्रायोजित किया गया था। हिनो के मेयर ने उनसे शहर के वार्षिक वसंत चेरी ब्लॉसम उत्सव का नेतृत्व करने के लिए कहा था, और उन्होंने अपने क्लब के सदस्यों को इस आयोजन में स्वयंसेवकों के रूप में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मिज़ुनो एक दानकर्ता और रोटरी योनेयामा छात्रवृत्ति के पूर्व उपाध्यक्ष भी हैं, जो जापान में वैश्विक छात्रों के लिए एक बड़ा छात्रवृत्ति कार्यक्रम है।

वह एक प्रमुख दानदाता और पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्य हैं।

एम मुरुगानंदम (एम एम एम)

रोटरी क्लब भेल सिटी तिरुचिरापल्ली, भारत

निदेशक 2025-27

एम मुरुगानंदम, जिन्हें व्यापक रूप से एम एम एम या ट्रिपल एम के रूप में जाना जाता है, आपूर्ति श्रृंखला

प्रबंधन में 30 से अधिक वर्षों की विशेषज्ञता वाले उद्यमी हैं। एक्सेल मैरीटाइम के संस्थापक और अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने भारत के 18 शहरों सहित सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया तक अपने व्यवसाय का विस्तार किया है। उनके पास बीआईटीएस पिलानी से मास्टर डिग्री; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से एमबीए; और पांडिचेरी विश्वविद्यालय से विदेश व्यापार में मास्टर डिग्री है।

उनकी रोटरी यात्रा की शुरुआत 16 साल की उम्र में रोटरेक्ट में हुई। वे रोटरेकटर रहते हुए ही टीआरएफ के प्रमुख दानकर्ताओं में शामिल हो गए। वर्ष 2016-17 में, डिस्ट्रिक्ट 3000 के सबसे युवा गवर्नरों में से एक के रूप में, उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ने वाली पहलों का नेतृत्व किया, जिनमें से कुछ को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्राप्त है। उन्होंने अपने मंडल में 99 रोटरेक्ट क्लब, 250 इंटरेक्ट क्लब और 100 आरसीसी स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्हें रो ई के वोकेशनल सर्विस लीडरशिप अवार्ड और टीआरएफ के सराहनीय सेवा के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। एमएमएम और उनकी पत्नी सुमति, जो उसी रोटरी क्लब की सदस्य हैं, ए केए स की सदस्य हैं।

के पी नागेश

रोटरी क्लब बैंगलोर हाईग्राउंड्स, भारत

निदेशक 2025-27

के पी नागेश एक उद्यमी और UNIQ सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के संस्थापक हैं, जो दक्षिण भारत में 10,000 से अधिक कर्मचारियों को रोजगार देने वाली कंपनी है। उन्होंने भारतीय वायु सेना में एक शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारी के रूप में भी सेवा दी है।

नागेश 1995 में रोटरी में शामिल हुए। वर्ष 2015-16 में डिस्ट्रिक्ट 3190 के गवर्नर के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने ऐसी पहल की जिससे लगभग 2,000 सदस्य और 52 नए क्लब स्थापित हुए और महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा। उस वर्ष के दौरान डिस्ट्रिक्ट ने दुनिया भर में टीआरएफ में सबसे अधिक कुल योगदान भी हासिल किया। उनका लक्ष्य भारत को 100 मिलियन डॉलर देने वाला देश बनाना है, जिसमें हर डिस्ट्रिक्ट कम से कम 1 मिलियन डॉलर दे।

नागेश को रो ई के सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड से सम्मानित किया गया है। वह और उनकी पत्नी उमा, जो कंप्यूटर साइंस इंजीनियर हैं, ए के एस चेयर सर्किल के सदस्य हैं।

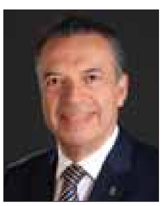

साल्वाडोर रिज़ो टावारेस

रोटरी क्लब मॉन्टेरी कार्लोस कैनसेको, मेक्सिको

निदेशक 2024-26

साल्वाडोर रिज़ो टवारेस ग्रुपो रिज़ो के सीईओ हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 1987 में एक ऑफिस उपकरणों के थोक विक्रेता के रूप में की थी। इंटेल के साथ मिलकर उन्होंने क्लासमेट स्टूडेंट लैपटॉप को विकसित में भी योगदान दिया, जिसकी लैटिन अमेरिका में 200,000 से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं।

टावारेस 1989 में 27 वर्ष की उम्र में रोटरी में शामिल हुए थे। उनके गुरु पीआरआईपी कार्लोस कैनसेको थे। उन्होंने खाने के विकारों को दूर करने, पर्यावरण संबंधी समस्याओं को हल करने और प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने के लिए उपकरण प्रदान करने के लिए वैश्विक अनुदान परियोजनाओं का नेतृत्व किया है।

एक उत्साही खेल प्रेमी, टावारेस एक पूर्व गोल्फ़र और फुटबॉल खिलाड़ी हैं, और कई मैराथन में भाग ले चुके हैं। वह और उनकी साथी, एस्मेराल्डा, प्रमुख दानदाता, परोपकारी, पॉल हैरिस फ़ेलो और बेक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं।

सीज़र लुइस शेरर

रोटरी क्लब मारेचल कैंडिडो-रोंडन-बीरा लागो, ब्राज़ील

निदेशक 2025-27

सीज़र सीज़र लुइस शेरर एक उद्यमी और एकाउंटेंट हैं, जिन्हें वित्तीय प्रबंधन, रणनीतिक योजना और प्रशासन में व्यापक अनुभव प्राप्त है। वे एक अकाउंटिंग फर्म के संस्थापक-निदेशक हैं और ब्राज़ील में वेस्टर्न पराना स्टेट यूनिवर्सिटी में 29 वर्षों तक अकाउंटिंग के प्रोफेसर के रूप में कार्य कर चुके हैं।

2003 से रोटेरियन रहे शेरर को रोटरी का असली मतलब तब पता चला जब उनकी चेकबुक खो गई। स्थानीय बैंक में मदद मांगते समय उन्हें पता चला कि मैनेजर स्वयं रोटेरियन है, जिसने उनकी स्थिति जानने के बाद न केवल उनकी मदद की, बल्कि अपार्टमेंट की तलाश के दौरान उन्हें अपने घर में रहने के लिए भी आमंत्रित किया। शेरर ने इस मंडल को लैटिन अमेरिका में सबसे बड़ा मंडल बनाने में योगदान दिया, जिसमें 2025 की शुरुआत तक लगभग 3,200 सदस्य होंगे।

जेनिफर ए स्कॉट

रोटरी क्लब सेंट्रल ब्लू माउंटेंस, ऑस्ट्रेलिया

निदेशक 2025-27

जेनिफर स्कॉट एक वकील, मध्यस्थ और पर्यावरण कानून में अनुभव के साथ संघर्ष समाधान विशेषज्ञ हैं।

1996 से रोटेरियन, वह वर्तमान में एंड पोलियो नाउ काउंटडाउन टू हिस्ट्री अभियान समिति की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करती हैं, और टीआरएफ के तकनीकी सलाहकारों के कैडर की सदस्य भी हैं।

वह और उनके पति इयान, सस्टेनेबल कंबोडिया में भी सक्रिय रहे हैं। रोटरी के नेतृत्व वाली यह पहल शिक्षा, स्वच्छ जल तक पहुँच और टिकाऊ कृषि के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से ग्रामीण कंबोडिया के समुदायों को सशक्त बनाती है। उन्होंने मंगोलिया में कानूनी ढाँचे को आगे बढ़ाने में भी

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां उन्होंने पारिवारिक मध्यस्थता में न्यायाधीशों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए एक व्यावसायिक प्रशिक्षण टीम का नेतृत्व किया है।

2023 में, स्कॉट को ऑर्डर ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया के सदस्य के रूप में सम्मानित किया गया। वह और उनके पति, जो पीडीजी (2014-15) हैं, प्रमुख दानदाता और बेक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं। उन्हें टीआरएफ के प्रशस्ति पत्र से भी सम्मानित किया गया है।

वेन स्पिलर

रोटरी क्लब ग्रास वैली, कैलिफोर्निया

निदेशक 2025-27

लुइसियाना की मूल निवासी और एक रोटेरियन की बेटी, वेन स्पिलर ने लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी से मनोविज्ञान की डिग्री हासिल की। उन्होंने अपने पति के साथ कैलिफोर्निया जाने के बाद अपने शिक्षण करियर की शुरुआत की, उन्होंने अपने परिवार द्वारा स्थापित एक स्थानीय वाइनरी व्यवसाय से जुड़ने से पहले, उन्होंने बच्चों के कपड़ों की एक दुकान का सह-स्वामित्व किया।

वह 1994 से रोटेरियन हैं। स्पिलर की शांति निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता में रोटरी शांति केंद्रों का समर्थन करना, रोटरी शांति फेलो से जुड़ना, और शांति के लिए एक निधि की स्थापना में सहायता करना शामिल है। उन्हें टीआरएफ के सराहनीय सेवा के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। वह और उनके पति स्टीव प्रमुख दानदाता हैं और बेक्वेस्ट, पॉल हैरिस और पोलियोप्लस सोसाइटी के सदस्य हैं।

सुज़ान स्टेनबर्ग

रोटरी क्लब ऑस्टरसुंड ऑरे, स्वीडन

निदेशक 2024-26

सुजान स्टेनबर्ग एक व्यवसाय परामर्श फर्म की मालिक हैं, जो कॉलेज के छात्रों को प्रशिक्षित करती है। वह मैनहट्टन, कैनसस में एक पूर्व आरवाईई छात्रा है। माइक्रोसॉफ्ट में, उन्होंने व्यवसाय विकास में काम किया और माइक्रोसॉफ्ट विश्वविद्यालय कार्यक्रम शुरू करने में योगदान दिया। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट में अपने 20 वर्षों के कार्यकाल के अंतिम वर्षों में, उन्होंने स्वीडन में कंपनी की नेतृत्व टीम में कार्य किया और नॉर्डिक देशों में छोटे व्यवसायों के विपणन और शिक्षा कार्यक्रमों की देखरेख की। स्टेनबर्ग ने स्वीडिश विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर आरे में एक व्यवसाय इनक्यूबेटर विकसित किया और साथ ही एक विज्ञान पार्क भी बनाया जो स्टार्टअप को प्रशिक्षित करता है।

2009 से रोटरी की सदस्य, स्टेनबर्ग वार्षिक आरे रोटरी वाइल्ड कैंप का आयोजन करती हैं, जिसमें स्वीडन के सभी आरवाईई छात्रों को आमंत्रित किया जाता है। वह और उनके पति, गोरान स्टेनबर्ग, प्रमुख दानदाता हैं और पॉल हैरिस सोसाइटी और बेक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं।

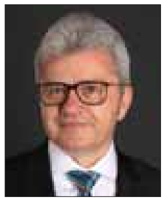

डैनियल वी टनासे

रोटरी क्लब सुसेवा बुकोविना, रोमानिया

निदेशक 2024-26

डैनियल टनासे असिस्ट सॉफ्टवेयर एसआरएल के प्रबंध भागीदार हैं, जो एक सॉफ्टवेयर आरएंडडी कंपनी है जिसकी स्थापना उन्होंने 1992 में की थी, और अब इसमें 360 कर्मचारी हैं। वे 2002 में अपने क्लब के चार्टर सदस्य के रूप में रोटरी में शामिल हुए। क्लब के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने क्लब की पहली सामुदायिक सेवा परियोजना का नेतृत्व किया, जिसके माध्यम से रोमानिया में 3,000 से अधिक बच्चों की मदद की गई।

उन्होंने असिस्ट ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन की सह-स्थापना की, जिसने रोटरी के साथ मिलकर रोग निवारण परियोजनाओं पर काम किया। उन्होंने प्रबंधन पर किताबें, लघु कथाओं का एक संग्रह और रोटरी पॉकेट हैंडबुक लिखी है। तानसे को सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड से सम्मानित किया गया है। वह और उनकी पत्नी मार्लेना प्रमुख दानदाता हैं।

हैरियेट फ्लोरेंस वर्वे

रोटरी क्लब लीडेन-एएम, नीदरलैंड

निदेशक 2025-27

हैरियट फ्लोरेंस वेरवे ने नीदरलैंड के लीडेन यूनिवर्सिटी से मेडिकल की डिग्री प्राप्त की और बाद में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने अपना 34 वर्षों का करियर लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में कार्डियोलॉजी को समर्पित किया। जब हृदय प्रत्यारोपण संभव नहीं होता था, तब उन्होंने क्रोनिक हार्ट फेलियर के लिए वैकल्पिक उपचार के रूप में बाएं वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइस के उपयोग की पहल की।

वेर्वे 2002 में रोटरी में शामिल हुईं। उनकी शुरुआती भागीदारी में से एक परियोजना में बधिर बच्चों के लिए एक राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन करना शामिल था। वह नीदरलैंड में पहली अश्वेत डीजी थीं और अपने ज़ोन से आने वाली पहली महिला निदेशक हैं। वेर्वे पोलियोप्लस और बेक्वेस्ट सोसाइटी की सदस्य और एक प्रमुख दानदाता हैं।

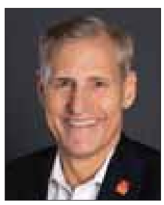

जॉन हेवको

रोटरी क्लब कीव, यूक्रेन

महासचिव

जॉन हेवको रो ई और टीआरएफ के महासचिव और सीईओ हैं। वह इवानस्टन, इलिनोइस में रो ई के विश्व मुख्यालय और छह अंतरराष्ट्रीय कार्यालयों में 800 के विविध कर्मचारियों का नेतृत्व करते हैं। वह और उनकी साथी मार्गा प्रमुख दानदाता हैं। वे इवानस्टन में रहते हैं।

अगले अंक में टीआरएफ ट्रस्टी

©Rotary

रो ई मंडल 2981

रोटरी क्लब कुंभकोणम सेंट्रल

जीआरटी ज्वैलर्स की ओर से ₹95 लाख के सी एस आर अनुदान से गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज में लड़कियों के लिए एक विशाल प्रतीक्षालय निर्माण किया गया। राज्य विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु और उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेझियान ने इस परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीडीजी रमेश बाबू और एस बालाजी भी उपस्थित थे।

Rotary PEOPLE OF ACTION

मंडल गतिविधियाँ

रो ई मंडल 3020

रोटरी क्लब विजयवाड़ा

प्रोजेक्ट दृश्यम के तहत अब तक 20 नगरपालिका और मंडल परिषद स्कूलों में नेत्र जांच शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 6,700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इनमें से 1,351 छात्रों की आंखों की बीमारियों का इलाज किया गया, और 20 स्कूलों में छात्रों को चश्मे बांटे गए। इस परियोजना को मैक्सविजन हॉस्पिटल्स का समर्थन प्राप्त है।

रो ई मंडल 3030

रोटरी क्लब पंचोरा-भड़गांव

ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में आयोजित रक्तदान शिविर में लगभग 130 रक्त बैग एकत्र किए गए, जिसमें संघर्ष के दौरान नागरिक और सैनिक घायल हुए थे।

रो ई मंडल 3055

रोटरी क्लब कांकरिया

क्लब के अध्यक्ष निपुण पटेल और परियोजना अध्यक्ष विपुल शुक्ला के नेतृत्व में क्लब के सदस्यों ने शहर के नगर निगम द्वारा शुरू की गई साबरमती नदी की सफाई में भाग लिया। नदी के किनारों से प्लास्टिक सहित 250 टन से अधिक कूड़ा-कचरा हटाया गया।

रो ई मंडल 3000

रोटरी क्लब करम्बाकुडी सिटी

करम्बकुडी में सड़क किनारे कारोबार करने वाले विक्रेताओं को प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए बड़े छाते दान में दिए गए हैं।

रो ई मंडल 3120

रोटरी क्लब लखनऊ बारादरी

सरस्वती अस्पताल और मित्तल एनालिटिक्स के सहयोग से लखनऊ के पास स्थित आठ गांवों में आयोजित नेत्र जांच और मोतियाबिंद जांच शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 2,400 से अधिक लोगों का इलाज किया गया। इन चिकित्सा शिविरों के दौरान 52 मोतियाबिंद सर्जरी की गई और 2,000 चश्मे वितरित किए गए। इस परियोजना की कुल लागत ₹7.15 लाख रही।

रो ई मंडल 3141

रोटरी क्लब बॉम्बे फिल्म सिटी

आर्थर रोड जेल के जेल अस्पताल को एक दंत चिकित्सा कुर्सी दान की गई, जहां लगभग 3,800 कैदी हैं, तथा क्लब का एक सदस्य, जो एक दंत चिकित्सक है, सप्ताह में एक दिन इस अस्पताल में अपनी सेवा प्रदान करेगा।

Subscribe NOW!

to Rotary News Print Version & e- Version For the Rotary year 2025 – 2026

Annual Subscription (India)

Print version	e-Version
₹480/- (by Book post)	₹324/-

Print version ☐ e- Version ☐

	English	Hindi	Tamil
No. of Copies			

For every new member the pro-rata is ₹40 a month for print version and ₹27 for E-version.

Payments can be made online at

HDFC Bank, Montieth Road,
Egmore, Chennai.
Rotary News Trust
SB A/c No 50100213133460
IFSC: HDFC0003820

Scan here to pay

Email us the UTR Number, Club Name, President/ Secretary's name, Amount and Date of Transfer.

Update the correct mailing address and contact details of your members directly to *Rotary News* every year to receive the magazine. RI does not share member details with us. Intimate language preference (English/Hindi/ Tamil) against each member's name.

Rotary Club of .... RI District ....

Name of the President/Secretary ....

Address ....

....

....

City .... State .... PIN ☐☐☐☐☐☐

STD Code .... Phone: Off. .... Res. ....

Mobile .... E-mail ....

Cheque/DD No. .... Dated .... for Rs. ....

Drawn on ....

in favour of "**ROTARY NEWS TRUST**" is enclosed.

Date: President/Secretary

Mail this form to:

Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008.
Tamil Nadu, India. Ph: 044 4214 5666, -98400 78074, e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी न्यूज़ की सदस्यता लें

1. रोटरी वर्ष (जुलाई से जून) के लिए सदस्यता।
2. प्रत्येक रोटेरियन के लिए रोटरी पत्रिका की सदस्यता लेना अनिवार्य है।
3. प्रिंट संस्करण के लिए वार्षिक सदस्यता ₹480 और ई-संस्करण के लिए ₹324 प्रति सदस्य है।
4. पूरे वर्ष के लिए सदस्यता निर्धारित प्रपत्र में जुलाई में भेजी जानी चाहिए।
5. जुलाई के बाद शामिल होने वाले लोग शेष रोटरी वर्ष के लिए प्रिंट संस्करण के लिए ₹40 प्रति अंक और ई-संस्करण के लिए ₹27 का भुगतान कर सकते है।
6. *रोटरी न्यूज़* के साथ क्लब का सदस्यता खाता निरंतर चलता रहता है और यह हर साल जून के अंत में समाप्त नहीं होता।
7. *पिन कोड, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी* सहित उनके पूर्ण डाक पते के साथ सभी सदस्यों के नाम, फॉर्म और सममूल्य पर देय डीडी/चेक के साथ भेजे जाने चाहिए। GPAY या नेटबैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन ट्रांसफर किया जा सकता है। जब आप ऑनलाइन भुगतान करें तो हमारे साथ तुरंत ही व्हाट्सएप (9840078074) या ईमेल (*rotarynews@rosaonline.org*) द्वारा UTR नंबर के साथ आपके क्लब का नाम और भुगतान की गई राशि साझा करें। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो आपका भुगतान हमारे रिकॉर्ड में अपडेट नहीं हो पाएगा और आपका क्लब बकाया दिखाएगा।
8. सदस्य के नाम के साथ भाषा वरीयता *(अंग्रेजी, हिंदी या तमिल)* का उल्लेख किया जाना चाहिए।
9. नियमित रूप से पत्रिका प्राप्त करने के लिए हर साल सीधे तौर पर *रोटरी न्यूज़* के साथ अपने सदस्यों का सही पता और संपर्क विवरण अपडेट करें। *रो ई हमारे साथ सदस्यता विवरण साझा नहीं करता है।*

10. सदस्यों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उनके नाम उनके क्लब द्वारा भेजी जाने वाली ग्राहक सूची में शामिल हो। यदि आपने भुगतान किया है लेकिन आपका नाम आपके क्लब द्वारा हमें नहीं भेजा गया है तो आपको पत्रिका की प्रति प्राप्त नहीं होगी।
11. क्लबों को हमें सदस्यता की स्थिति में हुए किसी भी संशोधन के बारे में **तुरंत** अपडेट करना चाहिए ताकि हम नए सदस्यों को पत्रिका पहुँचा सकें।
12. यदि आपको अपनी मुद्रित प्रति प्राप्त नहीं हुई है जिसकी आपने सदस्यता ली थी, तो अपने क्लब के अध्यक्ष से जांचें करें की क्या आपके क्लब ने ई-संस्करण का विकल्प चुना है।
13. रोटरी न्यूज ट्रस्ट के पास मौजूद सूची के अनुसार हम जितनी संख्या में पत्रिकाएं भेजते है उनके भुगतान के लिए क्लब उत्तरदायी है।
14. क्लब के अदत्त बकाये को क्लब के बकाया के रूप में दिखाया जाएगा। बाद में प्राप्त किसी भी भुगतान को पहले के बकाए के साथ समायोजित किया जाएगा।
15. सदस्यता बकाया वाले क्लबों की जानकारी रो ई के साथ साझा की जाएगी जो उनके निलंबन का कारण बन सकता है।
16. हम नियमित रूप से क्लबों द्वारा भेजी जाने वाली हमारे ग्राहकों की सूची को रो ई के डेटा के साथ सत्यापित करते है ताकि छूटे हुए ग्राहकों का पता लगाया जा सके
17. यदि किसी सदस्य को एक महीने से पत्रिका प्राप्त नहीं हुई है तो हमें तुरंत सूचित करें ताकि हम इस समस्या को हल कर सकें। पत्रिकाओं को रियायती बुक-पोस्ट के माध्यम से भेजा जाता है; इसलिए डाक की ट्रैकिंग संभव नहीं है। यदि आपके क्लब ने हमें आपकी सदस्यता के बारे में जानकारी नहीं दी है तो हो सकता है कि आपको आपकी प्रति प्राप्त ना हो। इसलिए ग्राहकों की सूची में अपने नामांकन का पता लगाने के लिए अपने अध्यक्ष या RNT से संपर्क करें।
18. कुछ क्षेत्रों में डिलीवरी की समस्या हो सकती है। ऐसी स्थिति में क्लब थोक में प्रतियां प्राप्त करने का विकल्प चुन सकते है। अतिरिक्त शुल्क लागू होगा।

अनुपालन नहीं करने वाले क्लबों को रो ई द्वारा निष्कासित किया जाएगा

1 जुलाई, 2022 से रो ई बोर्ड ने अपनी *रोटरी कोड ऑफ़ पॉलिसीज़* में ऐसे रोटरी क्लबों को निष्कासित करने का प्रावधान शामिल किया है जो रोटरी पत्रिका की सदस्यता नहीं लेते हैं। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को सूचित करने के बाद इसका अनुपालन न करने वाले क्लबों से संबंधित एक त्रैमासिक रिपोर्ट हमारे कार्यालय द्वारा रो ई को भेजी जा रही है। इन क्लबों को **90 दिन की छूट दी जाती है** उसके बाद भी क्लब इसका अनुपालन नहीं करेंगे तो उन्हें रो ई द्वारा निलंबित कर दिया जाएगा।

180 दिनों तक निलंबित रहने और अनुपालन न करने वाले क्लबों को रो ई को सूचित करने के बाद RNT एक स्मरण पत्र भेजता है जिसमें यह लिखा होता है कि ''बोर्ड अपने विवेक पर इस क्लब को निष्कासित कर सकता है।''

क्लब अध्यक्ष कृपया अपने सदस्यों से *रोटरी न्यूज़* की सदस्यता लेने का आग्रह करें और भारत की रोटरी गतिविधियों की सम्पूर्ण तस्वीर देखें। **रो ई आपके PELS/GELS पाठ्यक्रम में अनिवार्य सदस्यता लेने के बारे में जानकारी शामिल करने की सिफारिश करता है।■**

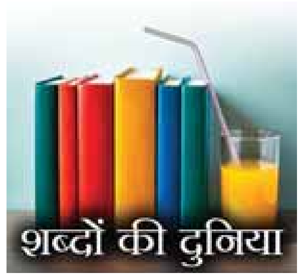

कोई भी कहानी अनकही न रहें

बानू मुश्ताक की कन्नड़ लघु कथाएँ मानव स्वभाव की असंख्य सूक्ष्म अभिव्यक्तियों को बड़ी बुद्धिमत्ता, आत्मीयता और जीवंत विवरण के साथ प्रकट करती हैं, जिसे दीपा भास्ति के अंग्रेजी अनुवाद में सजीव रूप से महसूस किया जा सकता हैं।

संध्या राव

अपनी लघु कथा संग्रह, *हार्ट लैंप* के लिए अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार 2025 से सम्मानित किए जाने के बाद बानू मुश्ताक और दीपा भास्ती सुर्खियों में हैं। यह किसी भारतीय भाषा में मूल रूप से लिखे गए साहित्य को मिला दूसरा बुकर पुरस्कार है, पहला पुरस्कार 2022 में गीतांजलि श्री के हिन्दी उपन्यास *रेत समाधि* को मिला था जिसका अंग्रेज़ी अनुवाद *टॉम्ब ऑफ सैंड* डेज़ी रॉकवेल ने किया था। इस वर्ष के पुरस्कार की विशेष बात यह है कि यह एक ऐसी भाषा को मान्यता देता है जो भारत की प्रमुख भाषा नहीं है; यह कर्नाटक राज्य की आधिकारिक भाषा है।

इस प्रक्रिया में यह संग्रह कम-ज्ञात, कम-स्पष्ट, कम-प्रचारित, कम-चर्चित, कम-अनुमानित, कम-महिमामंडित पहलुओं को उजागर करते हुए एक बड़े परिदृश्य की ओर ध्यान आकर्षित करता है। राजनीतिक सत्ता-खेल और अधिनायकवाद के बोझ तले बिखरती सी प्रतीत होती दुनिया में इस तरह का सम्मान लोकतांत्रिक मूल्यों की स्वीकृति जैसा है। दीपा यह भी कहती है कि एक पत्रकार, वकील, लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में बानू का करियर *बंदया* शब्द का उदाहरण है, जिसका अर्थ है असंतोष, विद्रोह, विरोध, प्रतिरोध, क्रांति... तब यह एहसास होता हैं कि यह कोई साधारण उपलब्धि नहीं है; यह एक बड़ी उपलब्धि है। यही कारण है कि इस पर और विस्तार से अनुवाद के महत्व पर इतनी चर्चा हो रही है।

बानू मुश्ताक ने स्वयं अपने स्वीकृति भाषण में इसे बेहतर रूप से वर्णित किया है। ''यह एक व्यक्तिगत उपलब्धि से अधिक है,'' उन्होंने शांत, स्थिर स्वर में कहा। ''यह इस बात की पुष्टि है कि हम एक व्यक्ति के रूप में और एक वैश्विक समुदाय के रूप में तब फलते-फूलते है जब हम विविधता को अपनाते हैं, अपने अंतरों का उत्सव मनाते हैं और एक दूसरे का उत्थान करते हैं। साथ मिलकर हम एक ऐसी दुनिया बनाते हैं जहाँ हर आवाज सुनी जाती है, हर कहानी मायने रखती है और हर व्यक्ति महत्त्व रखता है।'' उन्होंने आगे कहा: ''यह किताब इस विश्वास के साथ आई है कि कोई भी कहानी कभी 'छोटी' नहीं होती - कि मानव अनुभव की जिस बुनावट में हम जीते है उसमें हर धागा पूरे वस्त्र का वजन उठाता है। एक ऐसी दुनिया में जो अक्सर हमें विभाजित करने की कोशिश करती है, साहित्य उन अंतिम पवित्र स्थानों में से एक बचा है जहाँ हम एक-दूसरे के मन में रह सकते हैं, भले ही कुछ पृष्ठों के लिए ही सही।''

और यही अनुभव पाठक को इस कथा-संग्रह की लघुकथाओं में होता हैं: जैसा उन्हें शाइस्ता, मुतावली साहब, याकूब, महबूब बी, अखिला, रजिया, मेहरुन जैसे व्यक्तियों और न जाने कितने चिक्कप्पा, डोडम्मा, अज्जी, मौलवी और दादीमाओं के मन के भीतर कुछ देर जीने के लिए आमंत्रित किया गया हो। वह तीव्रता और धड़कता हुआ एहसास हमें हंसाता है, रुलाता है, चौंकाता है, विलाप कराता है, साजिश रचवाता है, अंदर ही अंदर जलाता है... और अंततः हमें उनसे जोड़कर उनका एक हिस्सा बना देता है।

वे सब वास्तविक लोग हैं जो अपने जीवन की बारीकियों में उलझे हुए हैं और अपने विविध रंगों में हमारे सामने प्रकट होते हैं। जब वे बोलते हैं तो हम उन्हें सुनते हैं क्योंकि हमें एहसास होता है कि वे बिल्कुल हमारी ही तरह बोलते हैं। इन कहानियों की प्रस्तुति में कोई बनावट नहीं है, इनकी दुनिया इतनी सहजता और सीधेपन से सामने आती है कि वह एक साथ मोहक और विचलित करने वाली प्रतीत होती है। यह केवल साहित्यिक कौशल नहीं है बल्कि यह कार्य त्रासदी, मूर्खता, क्रोध, ईर्ष्या, पाखंड और कभी-कभी हास्यास्पदता के बावजूद मानवता की जीत प्रतीत होता है।

'अगेंस्ट इटैलिक्स' शीर्षक से अपने आफ्टरवर्ड में दीपा भास्ती कहती हैं कि 'बानू एक प्रगतिशील परिवार में पली-बढ़ी और कन्नड़ में शिक्षित हुईं, न कि उर्दू में, जो उस समय मुसलमानों के लिए सामान्य भाषा मानी जाती थी।' वह कन्नड़ साहित्य में बंदया आंदोलन का भी जिक्र करती हैं, जो उस समय की ऊँची जातियों और अधिकतर पुरुष-प्रधान लेखन के प्रभुत्व के विरुद्ध एक प्रतिरोध के रूप में शुरू हुआ था - और जिसकी झलक *हार्ट लैंप* की सभी 12 कहानियों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उदाहरण के लिए *रेड लुंगी* नामक कहानी में, परेशान रज़िया अतिथि बच्चों की ऊर्जा को नियंत्रित करने के लिए एक व्यावहारिक

दृष्टिकोण अपनाती है: 'अपने सामने निरंतर यातना की गर्मी को देखकर जब उसे कोई और उपाय नहीं सूझा तो अंत में उसने फैसला किया कि उनमें से कुछ बच्चों को किसी तरह बिस्तर पर लिटाना पड़ेगा। खतना, उसने फैसला किया। वह उनका खतना करवा देती है।' जहाँ एक तरफ इस कहानी में व्यंग्य और विडंबना है, वहीं दूसरी ओर एक दिल दहला देने वाला उदाहरण भी है - जहाँ एक महिला भोजन के एक पैकेट के उपहार के लिए इतनी बेताब है कि वह अपने एक महीने के बच्चे को आगे बढ़ाते हुए कहती है कि इसकी भी *सुन्नत* करवा दीजिए।

द श्राउड कहानी लगभग एक मनहूस सा माहौल तैयार करती है खास तौर पर जिसमें शाज़िया अपनी एक वफादार यासीन बुआ से वादा करती है कि वह अपनी हज यात्रा से लौटते समय एक कफ़न लाएगी और अब वह अपनी उस वादा खिलाफी के लिए बहाने बनाने की कोशिश करती है। जब यासीन बुआ के निधन पर उनका बेटा फरमान, कफ़न माँगने के लिए आता है तो शाज़िया का मन पश्चाताप और सफ़ाई के बीच बुरी तरह झूलने लगता है: ''उसने सपने में भी नहीं सोचा था कि बुआ मरने के बाद भी उसे परेशान करेगी। वह अचानक इस पीड़ा के बोझ तले जाती है। उसे क्या करना चाहिए? और क्या नहीं करना चाहिए? अगर बुआ एक लाख रुपये का कफ़न भी मांगती तो शाजिया उन्हें देने के लिए तैयार थी मगर मक्का का कफन जिसे पवित्र जमजम के पानी में भिगोया जाता है, या अल्लाह, अब क्या करें?''

द अरेबिक टीचर एंड गोबी मंचूरी एक युवक की शादी को लेकर पारंपरिक अपेक्षाओं को एक अलग ही मोड़ देती हैं। सलीमा जान अपनी बेटी के लिए एक उपयुक्त लड़का, एक मौलवी पाकर प्रसन्न होती है। लेकिन यह रिश्ता टूट जाता है जैसा कि सलीमा जान बताती हैं: ''उसने यह नहीं पूछा कि हम शादी में क्या देंगे या क्या लेंगे। उसने लड़की के घर से बाहर निकलने का इंतजार किया और उसे बीच सड़क पर रोककर पूछा कि क्या उसे गुबे मंचारी या वो जो भी होता है, बनाना आता है!''

यह कैसा आदमी है?! वाकई कुछ अजीब है!

इस लेखन में ऐसे अनेक क्षण है जो पाठक को गहराई से जोड़ते है। कन्नडिगा संस्कृति की कुछ महिलाओं की खासियत है कि वे अपने पतियों को 'री' कहकर संबोधित करती है। हर बार जब किताब में कोई 'री' सामने आता है तो मुझे अपनी चचेरी बहन की एक नकल की याद आ जाती है - कान छिदवाने के दौरान जब एक चाची लंबा 'री' कहती है!

इस अनुवाद में अंग्रेज़ी का लहजा सहज, स्वाभाविक और प्रवाहपूर्ण है जिसमें नियमित कन्नड़, हासन क्षेत्र की कन्नड़ बोली जो बानू का घर है, अरबी, उर्दू, हिंदी और दखनी के शब्द सहज रूप से पिरोये गए है। ''बानू दखनी बोलती हैं जिसे अक्सर गलती से उर्दू की एक बोली माना जाता है जबकि वास्तव में यह फारसी, देहलवी, मराठी, कन्नड़ और तेलुगु का एक मिश्रण है। कन्नड़ बानू की कार्य भाषा है और इसी भाषा से उनका रोजमर्रा का जीवन जुड़ा हुआ है,'' दीपा लिखती हैं।

एक ऐसी दुनिया में जो हमें बार-बार बांटने की कोशिश करती है, साहित्य उन अंतिम पवित्र स्थानों में से एक है, जहाँ हम एक-दूसरे के मन में कुछ पन्नों के लिए ही सही, लेकिन जी सकते हैं।

बानु मुश्ताक

इस तरह का भाषा बदलाव भारत के कई घरों में होता है, जिसमें मेरा घर भी शामिल है, एक ही बातचीत के दौरान आप मराठी, तमिल, अंग्रेजी, हिंदी, कन्नड़ के साथ ही कभी-कभार पंजाबी और बंगाली भी सुन सकते हैं।

जहाँ तक अध्याय शीर्षक में उल्लिखित इटैलिक्स का सवाल है तो आमतौर पर अंग्रेजी में प्रकाशित किताबों में उन शब्दों को तिरछा लिखा जाता है जो 'विदेशी' शब्द हैं, जैसे कि *de rigueur, schadenfreude* आदि। लेकिन यानाई, घर, चिक्कम्मा, अड्डा? ये भारतीय भाषाओं के लिए 'विदेशी' नहीं हैं, है न? और यदि आप मानते हैं कि अंग्रेजी भी हिंदी, तमिल, उर्दू, बांग्ला की तरह ही एक भारतीय भाषा है तो फिर यह प्रश्न यहीं समाप्त हो जाता है। दीपा भास्ती अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए लिखती हैं। ''इटैलिक्स न केवल दृश्य रूप से ध्यान भटकाते है बल्कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ये शब्दों को किसी अन्य भाषा से आयातित घोषित करते हैं, उन्हें अंग्रेजी के लिए विदेशी या अजनबी बनाते हैं। मैं उन्हें तिरछा न लिखकर यह चाहती हूँ कि पाठक बिना किसी बाधा के इन शब्दों तक पहुँचे और पढ़ते-पढ़ते शायद किसी अन्य भाषा के एक या दो नए शब्द भी सीख लें।''

ठीक कहा, दीपा। शाबाश, बानू।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कन्नड़ लेखिका बानु मुश्ताक (दाएँ) और उनकी अनुवादक दीपा भास्ती बुकर पुरस्कार के साथ।

बूंद-बूंद से महासागर भरता है

प्रीति मेहरा

हमें अपने जल निकायों को बचाने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

जब आप मेरी तरह ही किसी तटीय शहर में रहते हैं, तो आप समुद्र के विशाल विस्तार, उसकी गंध और ध्वनियों के बारे में गहराई से समझने लगते हैं। पानी का यह विशाल विस्तार हमारे जीवन को प्रभावित करता है। हाल ही में भारत में फ्रांसीसी संस्थान और फ्रांसीसी दूतावास के सहयोग से मद्रास के एलायंस फ्रांसेइस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हमें समुद्र का मानवता, जीव-जंतुओं और वनस्पतियों से जुड़ाव के बारे में नई जानकारी प्राप्त हुई।

यह एक बेहद दिलचस्प संध्या थी, जिसमें ''वी आर दी ओशन'' (हम महासागर हैं) विषय पर एक पैनल चर्चा और एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य यह समझना था कि हम में से हर कोई समुद्र से किस प्रकार जुड़ा हुआ है और भीषण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन की विकट परिस्थितियों से समुद्र कैसे जूझ रहा है। जैसा कि एलायंस फ्रांसेइस ने कहा, ''यह एक संवाद, रचनात्मकता और कार्रवाई का मंच था।''

चर्चा के दौरान जो बात सबसे अधिक चिंताजनक रूप में सामने आई, वह यह थी कि समुद्र और हमारे अन्य जल स्रोत विभिन्न प्रकार के प्रदूषकों से बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, जिनमें प्लास्टिक सबसे प्रमुख है। इस कार्यक्रम के एक प्रमुख सहभागी, ट्री फाउंडेशन, समुद्र, पर्यावरण और मानव गतिविधियों व समुद्र के बीच के गहरे संबंधों की रक्षा के लिए काम कर रहा है। यह संस्था विशेष रूप से देश के पूर्वी तट पर ऑलिव रिडले, हॉक्सबिल और ग्रीन समुद्री कछुओं के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके लिए यह ग्रामीण समुदायों और वहाँ के युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करती है। इसने पहले कछुओं के अंडों का शिकार करने वाले लोगों और स्कूल छोड़ चुके युवाओं को संगठित कर 'सी टर्टल प्रोटेक्शन फोर्स' का गठन किया, जिसने अब तक 38.5 लाख से अधिक कछुए के बच्चे (हैच्लिंग्स) समुद्र में वापस छोड़े हैं।

'फेसेस ऑफ द ओशन' नामक फोटोग्राफी प्रदर्शनी ने दर्शकों को हमारे मछुआरों के कार्य और उनके योगदान की एक झलक दी, जिससे भारत आज विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश बना है - जो वैश्विक मछली उत्पादन का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा है। प्रदर्शित तस्वीरें बेहद प्रभावशाली थीं, जो यह दर्शा रही थीं कि किस तरह पुरुष और महिलाएं मछली पकड़ने, जाल खींचने, नावों की मरम्मत करने, मछलियों को छांटने, साफ करने और बेचने जैसे श्रमसाध्य कार्यों में दिन-रात जुटे रहते हैं।

हमें बताया गया कि यही सही समय है जब हमें महासागरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए यह देखना चाहिए कि हम जल स्रोतों को कचरे और प्लास्टिक

वर्ल्ड ओशन्स डे के अवसर पर Ibis Hotels ने देशभर में समुद्र तटों की सफाई के लिए एनजीओ के साथ मिलकर अभियान चलाया। गोआ टीम।

से मुक्त रखने में कैसे अपनी भूमिका निभा सकते हैं। पिछले महीने तीसरा संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन (UNOC3) और एलायंस ऑफ स्मॉल आइलैंड स्टेट्स (AOSIS) ने एक विशाल सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें विश्व नेताओं से ''महासागरों को जलवायु कार्रवाई के केंद्रीय स्तंभ के रूप में मान्यता देने का आग्रह किया गया।'' इसलिए, हम में से जो लोग हरियाली को ही भविष्य मानते हैं और जल स्रोतों के पास रहते हैं, उनके लिए समुद्र को प्रदूषण से बचाने, समुद्री जीवन की रक्षा करने और समुद्री जैव विविधता के समर्थन में ठोस कार्रवाई करने का उचित समय है।

''महासागर हमारी अर्थव्यवस्थाओं को समर्थन देता है, हमारी संस्कृतियों को आकार देता है और हमारे समुदायों का पोषण करता है। इसके लगभग 30 प्रतिशत के विशाल क्षेत्र के संरक्षक होने के नाते हम एक गहन विशेषाधिकार प्राप्ति के साथ एक गंभीर जिम्मेदारी भी निभाते हैं - यह एक ऐसा कर्तव्य है जिसे वे सभी राष्ट्र साझा करते हैं जो समुद्र को अपनी विरासत और अपने भविष्य का हिस्सा मानते हैं,'' एक प्रशांत द्वीप राष्ट्र, पलाऊ के राष्ट्रपति सुरंगेल व्हिप्स जूनियर ने UNOC3 सम्मेलन में एक तत्काल अपील की। वह AOSIS के वर्तमान अध्यक्ष हैं जहाँ महासागर की रक्षा ही सबसे महत्वपूर्ण एजेंडा है। वास्तव में, यह एजेंडा केवल उनका नहीं हमारा भी होना चाहिए।

और हाँ कुछ संगठन वास्तव में समुद्र को गंभीरता से ले रहे हैं और इस महाकाय कार्य में अपना योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं जो वास्तव में अत्यंत कठिन है। पिछले महीने विश्व महासागर दिवस पर आइबिस इंडिया, जिसके मुंबई, कोचि, चेन्नई और गोवा जैसे तटीय शहरों में कई होटल हैं - ने बताया कि उसने कई गैर सरकारी संगठनों के साथ बड़े पैमाने पर महासागर की सफाई का अभियान चलाया। इस पहल के अंतर्गत 600 से अधिक स्वयंसेवकों को संगठित किया गया और एक ही दिन में 500 किलोग्राम से अधिक कचरा एकत्रित किया गया।

सफाई के अलावा, जो हमारे सभी समुद्र तटों पर अत्यंत आवश्यक है, आईबिस होटलों ने समुद्री प्रदूषण के बारे में जागरूकता सत्र भी आयोजित किए और स्कूली बच्चों, मछुआरों और पर्यटकों के लिए कुछ इंटरैक्टिव गतिविधियाँ आयोजित की ताकि दीर्घकालीन व्यवहारिक परिवर्तन और सामूहिक पर्यावरणीय जिम्मेदारी को प्रोत्साहित किया जा सके।

यह इस वर्ष के वैश्विक विषय, 'वंडर: सस्टेनिंग व्हाट सस्टेन्स अस' के अनुरूप था। इसका उद्देश्य इस बात पर ध्यान आकर्षित करना है कि समुद्री तंत्र हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है और समुद्र के स्वास्थ्य को बहाल करना कितना आवश्यक है क्योंकि यह पृथ्वी पर जीवन का समर्थन करता है।

तो, आप हमारे महासागरों और अन्य जल निकायों की रक्षा के लिए क्या कर सकते हैं? शुरुआत के लिए हम जल संरक्षण कर सकते हैं ताकि अतिरिक्त जल नदियों और अन्य जल निकायों में जाकर अंततः समुद्र में समाहित न हो सकें। इसी तरह हमें गैर विषैले सफाई उत्पादों और कीटनाशकों को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि ये रसायन हमारे जल को प्रदूषित न करें।

हमें सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करना होगा और अपने समाज एवं आस-पड़ोस में इसके खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना होगा। ऐसा अनुमान है कि समुद्र में प्लास्टिक प्रदूषण का 80 प्रतिशत हिस्सा भूमि से आता है, जिसमें अनुपचारित अपशिष्ट, शहरी क्षेत्रों से बहकर आने वाला जल और औद्योगिक गतिविधियाँ शामिल हैं। समुद्री जीव अक्सर प्लास्टिक के कचरे को भोजन समझ बैठते है जिसके विनाशकारी परिणाम के चलते उनकी मृत्यु भी हो सकती है। दूषित समुद्री भोजन का सेवन करने पर मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

माइक्रोप्लास्टिक - जो प्लास्टिक के अत्यंत सूक्ष्म कण होते हैं और सामान्य आंखों से दिखाई नहीं देते - बड़े प्लास्टिक के कचरे के टूटने से बनते हैं और नदियों, झीलों तथा महासागरों में तबाही मचा रहे हैं। ये कई स्रोतों से आ सकते हैं जिनमें फास्ट फैशन और कपड़ों में इस्तेमाल होने वाले सिंथेटिक रेशे भी शामिल हैं।

अध्ययनों से पता चलता है कि भूमि और जल में फैला प्लास्टिक प्रदूषण पारिस्थितिक तंत्रों की जलवायु परिवर्तन के अनुरूप ढलने की क्षमता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। समुद्र में यह समुद्री जीवन को नुकसान पहुंचाता है।

इसलिए समुद्र की रक्षा के लिए आप अपने पड़ोस में समुद्र तटों और नदी के किनारों को साफ करने के लिए स्वेच्छा से काम कर सकते हैं। आप प्लास्टिक का सेवन कम करके अपनी जीवनशैली में बदलाव ला सकते हैं और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। व्यक्तिगत स्तर पर आपका योगदान बहुत महत्वहीन लग सकता है। लेकिन याद रखें कि बूंद बूंद से ही महासागर बनता हैं।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं,
जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

अपनी धड़कन की ताल

भरत और शालन सवुर

ऑक्सीजन की थोड़ी-सी मात्रा भी आपके शरीर में नई ऊर्जा भर देती है। जब आप साँस लेते हैं, तो आपके फेफड़े हवा से ऑक्सीजन खींचते हैं, जिसमें नाइट्रोजन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी अन्य गैसें शामिल होती हैं। फेफड़े इस ऑक्सीजन को रक्तप्रवाह में भेजते हैं। शुद्ध ऑक्सीजन आपके लाल रक्त कोशिकाओं में मौजूद हीमोग्लोबिन द्वारा अवशोषित कर जाती है और ऑक्सीजन के ये छोटे स्पंज आपके रक्तप्रवाह में प्रवाहित होकर शरीर के विभिन्न ऊतकों (मांसपेशियों, हड्डियों, नसों) तक ऑक्सीजन पहुँचाती हैं। कोशिकाओं का एक समूह एक ऊतक बनाता है, और ऊतकों का एक समूह आपके अंगों - हृदय, फेफड़े, पेट आदि का निर्माण करता है। रक्त में मौजूद लाल कोशिकाएँ न केवल ऑक्सीजन पहुँचाती हैं, बल्कि ऊतकों से अपशिष्ट कार्बन डाइऑक्साइड को भी अवशोषित करती हैं। यह कार्बन डाइऑक्साइड फेफड़ों तक पहुँचाई जाती है और साँस छोड़ते समय शरीर से बाहर निकल जाती है।

आपकी फिटनेस आपके फेफड़ों की प्रोसेसिंग पावर पर निर्भर करती है। आप जितनी अधिक ऑक्सीजन अपने ऊतकों तक पहुँचाते हैं, आपका शरीर उतना ही बेहतर प्रदर्शन करता है। एरोबिक एक्सरसाइज़ इसी दिशा में कार्य करता है - यह न केवल आपके फेफड़ों को मज़बूत बनाता है, बल्कि उनके चारों ओर की श्वसन क्षमता को भी बढ़ाता है। अपने फेफड़ों से प्यार करें। प्यार और ताज़ी हवा के साथ जिएँ। ऐसी हवा जो इन दिनों, प्रदूषण और जलवायु संकट के बीच, दुर्लभ होती जा रही है। एरोबिक प्रशिक्षण आपके रक्त में हीमोग्लोबिन को भी बढ़ाता है - फेफड़ों की क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ अधिक लाल रक्त कोशिकाओं को जोड़ता है। जिन स्पंजों के बारे में हमने पहले बात की थी, वे अब हीमोग्लोबिन के साथ मिलकर आपको कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य अपशिष्टों से भी छुटकारा दिलाते हैं। निष्क्रिय व्यक्ति की रक्त वाहिकाएँ समय के साथ और व्यायाम की कमी के कारण सख्त हो जाती हैं। धमनियों में यह क्रमिक रुकावट रक्त प्रवाह के मार्ग को संकरा कर देती है, जिससे अवरोध

उत्पन्न होता है और परिणामस्वरूप उच्च रक्तचाप हो सकता है। आदर्श रक्तचाप 120/80 mmHg माना जाता है। पहला मान (सिस्टोलिक दबाव) तब होता है जब हृदय शरीर में रक्त पंप कर रहा होता है। दूसरा (डायस्टोल दबाव) तब होता है जब हृदय विश्राम की स्थिति में होता है - यानी जब वह अगली पंपिंग से पहले मसांस ले रहा होता है।

आपके शरीर में चयापचय (मेटाबोलिज्म) की दो प्रमुख प्रक्रियाएँ होती हैं। पहली प्रक्रिया में ऑक्सीजन की सहायता से भोजन को ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है। इसके बाद, यह ऊर्जा शरीर में नए ऊतकों के निर्माण के लिए प्रयुक्त होती है। शरीर को अपने चयापचय संतुलन को बनाए रखने के लिए कार्बोहाइड्रेट (कार्ब्स), प्रोटीन, वसा और विटामिन जैसे पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। ये सभी घटक एक संतुलित आहार के माध्यम से सबसे प्रभावी रूप से कार्य करते हैं।

बिना किसी विचार के शांत बैठें और अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करें। सांस को धीमा और गहरा करते हुए पाँच मिनट तक ध्यान करें। इसके बाद, अपनी तर्जनी और मध्यमा उंगलियों को अपनी कलाई या जबड़े के नीचे रखें। अब 10 सेकंड तक दिल की धड़कनों की गिनती करें और उस संख्या को छह से गुणा करें - यह आपकी आराम करने वाली नाड़ी की दर है। यदि प्रति मिनट आपकी नाड़ी दर 70 धड़कनों तक है, तो यह अच्छे स्वास्थ्य का संकेत है। यदि यह मजादुई 70फ से अधिक है, तो यह दर्शाता है कि आपका हृदय तनाव में है और अत्यधिक कार्य कर रहा है। ऐसे में गति धीमी करें, रुकें और विश्राम करें। इस प्रक्रिया को सप्ताह में दो से तीन बार अलग-अलग समयों पर और विभिन्न गतिविधियों के बाद दोहराएं। यदि आपको अपने स्वास्थ्य और

एरोबिक एक्सरसाइज़ इसी दिशा में कार्य करता है – यह न केवल आपके फेफड़ों को मज़बूत बनाता है, बल्कि उनके चारों ओर की श्वसन क्षमता को भी बढ़ाता है।

फिटनेस को लेकर कोई संदेह है, तो अपने पारिवारिक चिकित्सक से जांच करवाएं ताकि आप सुरक्षित रह सकें और अपने स्वास्थ्य एवं फिटनेस स्तर के बारे में सुनिश्चित हो सकें। यदि अगर आपकी उम्र 35 वर्ष से ज़्यादा है और/या आपको या आपके परिवार में उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि जैसी समस्याएँ हैं, तो उंगली-नाड़ी परीक्षण पर निर्भर न रहें बल्कि मेडिकल चेक-अप करवाएं। यह सलाह उन लोगों के लिए है जो देर से जागरूक होते हैं, और यह उन लोगों के लिए एक अनुस्मारक का काम करता है जिन्हें चेक-अप की आवश्यकता है लेकिन अभी तक नहीं करवा पाए हैं।

व्यायाम दिल की धड़कन को तेज़ करता है, और यही कारण है कि आपको मेडिकल क्लीयरेंस की आवश्यकता होती है। विडंबना यह है कि आराम की स्थिति में हृदय गति को कम करने का सबसे अच्छा तरीका सीमित अवधि के लिए व्यायाम (एनारोबिक) द्वारा इसे तेज़ करना है। यह परिश्रम हृदय को मज़बूत बनाता है और इसे कम दर पर अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम बनाता है। उदाहरण के लिए, कार को ही लें-जब सभी चार सिलेंडर इष्टतम स्तर पर काम करते हैं, तो इंजन पूरी तरह से सुचारू रूप से चलता है। यदि एक सिलेंडर कमज़ोर हो जाता है, तो बाकी तीन सिलेंडर उसका भार उठाते हैं, जिससे इंजन का प्रदर्शन प्रभावित होता है। इसी तरह, एरोबिक व्यायाम हृदय की मांसपेशियों की लोच में सुधार करके इसे मज़बूत बनाता है और हर धड़कन के साथ रक्त पंप करने की क्षमता को बढ़ाता है। बिना व्यायाम या कम व्यायाम वाली मांसपेशियाँ ठीक से कार्य नहीं कर पातीं, जैसे कोई पुरानी और खराब स्थिति वाली ऑटोमोबाइल। अंगूठे का सामान्य नियम यह है: दिल की धड़कन जितनी धीमी और स्थिर होगी, हृदय उतना ही अधिक कुशल होगा-और आप उतने ही स्वस्थ रहेंगे

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

रो ई मंडल 3142

रोटरी क्लब कल्याण सिटी

नरेंद्र कॉन्वेंट स्कूल में 500 छात्रों को ऊर्जा संरक्षण के लिए सौर ऊर्जा से खाना पकाने की विधि सिखाई गई। प्रत्येक छात्र को घर पर इस विधि को दोहराने के लिए एक सौर ऊर्जा से खाना पकाने की किट दी गई।

Rotary PEOPLE OF ACTION

मंडल गतिविधियाँ

रो ई मंडल 3204

रोटरी क्लब कासरगोड

वैश्विक अनुदान के माध्यम से कासरगोड के सरकारी जनरल अस्पताल को रक्त संग्रह वैन (₹35 लाख) दान की गई। रोटरी क्लब कैसकेवेल प्रिमावेरा, ब्राजील वैश्विक भागीदार है। क्लब के अध्यक्ष नारायण नाइक ने इस परियोजना के लिए ₹10 लाख का योगदान दिया।

रो ई मंडल 3231

रोटरी क्लब तिरुपत्तूर

डिस्ट्रिक्ट कलेक्टरेट कार्यालय के पास सड़क किनारे रहने वाले लोगों को गर्मी के मौसम में छाछ और रागी का दलिया वितरित किया गया। क्लब के कोषाध्यक्ष एम थिरुनावुक्कारासु ने अपनी पत्नी की पुण्यतिथि पर इस परियोजना को प्रायोजित किया। इस परियोजना को प्रत्येक दिन अलग-अलग रोटेरियन द्वारा प्रायोजित किया जाता है।

रो ई मंडल 3261

रोटरी क्लब संबलपुर

सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल के इंटरेक्ट क्लब के सदस्यों ने वृद्धाश्रम-सह-अनाथालय में रहने वाले लोगों को किताबें, कपड़े और फल वितरित किए। छात्रों ने विशेष गृह में रहने वाले बुजुर्गों और बच्चों से बातचीत की।

रो ई मंडल 3181

रोटरी क्लब मैंगलोर सेंट्रल

होटल व्यवसायी के प्रकाश शेट्टी को आतिथ्य क्षेत्र में उनकी उद्यमशीलता के लिए राज्य स्तरीय वंदना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुरस्कार समिति के अध्यक्ष पीडीजी देवदास पाई, एजी के एम हेगड़े, क्लब अध्यक्ष ब्रायन पिंटो, रोटरेक्ट क्लब मैंगलोर सिटी के अध्यक्ष बिडप्पा और डीआरआर संजय उपस्थित थे।

रो ई मंडल 3291

रोटरी क्लब जोधपुर गार्डन कलकत्ता

क्लब के फाउंडेशन अध्यक्ष ब्रोजो गोपाल चौधरी द्वारा स्वर्गीय देबाश्री चौधरी की स्मृति में बेहाला बालानंद ब्रह्मचारी अस्पताल को एक मेडिकल बिस्तर दान किया गया था। डीजीएनडी पूर्णेंदु रॉयचौधरी और अरिंदम रॉयचौधरी उपस्थित थे।

रो ई मंडल 3262

रोटरी क्लब भुवनेश्वर मेडोज़

सैलाबाला फाउंडेशन के सहयोग से हीरापुर यूथ क्लब, बलियांटा में जल संरक्षण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। छह स्कूलों के विद्यार्थियों ने 12 प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए, जिनमें से निर्णायक मंडल ने तीन को पुरस्कार के लिए चुना। सभी को सांत्वना पुरस्कार दिए गए।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से

रोटरी फाउंडेशन की क्षेत्रीय टीम 2025-26 ज़ोन 4, 5, 6 और 7 के लिए कृपया क्षेत्रवार टीम का विवरण नीचे देखें

Zone	Designation	Name	E-mail address
4 & 7	RI Director	K P Nagesh	rid2527kpn@gmail.com
5 & 6	RI Director	M Muruganandam	mmstask@yahoo.com
4,5,6,7	TRF Trustee	Dr Bharat Pandya	drbspandya@gmail.com
4	E/MGA	Ashish Ramesh Ajmera	ashishajmera27@hotmail.com
	EPNC	Dr Ashes Ganguly	ashesganguly@yahoo.com
	RRFC	Dr N Subramanian	drnsubra@yahoo.co.in
5	E/MGA	Aruljothi Karthikeyan	dgkarthi3202@gmail.com
	EPNC	V R Muthu	vrmuthu3212@gmail.com
	RRFC	Gowri Rajan	rotary.gowri@gmail.com
6	E/MGA	Ajay Agarwal	ajayagarwal3262@gmail.com
	EPNC	Uttam Ganguli	uttamganguli57@gmail.com
	RRFC	Debashish Das	debashishdg32401920@gmail.com
7	E/MGA	Sam Rao Movva	sammovva@yahoo.com
	EPNC	Girish Govind Gune	drgirish3131@gmail.com
	RRFC	Surendra Reddy Bommireddy	pdgsurendra@gmail.com

सी एस आर स्टीवर्डशिप उप समिति

सी एस आर अनुदान रिपोर्टिंग को सी एस आर नीति के अनुरूप पूरा करने के लिए सभी चार क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ एक सीएसआर प्रबंधन उप-समिति का गठन किया गया है। इसके सदस्य इस प्रकार हैं:

1. **ज़ोन 4**
   पीडीजी हरजीत तलवार,
   रो ई मंडल 3141
2. **जोन 5**
   पीडीजी जॉन डेनियल,
   रो ई मंडल 3211
3. **जोन 6**
   पीडीजी राजन गंडोत्रा,
   रो ई मंडल 3250
4. **जोन 7**
   पीडीजी लक्कराजू सत्यनारायण (टिक्कू),
   रो ई मंडल 3020

सी एस आर स्टीवर्डशिप उप-समिति की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

- सी एस आर अनुदान की अतिदेय रिपोर्टिंग के लिए सी एस आर रिपोर्टिंग आवश्यकता को पूरा करने हेतु अनुवर्ती कार्रवाई में सहायता।
- सी एस आर अनुदान बंद करने में सहायता के लिए ज़ोन नेताओं (आरआरएफसी, ईएमजीए और एआरआरएफसी) से संपर्क करना, जैसा कि जीजी के लिए प्रथा है।
- सी एस आर अनुदान बंद करने में सहायता के लिए मंडल नेताओं (डीजी, डीआरएफसी, डीजीएससी) से संपर्क करना।
- सी एस आर अनुदानों की लेखापरीक्षा उपरांत समीक्षा अनुपालन हेतु समिति के साथ साझा की जाएगी।
- 400,000 डॉलर से अधिक के सी एस आर अनुदान में अग्रिम कैडर दौरे भी शामिल हैं; इसलिए, विवरण भी समिति के साथ साझा किया जाएगा।
- सी एस आर टीम समिति के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी सी एस आर अनुदान 30 महीने की अवधि से अधिक न चले और दो वर्षों से अधिक समय तक लंबित न रहे। ■

सदस्यता सारांश

1 जून 2025 तक

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	142	5,978	6.04	56	110	35	255
2982	89	4,042	5.86	36	550	98	189
3000	149	6,265	11.64	95	1,230	245	218
3011	133	5,303	30.98	72	1,867	240	41
3012	151	3,908	24.51	55	635	105	61
3020	81	4,527	7.95	46	707	187	351
3030	104	5,657	16.51	66	1,298	513	402
3040	102	2,443	15.39	35	737	64	217
3053	75	3,275	18.84	23	328	43	131
3055	88	3,586	12.02	49	683	61	409
3056	83	3,861	25.17	22	204	110	201
3060	100	5,168	15.54	53	1,806	78	154
3070	117	3,103	15.11	36	359	73	64
3080	118	4,535	14.49	65	2,122	222	127
3090	130	2,542	5.94	24	377	359	174
3100	115	2,166	10.39	17	112	41	151
3110	133	3,667	11.64	22	214	106	114
3120	90	3,892	15.75	34	472	45	58
3131	133	5,344	37.05	123	2,729	307	255
3132	99	3,936	14.23	35	436	207	229
3141	121	6,746	28.92	124	3,517	222	249
3142	115	4,081	23.16	57	1,609	142	100
3150	103	4,128	13.35	67	1,691	129	130
3160	77	2,472	8.94	27	108	100	82
3170	142	6,620	15.03	89	1,003	204	184
3181	91	3,788	10.98	40	430	144	122
3182	85	3,737	10.68	49	306	118	105
3191	85	3,240	20.65	75	1,846	201	36
3192	84	3,488	22.08	65	1,789	164	40
3201	175	6,815	10.18	116	2,104	121	99
3203	102	5,317	7.50	52	853	158	40
3204	87	3,010	10.76	28	310	24	23
3211	161	5,318	9.29	14	219	34	136
3212	121	4,730	10.59	89	610	216	153
3231	92	3,616	7.19	35	436	121	422
3233	91	3,419	18.48	64	1,964	59	63
3234	81	3,234	24.27	65	1,607	108	42
3240	99	3,500	17.11	47	802	82	253
3250	115	4,530	23.77	39	541	99	194
3261	96	3,422	24.46	18	112	37	46
3262	120	4,052	16.66	84	785	668	298
3291	141	3,800	27.84	-	-	96	779
India Total	**4,475**	**176,261**	**16.31**	**2,208**	**39,618**	**6,386**	**7,397**
3220 **Srilanka**	74	2,120	16.89	88	4,149	147	79
3271 **Pakistan**	105	1,432	20.39	106	491	281	28
0063 (3272) **Pakistan**	72	1,141	19.54	48	296	23	49
0064 (3281) **Bangladesh**	225	4,961	17.13	185	1,033	120	211
0065 (3282) **Bangladesh**	135	2,722	8.82	167	1,094	26	48
3292 **Nepal**	160	5,624	19.26	179	5,361	132	145
S Asia Total	**5,246**	**194,261**	**16.37**	**2,981**	**52,042**	**7,115**	**7,957**

महिलाएं और उनके डिब्बें

LBW

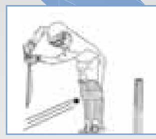

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

हिंदी में एक पुरानी कहावत है 'प्राण जाए पर वचन न जाए।' कई भारतीय महिलाओं के लिए, यह 'प्राण जाए पर डिब्बा ना जाए' की तरह है, जिसका अर्थ है कि अगर उन्होंने आपको एक डिब्बे में खाने के लिए कुछ भेजा है, तो वे उस डिब्बे को हर हाल में वापस पाना चाहेंगी। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपको डिब्बे के अंदर की चीज़ पसंद आई या नहीं; उन्हें सिर्फ डिब्बे की परवाह होती है और वे उसे वापस लेने की जिद पर अड़ी रहती हैं। मुझे यह बात लगभग पचास साल पहले अपने एक अनुभव से समझ में आई। एक मित्र की मां ने मुझे कुछ *उंधियु* भेजा था, यह एक गुजराती व्यंजन है जिसे उल्टा, ज़मीन के नीचे, धीमी आँच पर एक मिट्टी के बर्तन में पकाया जाता है और इसमें ढेर सारी सब्ज़ियाँ और घी होता है। यह खाने में बेहद भारी होता है। मैंने उस महिला को एक पत्र लिखकर इस प्यार और स्वादिष्ट व्यंजन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने तुरंत जवाब में लिखा: ''अच्छा लगा कि तुम्हें पसंद आया। कृपया डिब्बा संभाल कर रखना, मैं अगली बार जब दिल्ली आऊँगी, तब ले जाऊँगी।'' उन दिनों डाक विभाग की एक सेवा हुआ करती थी जिसे क्यूएमएस कहते थे। उस समय बॉम्बे और कलकत्ता, जिनके नाम अब बदल चुके हैं, में पत्र 24 घंटे में पहुँच जाते थे। मद्रास के 36 घंटे लगते थे। मेरी बदकिस्मती से, मैंने वह डिब्बा अपनी कामवाली को दे दिया था, जिसने उसे बड़ी खुशी से ले लिया था।

मुझे लगा कि एक सज्जन पुरुष की तरह मुझे अपने मित्र की मां को सूचित कर देना चाहिए कि अब वह डिब्बा कामवाली की रसोई की शोभा बढ़ा रहा है। उनका जवाब तीखा था। उन्होंने लिखा: ''नौजवान, जैसे किसी चीज़ को लेने से पहले पूछना ज़रूरी होता है, वैसे ही किसी ऐसी चीज़ को देने से पहले भी पूछना ज़रूरी है जो तुम्हारी नहीं है।'' मैंने वह पत्र आज तक संभाल कर रखा है, एक याद के तौर पर कि ऐसे डिब्बों के मामले में क्या सामाजिक शिष्टाचार अपेक्षित होता है। और तब से अब तक, मैंने बहुत सावधानी बरती है और फिर कभी वह गलती नहीं दोहराई।

इस स्त्रियोचित सामाजिक मर्यादा को देखकर मुझे लगा कि सभी महिलाएं इसका पालन करती होंगी। वही सिद्धांत - जैसा व्यवहार आप अपने लिए चाहते हैं, वैसा ही दूसरों के साथ करें। लेकिन, अफसोस, ऐसा नहीं है। दरअसल, यह एक बहुत ही दिलचस्प समाजशास्त्रीय तथ्य है। अगर आप किसी महिला से अपना डिब्बा वापस माँग लें, तो अक्सर वह नाराज़ हो सकती है। शायद उसे यह बेहद बुरा व्यवहार लगता है। यानी यह मर्यादा केवल पुरुषों पर लागू होती है। इसी कारण, जब महिलाएं एक-दूसरे को कुछ भेजती हैं, तो वे सस्ते डिब्बों का इस्तेमाल करती हैं।

जब मेरी शादी नहीं हुई थी, तब मेरी मां ने मेरे लिए ऑफिस में टिफिन ले जाने के लिए एक बहुत ही सुंदर डिब्बों का सेट खरीदा था। वे स्टेनलेस स्टील के बने हुए थे, और उन पर बड़ी आकर्षक कुंडियाँ थीं। एक दिन मैंने अपने एक मित्र की पत्नी को उनके शादी की सालगिरह पर गाजर का हलवा भेजा। कुछ हफ्ते बीत गए, और वह डिब्बा उन्हीं के पास रह गया। मैं तो उसे पूरी तरह भूल गया था लेकिन कई महीने बाद जब मेरी मां मुझसे मिलने आईं, तो उन्होंने डिब्बे के बारे में पूछा। मैंने उन्हें बताया तो वह बहुत नाराज़ हो गईं। उन्होंने तुरंत मुझे डिब्बा वापस लाने का आदेश दिया!

जब मैंने बड़ी झिझक के साथ अपने मित्र को फोन किया और उसे याद दिलाया, तो उसने हँसते हुए कहा कि मेरी पत्नी को वह इतना पसंद आया कि अब वो उसी में मेरा टिफिन भेजती है। ''उसे लगा कि वो तो शादी की सालगिरह का तोहफा था!''

मेरी मां ने उन दोनों को कभी माफ़ नहीं किया और वह हमेशा उन्हें *डब्बा तिरुडंस* (तमिल में चोर) कहकर ही पुकारती थीं। लेकिन मेरी हालत तो और भी खराब हो गई थी। अब कुछ भी भेजने से पहले मुझे मां की मंजूरी लेनी पड़ती थी। मेरी पत्नी, जो डब्बों की गहरी जानकार हैं, अब घर में ढेर सारे सस्ते प्लास्टिक के डिब्बे रखती हैं। असल में, इन डब्बों के बीच भी एक वर्ग व्यवस्था होती है। कौन-सा डिब्बा किसे भेजा जाएगा, यह कई बातों पर निर्भर करता है जैसे कि अवसर क्या है, पाने वाले की सामाजिक स्थिति, लिंग आदि। मेरी मां की तरफ से मिलने वाली सबसे बड़ी तारीफ़ होती थी: ''मुझे डिब्बा बहुत पसंद आया।'' अब मैं उनकी याद में डब्बे जमा करने लगा हूं। ■

ADVT.

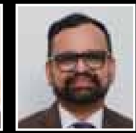

Rotary
District 3212

THE MAGIC OF ROTARY

Project Punch
A 3-day Spoken English programme

(Sponsored by IDHAYAM Edible Oils
and executed by Beehive Communication Club
in association with RID 3212)
attains a milestone achievement.

The invitation of the 121st edition of Project Punch was sent to 450+ schools of Cuddalore District, Tamil Nadu. 100 teachers from 30 schools attended the programme.

Thanks to Narbhavi Social Empowerment Foundation and Tamil Nadu Private Schools Welfare Association!

Successfully knocked on 450+ School Doors
with the promise of uplifting Spoken English in their campuses

As on June 3, 2025

No. of Occurrences **121**

No. of Beneficiaries **13,297**

We are happy that the skills delivered to 100 teachers through Project Punch 121 are to reach thousands of other teachers and students of 30 schools.

PROJECT PUNCH

Do you wish to Host Project Punch? Contact:

IDHAYAM
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

Project Chairman
Rtn. A.Shyamraj
97502 07464

LEKHA ads/July 25/ Rotary/BIW

Posted at Egmore RMS Patrika Channel. Date of posting: 6–12 every month. Regd with RNI TNHIN/2001/05271. Rotary Samachar Published 1st week of every month.
Registered No. TN/CCN/359/2024-2026 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹40
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/24-26

ADVT.